जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

Hanumant Was a Prince: But What a Man

Hanumant was born to be a diplomat. Aware, intelligent, tactful, he injected the essence of diplomacy to his batting and leadership.

A Second Life...

How To Learn A New Language

Find a pen pal & trade language expertise

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। कांग्रेस महासचिव तथा मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने मोदी सरकार के बेतुके सिक्योरिटी सिस्टम पर कड़ा प्रहार करते हुये कहा है कि सरकार ने भारतीय हवाई अड्डों पर सैन्ट्रल इन्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सी.आई.एस.एफ.) के 3000 पदों को समाप्त करने तथा उनके स्थान पर प्राइवेट सिक्योरिटी तैनात करने का निर्णय लिया है।

- केन्द्र सरकार के केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को एयरपोर्ट की सुरक्षा से हटाकर संघ कार्यालय व अंबानी, अडानी की सुरक्षा में तैनात करने के फैसले की कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की।

उन्होंने ट्वीट किया, लेकिन "हमारे दो" तथा आर.एस.एस. की सहूलियतों के संरक्षण के लिये सी.आई.एस.एफ. ही है। सरकारी सम्पत्तियों (की सुरक्षा) के लिये प्राइवेट सिक्योरिटी तथा प्राइवेट हस्तियों (की सुरक्षा) के लिये सरकारी सिक्योरिटी।" वस्तुतः

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं किसी का पोता, बेटा, भाई, किसी का भतीजा हूँ, सब का मुझ पर आशीर्वाद और सबसे आत्मीय रिश्ता'

हजारों की संख्या में बधाई देने उमड़ी भीड़ का यह कहकर अभिवादन किया सचिन पायलट ने

जयपुर, 6 सितम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन से 1 दिन पहले जयपुर में सिविल लाइन्स स्थित उनके सरकारी आवास के बाहर बधाई देने के लिए हुजूम उमड़ पड़ा। सिविल लाइन्स में सचिन पायलट को बधाई देने वालों में खास बात यह रही कि, जहां पायलट कैम्प के मंत्री- विधायक तो मौजूद थे ही, वहीं, अब तक अशोक गहलोत कैम्प में दिखने वाले सात विधायक भी सचिन पायलट को बधाई देने सिविल लाइन पहुंचे।

इस मौके पर सचिन पायलट ने भी किसी को निराश नहीं किया और बड़ी आत्मीयता से सबसे मिलकर बधाइयाँ स्वीकार कीं। इस दौरान पायलट ने कहा, "आज मेरे पास कोई पद नहीं है और साधारण विधायक हूँ लेकिन मैं राजस्थान से आए इन चाहने वालों में किसी का पोता, किसी का बेटा, किसी का भाई, किसी का भतीजा हूँ और इन सब लोगों का आशीर्वाद और प्यार ही है, जो मुझे हमेशा ताकत देता है। राजनीतिक जीवन में जरूरी है कि आप आत्मीयता के संबंध कायम कर सकें और आज दूर-दूर से जिस तरह से लोग आए हैं, वह आत्मीयता का ही संबंध है। लोगों का मुझ पर आशीर्वाद है और मैं चाहता हूँ कि इस आशीर्वाद को कायम रख सकूं।"

सचिन पायलट के जन्मदिन से एक दिन पहले जयपुर में उनके सिविल लाईन्स स्थित आवास के बाहर बधाई देने के लिए समर्थकों का हुजूम उमड़ पड़ा।

- डूंगरपुर, जालौर, बाड़मेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ से भी आई भारी भीड़।
- चारों तरफ से आ रही भारी भीड़ के कारण सोडाला से अजमेर पुलिया, हवा सड़क से सहकार मार्ग और सी स्कीम में वाहन रेंगते रहे।

जन्मदिन पर हुए इस जलसे के दौरान हालत यह रहे कि, भारी भीड़ के कारण सोडाला से लेकर अजमेर पुलिया और मिशन कंपाउंड तक, हवा सड़क से लेकर 22 गोदाम सर्किल, सहकार मार्ग कई घंटों तक जाम रहे या वाहन रेंग-रेंग कर चलते रहे। सचिन पायलट को बधाई देने के लिए दूरदराज से आने वाले लोगों को भी अपने वाहन काफी दूर खड़े करके पैदल पहुंचना पड़ा। पुलिस को भी भारी भीड़ को नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सिविल लाइन्स स्थित राजभवन रोड की हालत तो यह थी कि, एक बार भी भीड़ कहीं भी कम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश की सद्भावना यात्रा

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बहुत व्यस्त रहे। कल कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भेंट करने के बाद, आज उन्होंने वामपंथी नेताओं- सीताराम येचुरी तथा डी. राजा से अलग-अलग भेंट की। इससे भी बड़ी बात यह रही कि उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री तथा आप नेता अरविंद केजरीवाल से भी बातचीत की।

अभी कुमार की सूची में अन्य

- दिल्ली की अपनी यात्रा में नीतीश पहले तो राहुल गांधी से मिलने गये उनके निवास पर, फिर, सभी राजनीतिक पार्टियों के दफ्तर व नेताओं से भी भेंट की।

नेताओं के साथ मीटिंग करना भी शेष है। अभी वे अन्य नेताओं के अलावा, आई.एन.एल.डी. नेता ओम प्रकाश चौटाला तथा जे.डी.एस. नेता कुमार स्वामी के साथ भी मीटिंग करेंगे।

बिहार में सरकार के बदलने के बाद, यह बात दिन-पर-दिन स्पष्ट होती जा रही है कि नीतीश कुमार अब स्वयं को राष्ट्रीय भूमिका में मानकर चल रहे हैं। लेकिन उनकी इन मीटिंगों के चलते, मीडिया में यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

...ऐसी जली कि, कोयला बनी न राख

गहलोत नये-नये प्रस्ताव भेज रहे हैं हाई कमान को, सचिन पायलट को मु.मंत्री बनने से रोकने के लिये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह कोशिश करने एवं सुनिश्चित करने के अपनी सारी ताकत लगा दी है कि सचिन पायलट राजस्थान के मुख्यमंत्री न बन पाये।

बताया जाता है कि उन्होंने गांधी परिवार से कह दिया है कि उनकी पसंद एंव विश्वास का आदमी ही मुख्यमंत्री बनना चाहिये (जिसका सीधा अर्थ निकलता है कि यह मैं तय करूँगा कि मुख्यमंत्री कौन बने) या फिर उन्हें मुख्यमंत्री तथा कांग्रेस अध्यक्ष-दोनों ही पदों पर बना रहने दिया जाये। मुख्यमंत्री के नज़दीकी सूत्रों का कहना है कि यह सुनिश्चित करने के लिये कि पायलट मुख्यमंत्री की कुर्सी पर न बैठ पायें, वे (गहलोत) कुछ भी कर गुजरेंगे तथा किसी भी बिन्दु पर नहीं रूकेंगे। इसका एक छोटा सा ट्रेलर आज जयपुर में प्रत्यक्षताः देखने को मिला।

- 24 सितम्बर को कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिये आवेदन आने शुरू होंगे तथा 9-10 सितम्बर को सोनिया गांधी विदेश से लौटेंगी, तभी कांग्रेस के अध्यक्ष पद की गुत्थी सुलझेगी तथा राजस्थान के मु.मंत्री पद का मामला अन्ततोगत्वा सुलटेगा।

कल, 7 सितम्बर को सचिन पायलट का जन्मदिन है लेकिन उनका जन्मोत्सव आज ही मना लिया गया, क्योंकि वे आज शाम ही कन्याकुमारी की दो दिन की यात्रा पर चले गये ताकि वहाँ वे राहुल गाँधी की भारत जोड़ो पद यात्रा में शामिल हो सकें।

इधर अशोक गहलोत यहाँ अपने असली रंग में आ गये तथा उनके निर्देशानुसार, सारे पोस्टर तथा होडिंग रातों-रात फाड़ दिये गये या हटा दिये गये।

यह बिल्कुल अलग बात है कि उत्साही समर्थकों ने सुबह ही दोगुनी संख्या में पोस्टर एवं होडिंग फिर लगा दिये।

अपने नेता को शुभकामना देने के लिये, पूरे राज्य से आये पायलट-समर्थकों से जयपुर भीड़ से अवरूद्ध हो गया था।

लेकिन प्रशासन ने पायलट के आवास के पास बैरिकेड लगा दिये थे, जिसके कारण लोगों को उनके आवास तक पहुँचने में मुश्किलें आई क्योंकि उन्हें पैदल चलना पड़ा था। लेकिन बात यही नहीं रूकी।

गहलोत-प्रशासन ने सिविल लाइन्स तथा आस-पास क्षेत्र की इन्टरनेट सेवाएं बन्द कर दीं, ताकि सीधा टेलीकास्ट, ब्रॉडकास्ट तथा पायलट के जन्म दिन पर उन्हें शुभकामनाएं देने आई विशाल भीड़ के बीच सन्देशों का आदान प्रदान न हो सके।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि जहाँ तक सचिन पायलट का मामला है, अशोक गहलोत अत्यधिक असुरक्षित, प्रतिशोधात्मक, छोटे तथा तुच्छ सोच वाले प्रतीत हो रहे हैं। प्रश्न यह है कि जब अशोक गहलोत पायलट के खिलाफ एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं तथा सब कुछ खुले आम कर रहे हैं, तो गांधी परिवार सचिन पायलट को मुख्यमंत्री कैसे बना पायेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के नामांकन 24 सितम्बर को शुरू होंगे तथा सोनिया गांधी के 9-10 सितम्बर को भारत लौटने की उम्मीद है। उनके आने के बाद ही, राजस्थान के मुद्दे पर अन्तिम एवं निर्णायक चर्चा होगी।

गांधी परिवार के सामने अशोक गहलोत के रूप में एक बहुत बड़ा सिरदर्द है तथा वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि गांधी परिवार ने इतना बड़ा ग्रास ले लिया है कि उनसे चबाते नहीं बन रहा।

चुनाव आयोग

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी तथा वी. नागरत्ना की सर्वोच्च न्यायालय बैंच ने कहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त तथा दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में "सरकार की सनकों तथा मनमानी" को रोकने की अधिकारिक घोषणा बड़ी बैंच ही करेगी।

- चुनाव आयोग की नियुक्तियों में मनमानी रोकने की मांग करने वाली याचिका की सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने वृहद् बैंच गठित की।

बैंच ने एक पी.आई.एल. पर सोमवार को केन्द्र को नोटिस जारी कर दिया। याचिका में कहा गया था कि ये नियुक्तियाँ असंवैधानिक हैं तथा चुनाव आयोग की स्वतंत्रता एवं चुनाव प्रक्रिया की तटस्थता को कमजोर करने वाली हैं। एक एन.जी.ओ. "एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स" (ए.डी.आर.)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्टालिन कोई कसर नहीं छोड़ रहे राहुल के स्वागत में

वे राहुल को तिरंगा झण्डा भेंट करेंगे, "भारत जोड़ो यात्रा" के शुभारम्भ के अवसर पर

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, जिन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आप पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की कल ही मेजबानी की थी, अपने गठबंधन सहयोगी एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कल कन्याकुमारी में राष्ट्रीय ध्वज सौंपेंगे और भारत जोड़ो पदयात्रा में भाग लेंगे। यह पदयात्रा कन्याकुमारी से ही शुरू होगी और 3 हजार 570 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर कश्मीर तक जाएगी।

स्टालिन का कन्याकुमारी में एक रैली को संबांधित करने का भी कार्यक्रम है, जहां वह राहुल गांधी को राष्ट्रीय ध्वज सौंपेंगे। यद्यपि उम्मीद के मुताबिक कांग्रेस और खासतौर पर राहुल गांधी को स्टालिन का समर्थन अपने सहयोगी के प्रति प्रतिबद्धता के संदर्भ में तमिलनाडु

- स्टालिन उस समारोह में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व नेताओं को संबोधित भी करेंगे।
- अपने इस व्यवहार से वे राहुल को आश्वस्त कर देना चाहते हैं कि, हाल ही में उन्होंने बनर्जी व केजरीवाल का भी स्वागत किया था, पर, वे मूलतः दिल से कांग्रेस व राहुल के साथ ही हैं।
- स्टालिन का यह सोच राहुल को तो बहुत भा रहा है, पर, सच यह भी है कि, स्टालिन का यह आचरण अपनी तमिलनाडु की जनता को लुभाने के लिये है। यहाँ की जनता भाजपा को भी उत्तर भारत की, हिन्दी वादी पार्टी मानती है, अतः स्टालिन का भाजपा विरोधी व कांग्रेस समर्थक आचरण काफी भा रहा है, तमिलनाडु की जनता को।

और देश के मतदाताओं को एक मैसेज देने के लिए महत्वपूर्ण है। समय-समय पद चलती अटकलों के बीच, जिसमें लोग कभी-कभी वास्तविक जैसा अर्थ भी लगा लेते है और संदेह व्यक्त करते हैं कि क्या डी.एम.के. (द्रमुक) भी समय विशेष में भाजपा के पाले में तो नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गिरगिटों का है जमाना!

भारत में नीतीश व ममता इस राजनीतिक सोच (गिरगिट वाद) के कट्टर व प्रबलतम अनुयायी हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। यह तो ठीक है कि ब्रिटेन को नया प्रधानमंत्री मिल गया है, लेकिन इसके ये मायने भी हैं कि इस देश ने अपना वास्तविक रंग दिखा दिया है। प्रधानमंत्री के चयन में दक्षिणपंथ का पूर्ण बोलबाला रहा। नईप्रधानमंत्री 1 प्रतिशत से भी कम ब्रिटिश वोटर्स के समर्थन से जीती हैं: यानी कि कंज़रवेटिव पार्टी के सदस्यों से करीब 20 हजार अधिक समर्थकों के वोट से।

लिज़ ट्रस ब्रिटेन की महारानी से मिलने स्कॉटलैण्ड गई हैं। महारानी वर्तमान में यहां गर्मियों की छुट्टियां बिता रही हैं और ब्रिटेन की आगामी प्रधानमंत्री से बकिंघम पैलेस में भेंट करने के लिए लंदन आने में असमर्थ हैं।

विडम्बना यह है कि लिज़ ट्रस ने ब्रिटिश राजशाही के उन्मूलन के लिए कभी कैंपेन चलाया था। तब उन्होंने कहा था "हम यह बहुत बर्दाश्त कर चुके हैं।"

- ब्रिटेन की नव नियुक्त प्र.मंत्री लिज़ ट्रस ने ब्रिटेन की पूर्व कॉलोनियों के चतुर राजनीतिज्ञों द्वारा प्रतिपादित "गिरगिट वाद" का सबक पूरी तरह सीख लिया है।
- वे एक जमाने में ब्रिटेन की पुरानी "इंग्लिश मॉनार्की" की व्यवस्था के सख्त खिलाफ थीं, पर, प्र.मंत्री बनते ही वे स्कॉटलैंड गईं, महारानी एलिज़ाबेथ से शुभकामना लेने।
- जब ट्रस ने अपना प्र.मंत्री बनने का अभियान शुरू किया था, वे पूर्णतया ब्रिटेन का मार्केट पूरी तरह से खोलने के खिलाफ थीं, पर, अभियान के अंत वे पूर्ण तथा "फ्री ट्रेड" की वकालत करने लगी थीं।
- जब वे ऑक्सफोर्ड में पढ़ रही थी, तब वो उदारवादी व प्रजातंत्रीय व्यवस्था की वकालत करती थीं, और उनकी दलील थी कि, ब्रिटेन को "इमिग्रेशन पॉलिसी" और उदारवादी करनी चाहिये, जिससे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा को आकर्षित कर सके इंग्लैंड। पर, राजनीति में आने के बाद वे और सख्त "इमिग्रेशन पॉलिसी" लाने का पक्ष लेने लगी थीं, जिससे ब्रिटेन में आने वाले लोगों को हतोत्साहित किया जा सके।
- वे कॉलेज के दिनों में ब्रिटेन के यूरोपीय साझा बाजार में बने रहने का पक्ष लेती थीं, और बाद में उन्हें ब्रिटेन के साझा बाजार से अलग होने में ज्यादा लाभ ज्यादा नज़र आने लगा था।

वे अब इससे मुकर गई हैं, लेकिन पार्टी के पुराने वाइट और राइट विंग सदस्यों के समक्ष इस बात को हाईलाइट करने में टीकाकारों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। यह तथ्य पार्टी के उन अधिक प्रगतिशील, शिक्षित और जानकार सदस्यों के विपरीत है, जिन्होंने ऋषि सुनक का विकल्प चुना था, लेकिन ऋषि सुनक के साथ अंत ना पंत ऐसा होना ही था क्योंकि वे मूलतः अंग्रेज नहीं हैं।

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज़ ट्रस अपनी बात से मुकरने में उतनी ही माहिर है, जैसे हर कहीं के राजनेता होते हैं। बिहार के नीतीश कुमार या बंगाल की ममता बनर्जी की भांति लिज़ ट्रस ने प्रधानमंत्री बनने से पूर्व प्रमुख मुद्दों पर दावे के साथ सार्वजनिक रूप से बात कहने के बाद कई बार अपना पैंतरा बदला है।

नीतीश कुमार भाजपा के सहयोग से बिहार के मुख्यमंत्री बने और अब वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री पद पर नज़रे गड़ाते हुए उसके सर्वाधिक कट्टर दुश्मन बन चुके हैं। ममता बनर्जी ने आर.एस.एस. का जबर्दस्त विरोध किया था, लेकिन उन्हें अब महसूस हो रहा है कि आर.एस.एस. में अच्छे लोग थे, जिन्होंने समाज सेवा की।

ब्रिटेन की पूर्व विदेश मंत्री लिज़ ट्रस को अपनी राजनीति की खातिर रंग बदलने के कारण "राजनीतिक गिरगिट" की संज्ञा दी गई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सहकार से समृद्धि'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभू को नई राष्ट्रीय सहकारी नीति का प्रारूप तैयार करने के लिए गठित पैनल का अध्यक्ष बनाया गया है। यह प्रारूप 2002 से चली आ रही मौजूदा राष्ट्रीय सहकारी

- केन्द्र सरकार ने नई राष्ट्रीय सहकारी नीति बनाने के लिए पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश प्रभू के नेतृत्व में एक पैनल गठित किया।

नीति का स्थान लेगा। इस पैनल, जिसमें 47 सदस्य होंगे, का गठन केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने किया है।

पैनल में देश के सभी भागों से सदस्य मनोनीत किए जाएंगे जो सहकारी क्षेत्र के विशेषज्ञ होंगे और राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय व जिला एवं राज्यों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

संसार में छल, प्रवंचना और हत्याओं को देखकर कभी-कभी मान लेना पड़ता है कि यह जगत ही नरक है। –जयशंकर प्रसाद

अखबारों में छपी बलात्कार की रिपोर्टें क्या झूठी और विश्वास योग्य नहीं?

काफी समय से प्रिंट मीडिया में महिलाओं के प्रति घटित बलात्कार व अन्य अपराधों की सूचनाएँ बहुधा छपती रहती हैं। पाठक इन्हें पढ़कर सोचते हैं कि हम कहाँ किस समाज में और किन परिस्तिथिओं में रह रहे हैं? आंकड़ों सहित एक खबर के अनुसार राजस्थान अन्य प्रदेशों की तुलना में महिलाओं के प्रति अपराधों में सबसे ऊपर दर्ज हुआ है। यह एक सर्वे रिपोर्ट थी। जिसमे जिलेवार ऐसे अपराधों की संख्या की खबर छप चुकी है इसके लिए क्या किसी ने मुख्यमंत्री जी को दोषी ठहराया है? जिससे उन्हें यह वक्तव्य देना पड़ा कि 56 प्रतिशत मामले झूंठे हैं, और विरोधी लोग ऐसी बातें फैलाते रहते हैं। काश उनका कथन सही निकले। मेरी समझ से मुख्य मंत्री एक संबेदनशील व्यक्ति हैं फिर भी यदि दुष्कर्म के मामले कोर्ट तक पहुंच चुके हैं अथवा पुलिस में प्रथम रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है तो न्यायालय से वस्तु स्तिथि शीघ्र स्पष्ट हो जायेगी कि दुष्कर्म का मामला सही है अथवा झूंठा? वर्तमान में न्यायलय भी झूंठे मामलों में सख्त रूख अपनाने लगे हैं और शिकायतकर्ता को ही लताड़ के साथ जुर्माना लगा देते हैं।

इसके पलट भी एक सामजिक पक्ष है कि पीड़ित महिला व उसका परिवार समाज में बदनाम होने के डर से मुंह बंद कर लेते हैं और पुलिस तो क्या, समाज में भी किसी को कुछ भी नहीं बताते जैसे कुछ हुआ ही न हो। इसलिए अधिकांश वे अपराध झूंटे तो नहीं कहे जा सकते, यदि वे सार्वजनिक मीडिया में प्रकाशित नहीं किये गए हैं। और यदि प्रकाशित हो चुके हैं तो स्तिथि जल्द स्पष्ट हो जायेगी, कि झूंटे हैं अथवा सही।

अभी तक तो भारतीय समाज चाहे वो किसी धर्म से सम्बंधित हो, समाज में बदनामी के डर से कही अधिक खौफ खाता है और बलात्कार के मसले को रिपोर्ट नहीं करता और न ही परिवार या समाज में उसकी बात करता है, ऐसा केवल बदनामी के डर से और कुंवारी लड़की के विवाह में विघ्न उत्पन्न होने के डर से। इसलिए कोई भी विवेकशील व्यक्ति झूठे मामले के कथन को आसानी से स्वीकार नहीं कर सकता। अतः बिना किसी द्वेष व् पूर्वाग्रह के मैं किसी पर कोई आक्षेप नहीं लगा रहा। मुख्य मंत्री का भी आशय कि विरोधी पार्टी बदनाम करने के लिए इस तरह के झूंटे प्रचार करते रहते हैं, सच भी हो सकता है। उनके इस राजनैतिक वक्तव्य पर मुझे कुछ नहीं कहना। यदि सम्बंधित अखवार उनके वक्तव्य पर कुछ सफाई दे तो उसकी मर्जी।

फिर भी एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को ऐसे सामाजिक सम्बेदंशील मसलों पर तुरंत किसी विपरीत प्रर्तिक्रिया से बचना चाहिए। और यदि कुछ सच्चाई लगे भी, तो आवश्यक कदम शीघ्र उठाने की मंशा जाहिर करना कही अधिक अपेक्षित रहता है।

कुछ समय पूर्व मेरे दो लेख 'बलात्कार' और 'दुश्चिरत्र' लोगों पर इसी अखवार में और समता सन्देश में छपे थे। आशा की थी की कोई प्रतिक्रिया कहीं से मिलेगी, लेकिन नहीं मिली। महिला आयोग से भी नहीं, जो अपने को महिलाओं के अधिकारों का रक्षक मानता है।

मैं पूर्व में भी बलात्कार पर इसी अखवार में सम्पादकीय लिख चुका हूँ। कतिपय अन्य अखबारों में भी मेरे वही विचार छपे, परतु कहीं से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुयी। कारण बहुत स्पष्ट है कि शासन, सरकार और मानव अधिकारों से सम्बंधित सभी अफसर व संस्थाये महिलाओं व विशेष रूप से अबोध बच्चिओं के प्रति जधन्य से जघन्य अपराध होने पर भी बोध शून्य हो जाते हैं और कभी भी उस घटना का संज्ञान लेते नहीं दिखाई देते। अतः सरकार ऐसी संस्थाओं पर जो धन व्यय करती है वह व्यर्थ फ़िज़ूलख़र्ची है, अपनों को केवल वित्तीय लाभ देने के लिए, अन्य कुछ भी नहीं। सरकार चाहे किसी पार्टी की हो ये व्यवस्थाएँ नित चलती रहती हैं, और जनता के टैक्स की समुचित बंदर बाँट होती रहती है। समाज सेवी श्री अन्नाहजारे की लोकपाल की मांग यदि पूर्ण हो जाती तो जनता ऐसी लूट/डकैतों की संस्थाओं को कभी का आसमान के तारे दिन मे दिखा देती। प्रत्येक शासन में ऐसी फ़िज़ूल की संस्थाएं सदैव फलती-फूलती रहती हैं। इसलिए ऐसे चोर डाकुओं से निपटने के लिए मिलिट्री शासन कुछ वर्षों के लिए आवश्यक है, अन्यथा व्यवस्थाएं वर्तमान शासन-प्रशासन के रहते बदल नहीं सकती। अपनी बिना मेहनत कमाई को कैसे कोई ध्वस्त होते देख सकता है?

कुछ समय पूर्व मेरे दो लेख 'बलात्कार' और 'दुश्चिरत्र' लोगों पर इसी अखवार में और समता सन्देश में छपे थे। आशा की थी की कोई प्रतिक्रिया कहीं से मिलेगी, लेकिन नहीं मिली। महिला आयोग से भी नहीं, जो अपने को महिलाओं के अधिकारों का रक्षक मानता है। मैंने सुझाव दिया था कि बलात्कारी को बधिया (नसबंदी नहीं बल्कि अंडकोष से दोनों बृषण निकलवा देना) कर छोड़ दिया जाय, जैसा गाय-भैंसों के नर पशुओं में एक सतत बिधि है उनकी ऊर्जा को खेती के कार्य में उपयोग में लेने के लिए। अन्य सजाएँ अपराधी को तभी दी जाय जब उसने बलात्कार के साथ हत्या व अन्य अपराध भी किया हो। मैं पशुपालन व डेरी का विद्यार्थी रहा हूँ और मैंने ये सभी बिधाएँ खुद सीख कर की भी और महाविद्यालय के पशु फार्मों पर करवाई भी।

बधिया करने के अनेक लाभ हैं। कारागृहों पर बोझा घट जायेगा और उन पर खर्चा भी। न्याय शीघ्र हो सकेगा और अपराधी अपेक्षाकृत कुछ ही दिनों में अपने घर लौट कर कामकाज में व्यस्त हो सकेगा। लेकिन समाज में सर ऊंचा कर नहीं चल सकेगा। उसे देख अन्य लोग सबक ले सकेंगे। दूसरी तरफ अपराधी व्यक्ति को कोई शारीरिक क्षति नहीं होगी बल्कि वह सभी कार्य करने में सक्षम रहेगा, केवल स्त्री से शारीरिक सम्बन्ध अथवा मैथुन नहीं कर सकेगा।

यह दंश वह जीवन पर्यन्त उसी प्रकार भोगेगा जैसे पीड़ित महिला समाज में लोगों विशेष रूप से महिलाओं के अप्रत्यक्ष ताने/ चुभते आक्षेपों को बर्दास्त कर जीवन यापन करेगी। सरकार और न्यायलय को इसमें क्या आपत्ति है ? इसे वे क्यों नहीं अमल में लाना चाहते? सरकार और महिला आयोग इस पर शीघ्र क़ानून की अनुशंसा क्यों नहीं करती? मुझे याद है मद्रास हाई कोर्ट ने काफी समय पहले किसी मामले में ऐसी सोच व्यक्त की थी।

साथ ही ऐसे अपराध संज्ञान लेने वाले अफसरों के बच्चो पर नहीं घटते, उनके घर की महिलाये ऐसे अपराधों से सदैव सुरक्षित रहती हैं इसलिए उन्हें दूसरे का दर्द कैसे भासित हो? फिर भी अबोध बच्चिओं एवं महिलाओं के सामजिक व शारीरिक उन्नयन के वास्ते मैं एक अध्यापक की दृष्टि से राजस्थान के सम्पूर्ण विधायक और विशेष रूप से माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि वे इस सामाजिक उत्पीड़न के समूल नाश के लिए मेरे द्वारा सुझाये समाधान को क़ानून बना कर प्रदेश की आधी आबादी के प्रति जघन्य अपराध से मुक्ति दिला कर देश में एक उदाहरण प्रस्तुत करे और यश के भागीदार बने।

मुख्य बात जो मुझे दृढ़ता से कहनी थी वह मैंने लिख दी। अब जिन अन्य को कुछ करना चाहिए वे इस पर जनता व पीड़ित महिला के हित में अबिलम्ब क़ानून बनवा कर प्रावधान लागू करवाने का बीड़ा उठायें।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर)

राशिफल बुधवार 7 सितम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र सांय 4:00 तक, शोभन योग त्रि 1:15 तक, बव करण दिन 1:35 तक, चन्द्रमा मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज जल झूलनी एकादशी व्रत वैष्णवों का है। आज श्री वामन जयन्ती, हरिवासराभाव, भुवनेश्वरी जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:14 तक, शुभ 10:52 से 12:25 तक, चर 3:31 से 5:04 तक, लाभ 5:04 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:12, सूर्यास्त 6:37

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

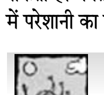

मिथुन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

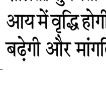

कर्क

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी और मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

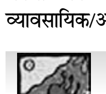

तुला

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और अतिथियों के आगमन से आवश्यक कार्यों को टालना पड़ सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

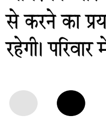

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा है। अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

धनु

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। चलते व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। व्यक्तिगत समस्याओं और भागदौड़ से राहत मिलेगी। आर्थिक मामलों से संबंधित शुभ संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी।

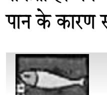

कुंभ

व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यक्तिगत और घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

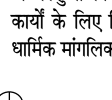

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में धार्मिक मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

उत्तम तप धर्म के पालन से पवित्रता आती है

'इच्छानिरोधस्तपः' अर्थात इच्छाओं का निरोध/अभाव/नाश करना, तप है। वह तप जब आत्मा के श्रद्धान सहित/पूर्वक होता है, तब 'उत्तम तप धर्म' कहलाता है।

विषय कषायों का निग्रह करके तप में चित्त लगाना 'उत्तम तप' धर्म है,तप धर्म का प्रमुख उद्देश्य चित्त की मलिन वृत्तियों का उन्मूलन है।

उत्तम तप धर्म अर्थात अपनी शक्ति अनुसार सात तत्वों जीव, अजीव, आस्त्रव, बांध, संवर, निर्जरा और मोक्ष का सम्यक ज्ञान पूर्वक अपनी इच्छाओं का निरोध करते हुए कर्मों की निर्जरा करना उत्तम तप है।

जो मनुष्य मनसहित पंच इंद्रियों को वश में करके, इंद्रियों के विषयों से विरक्त होता है, समस्त परिग्रहों को छोड़ता है, कर्म बंध करने वाली राग द्वेष मयी प्रवृत्ति को छोड़ता है, वही उत्तम तप कहलाता है ।

विषमता में समता धारण करना, परिग्रह मैं ममता को छोड़ना, कायरता को छोड़ धीर वीर बनना, किसी के प्रति राग द्वेष नहीं करना, नीरस आहार संकलेश रहित लेना, पंच समिति का पालन करना, मन, वचन और काय को चलायमान नहीं करना, धर्म सहित समय व्यतीत करना, अभिमान छोड़ विनय पूर्वक व्यवहार करना, कपट छोड़ सरल परिणाम धारण करना, क्रोध छोड़ क्षमा ग्रहण करना, लोभ छोड़ संतोषी होना आदि ये सभी तप के उदाहरण हैं ।

कर्म छायार्थ तप्यय इती तपः । कर्मो का क्षय करना तप है ।

प. दोलतराम जी ने लिखा है कि तप की महिमा अपरंपार है मुक्ति जब भी मिलेगी तपस्या से ही मिलेगी ।

रावण ने तप विद्या सिद्धि के लिए किया था वह आत्म शुद्धि के लिए करता तो उसी भव से मोक्ष चला जाता।

तप धर्म की परिभाषा करते हुए आगे दिगम्बराचार्यों ने कहा कर्मक्षयार्थ

तप्यते इति तपः जो कर्म-क्षय के लिए तपा जाता है, वह तप है।

चमकना है तो तपो जो तप जाता है, वह चमक जाता है। स्वर्ण- पाषाण को तपाने से ही शुद्ध स्वर्ण की प्राप्ति होगी। जैन साधक इसी तरह से शक्तिनुसार तप की पालना करते है । तपाग्नि में तपे बिना कर्मक्षय असंभव है ।

अंतरंग तप के 6 भेद हैं – प्रायश्चित, विनय, वैय्यावृत्य, स्वाध्याय, व्युत्सर्ग और ध्यान ।

बहिरंग तप के भी 6 भेद हैं –

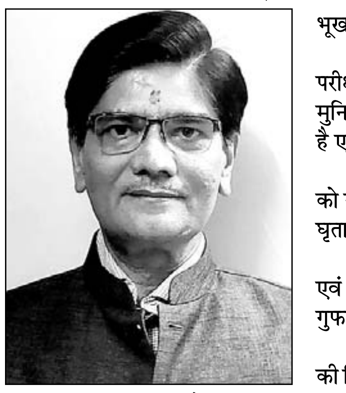

सुभाष चंद्र जैन

अनशन, अवमौदर्य, वृत्ति-परिसंख्यान, रस-परित्याग, विविक्त-शैय्यासन, काय-क्लेश। बहिरंग का तात्पर्य जो दिखने में आते हैं। अंतरंग तप यानी जो सामान्यतः दिखने में नहीं आतें।

छह बाह्य/बहिरंग तप है –

1. **अनशन:** बिना किसी अपेक्षा के संयम की सिद्धि, राग के उच्छेद एवं इन्द्रियों को वश में करने के उद्देश्य से अन्नजल का पूर्ण त्याग करना।

2. **अवमौदर्य:** संयम जाग्रत रखने, प्रमाद के परिहार के लिए, स्वाध्याय एवं ध्यान की सिद्धि के लिए भूख से कम खाना।

3. **वृत्ति परिसंख्यान :** भाग्य की परीक्षा एवं राग-द्वेष के अभाव के लिए मुनिराज दिन में एक ही बार आहार लेते है एवं निराहार भी रहते है ।

4. **रस परित्याग:** इंद्रियों के दर्प को नष्ट करने हेतु, निद्रा विजय के लिए घृतादि छह रसों में से त्याग करना.

5. **विविक्त शैयासन:** एकांत में एवं निर्जन्तुक घर, मंदिर, धर्मशाला, गुफा आदि स्थानों में

निर्बाध ब्रह्मचर्य, स्वाध्याय, ध्यान की सिद्धि के लिए विविक्त शैयासन तप किया जाता हैं।

6. **कायक्लेश तप :** वृक्षमूल योगादि शीत गर्मी की बाधा को सहन करना, शरीर को कष्ट देना। साधुओं को ये छहों तप करना चाहिए।

ये छहों तप निम्न अंतरंग तप के लिए साधन हैं।

1) प्रमाद एवं अन्य दोषों का परिहार करना प्रायश्चित है।

2) पूज्य पुरूषों का आदर करना विनय तप है।

3) साधर्मी की सेवा करना वैयावृत्ति तप है।

4) आलस्य का त्याग करके ज्ञान की आराधना करना स्वाध्याय तप है।

5) अहंकार/मान का त्याग करना व्युत्सर्ग है एवं

5) चित्त के विक्षेप का त्याग करना ध्यान तप है।

इस प्रकार से बारह प्रकार का तप कर्म-क्षय का कारण हैं। तप सुप्त चेतना को जागृत करने वाला हैं।

शरीर को प्रमादी न बनने देने के लिये बहिरंग तप किये जाते हैं और मन की वृत्ति आत्म-मुख करने के लिये अन्तरंग तपों का विधान किया गया है। दोनों प्रकार के तप आत्म शुद्धि के अमोध साधन हैं। तप के प्रभाव से किसी भी वातावरण में जैन साधक आत्म-साधना के लिये तत्पर रहते है ।

संयम की सिद्धि, राग का उच्छेद, कर्मों का नाश, ध्यान और आगम की प्राप्ति के लिए तप धारण किया जाता है। समतामय जीवन जीना ही तपस्वी की पहचान है। सच्चा तपस्वी साधनों से नहीं साधना, तप करके खुश होता है। तपस्या के बाद विशुद्धि बढ़ती है ।

रुचि से, मन से, लगन से, अंतरभावना से किया जाने वाला तप कठिन नहीं लगता है और सन्मार्ग प्रशस्त करता है ।उत्तम तप निर्वांछित पाले, सो नर करम- शत्रु को टाले।

सुभाष चंद्र जैन,
पूर्व सहायक महा प्रबंधक
एसबीआई

साक्षरता कार्यक्रम में कॉपी-पेंसिल और प्रवेशिका को नहीं मिला स्थान

आजादी के अमृत महोत्सव में शत-प्रतिशत साक्षरता की सोच होनी चाहिए । आजादी के समय देश में 86 प्रतिशत लोग असाक्षर थे। 2011 की जनगणना में 74 प्रतिशत साक्षरता दर दर्ज की गई। राजस्थान में अभी भी 35 प्रतिशत लोग असाक्षर है, जिन्हें साक्षर बनाने के लिए सम्पूर्ण साक्षरता अभियान के बाद 2009 में साक्षर भारत कार्यक्रम और बाद में पढ़ना-लिखना अभियान संचालित किया गया। शत प्रतिशत साक्षरता हासिल करने का लक्ष्य 2030 तक का रखा गया है।

राजस्थान 1991से 2001 के बीच निरक्षरता उन्मूलन के लिए जोरदार प्रयास किए और हमारी साक्षरता मात्र 38.55 प्रतिशत से 61.03 प्रतिशत तक पहुँच गई।

राजस्थान को भारत सरकार के भरोसे नहीं रहकर अपनी अलग पहचान कायम करनी चाहिए। राजस्थान के पास साक्षरता आंदोलन का अनुभव है, प्रशिक्षित टीम और सरकारी-गैर सरकारी मजबूत ढांचा तैयार हुआ जिसका भरपूर उपयोग करने की कोशिश हो।

भारत सरकार की साक्षरता योजनाओं के भरोसे पर न बैठकर हमारे प्रदेश की भौगोलिक परिस्थियों के अनुसार कार्य योजना का निर्माण करें जबकि बड़ी बात यह है राजस्थान ही एक ऐसा राज्य है जिसके पास साक्षरता अभियान के लिए प्रशिक्षित एवं सरकारी संसाधन उपलब्ध हैं बावजूद भी इस चुनौती को स्वीकार करने की बजाय हम केवल भारत सरकार के भरोसे हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं ।

आजादी के समय भारत की साक्षरता प्रतिशत शोचनीय स्थिति में थी आजादी के 75 साल बाद

आज भी भारत में निरक्षरता का बोलबाला देखा जा सकता है। आजादी के बाद देश में निरक्षरता उन्मूलन के

राजेन्द्र जोशी

लिए दशक दर दशक अनेक अभियान चले , सबसे बड़ा अभियान तो सम्पूर्ण साक्षरता अभियान, उत्तर साक्षरता अभियान और सतत शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए गए। आजादी के अमृत महोत्सव में ठोस और प्रभावी कार्यक्रम बनाकर हार्डकौर असाक्षरों को साक्षर किया जाए तो हम शत प्रतिशत साक्षर देश की श्रेणी में शामिल हो सके। विकसित देश बनाने के लिए साक्षर होना होगा।

शिक्षाविदों ने सोचा था की 75 साल बाद एक बार फिर से देश में शत प्रतिशत साक्षरता के लिए आंदोलन चलाया जाएगा।

नई शिक्षा नीति में प्रौढ़ शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए सार्वजनिक पुस्तकालय स्थान जहाँ तक संभव हो आईसीटी से सुसज्जित एवं सामुदायिक भागीदारी नाम पर कुछ पन्ने डालें जब परियोजना सामने आई तो उसमें साक्षरता अभियान के लिए कॉपी पेंसिल आईपीसीएल को कोई स्थान नहीं मिला।

नवभारत साक्षरता नाम से एक परियोजना भारत सरकार ने बनाई है। जिसकी रूपरेखा में पढ़ने वाले असाक्षरों को कॉपी-पेंसिलऔर प्रवेशिका की जगह कंप्यूटर से शिक्षित होने का निर्देश दिया गया है। कंप्यूटर से शिक्षित करने के लिए स्वयंसेवकों के रूप में स्कूल के विद्यार्थियों को जिम्मेदारी दी गई है।

यह विद्यार्थी वह है जो खुद अभी कंप्यूटर साक्षरता में पारंगत होना बाकी है। पहले इन्हें कंप्यूटर साक्षरता में पारंगत किया जाएगा फिर असाक्षरों को कंप्यूटर से साक्षर करने का काम किया जाएगा।

यह परियोजना हास्यास्पद लगती है कि जिस देश के सभी गांवों में बिजली नहीं है, अगर किसी स्कूल में कंप्यूटर है तो वहां कंप्यूटर अनुदेशक नहीं है। स्कूल में स्थापित कंप्यूटर लैब के माध्यम से प्रोढो को साक्षर करने की परिकल्पना की जा रही है परंतु असाक्षरों को सीधे कंप्यूटर से साक्षर करने कि यह परियोजना कहां तक सफल होगी।

राजेन्द्र जोशी,
वरिष्ठ साहित्यकार

वॉर्डवासियों ने जलदाय विभाग कार्यालय पर जड़ा ताला

चूरू, (कासं)। शहर में पेयजल आपूर्ति ठीक से नहीं होने के कारण शहर के अधिकांश वार्डों में पिछले कई दिनों से पानी सप्लाई बाधित हो रही है। शहर के अधिकांश ट्यूवेल खराब पड़े हैं और पूरे शहर में पानी सप्लाई में गंदा पानी आ रहा है, जिसके कारण से आधे से ज्यादा शहर बीमार पड़ा है।

मंगलवार को बड़ी संख्या में वार्ड 33 के महिला-पुरुषों ने भाजपा नेता भंवर गुर्जर के नेतृत्व में जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता कार्यालय के आगे धरने पर बैठ गये और कार्यालय के ताला जड़ दिया।

वार्ड के लोगों में आक्रोश इतना था कि तीन घंटे तक लगातार नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन करते रहे । आखिर में एतिहात के तौर पर जलदाय विभाग के अधिकारियों को पुलिस बुलानी पड़ी। मामले की गंभीरता को लेकर पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण, प्रधान दीपचंद राहड़, उप जिला प्रमुख महेंद्र न्यौल भी धरने स्थल पर पहुंचकर धरने को संबोधित किया।

इस अवसर पर पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण ने कहा कि यदि आने वाले समय में यही स्थिति रही तो सैकड़ों नहीं हजारों की संख्या में विधायक राजेंद्र राठौड़ के नेतृत्व में बड़ा आंदोलन कर इस सरकार को सबक सिखाया जाएगा। प्रधान दीपचंद राहड़ ने आरोप लगाते हुए कहा कि जलदाय विभाग ने जब से नई कंपनी को ठेका दिया है, तब से शहर के यही हाल हैं। ठेकेदारों की गलती के कारण अधिकांश ट्यूवेल बंद पड़े हैं।

उल्लेखनीय है कि यहां की आवासन मंडल कोलोनी में भी गंदा पानी आने की शिकायत लगातार मिल रही है।

इसी के साथ पंप हाऊस पर तैनात कर्मचारी अपनी मनमर्जी से पानी की सप्लाई खोलता है। कई दफा दो दिन तक पानी नहीं खोलता जिसके कारण

जलदाय विभाग कार्यालय के ताला लगाने वाले प्रर्शनार्थियों को पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण, प्रधान दीपचंद राहड़ ने संबोधित किया

लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस दौरान शांति नगर के लोगों ने बोतलों में गंदा पानी भरकर अधिकारियों के सामने प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं व जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता व सिटी एईन मेजर खान के बीच हुई वार्ता हुई।

अधिकारियों के आश्वासन के बाद धरना समाप्त कर दिया गया। वार्ता में एईन मेजर खान ने बताया कि आगामी 20 दिनों के अंदर नये ट्यूवेल खुदाई कर इस समस्या का अति शीघ्र ही समाधान कर दिया जाएगा। इस अवसर पर दर्जनों लोग उपस्थित रहे ।

हजारों श्रद्धालुओं ने प्रभु के विग्रह स्नान के दर्शन किए

राजसमंद, (निसं)। जल झूलनी एकादशी पर धर्मनगरी चारभुजा गढ बोर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा । जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रभु के विग्रह स्नान के अलौकिक दृश्य को निहारा। मंगलवार को ठाकुरजी की राम रेवाड़ी

■ जयकारों के साथ गुलाल से सराबोर हुई चारभुजा नगरी

निकालने से पूर्व सोमवार से ही मंदिर में श्रद्धालु कतारबद्ध हो गए। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ से पूरा मंदिर चौक खचाखच भर गया। व्यवस्था को लेकर तैनात पुलिस जाप्ते ने चौक की व्यवस्था को संभाले रखा।

राम रेवाडी निकालने से पूर्व प्रभु श्री चारभुजानाथ के राजभोग आरती हुई। इस दौरान करीब आधे घंटे के लिए दर्शन बंद रहे । ठाकुरजी की सोने की पालकी को सजाया। करीब सवा 12 बजे ठाकुरजी की बाल प्रतिमा को सोने की पालकी में बिराजित किया गया। इसके बाद बैण्ड बाजों की धुन व शहनाइयों की स्वर लहरियों व घणी खम्मा व छोगाला छैल के जैकारों के बीच ठाकुरजी की वैवाण को मंदिर चौक में उतारा गया। जहां मौजूद श्रद्धालुओं ने अबीर गुलाल की छटा बिखेर कर ठाकुरजी के समक्ष नतमस्तक हुए। दूध तलाई पहुंचे के

सोने की पालकी में बाल स्वरूप में बिराजे ठाकुरजी के लाखों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

बाद ठाकुरजी को तलाई स्थित छतरी में बिराजमान करवाया। दही का भोग धराने के बाद अमल का भोग धराया। इसके बाद राजावत परिवार द्वारा बाल प्रतिमा को केवडे में लिपटा कर माथे पर रखकर स्नान कराने के लिए प्रस्थान किया। इसके बाद परम्परागत पुजारियों ने ठाकुरजी के विग्रह के साथ दो बार दूध तलाई की परिक्रमा पूरी की। पुजारी व भक्तगण भजन कीर्तन करते हुए शाम 6 बजे मंदिर पहुंचे। जहां प्रभु की बाल प्रतिमा की आरती उतार कर गर्भ ग्रह में प्रतिस्थापित करवाया। इस बार जलझूलनी मेले में करीब 1 लाख श्रद्धालुओं के ठाकुरजी के दर्शनार्थ पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। वहीं राज्यसभा सांसद व कुंवारिया निवासी लहर सिंह सिरौया ने भी चारभुजा पहुंच ठाकुरजी के दर्शन किए। पुजारी नाथूलाल गुर्जर ने बताया कि उन्होंने रेवाडी में 1 किलो सोना भेंट किया जो देवस्थान में दर्ज कर रसीद प्राप्त की। वही कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड भी जलझूलनी मेले में शामिल हुए।

अग्रवाल वुड्स के गोदाम में मुनीम ने ही करवाई थी डकैती

पुलिस ने मुनीम सहित चार आरोपियों को दौलतपुरा से गिरफ्तार किया

जयपुर,(कासं)। राजधानी के करणी विहार थाने से पांच सौ मीटर की दूरी पर अग्रवाल वुड्स गोदाम में व्यापारी को को बंधक बनाकर की गई 15 लाख 48 हजार की लूट उसके ही नौकर ने करवाई थी। पुलिस ने मंगलवार को इस मामले में नौकर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि डकैती की पूरी योजना नौकर ने अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी। पुलिस फरार दो बदमाशों की तलाश में जुटी है। आरोपियों ने गोदाम में दो बार वारदात करने का प्रयास किया था, इस दौरान ज्यादा ग्राहक होने के कारण सफल नहीं हो पाए थे। इस वारदात का खुलासा करने में कांस्टेबल सागर कड़वा की अहम भूमिका रही।

- आरोपियों ने गोदाम में दो वार वारदात करने का प्रयास किया था।
- पुलिस फरार दो बदमाशों की तलाश में जुटी है।

डीसीपी वेस्ट वंदिता राणा ने बताया कि वारदात के बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रामसिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। इनमें इसमें एसीपी झोटवाड़ा प्रमोद स्वामी, एसीपी वैशाली नगर आलोक कुमार, करणी विहार थानाधिकारी जयसिंह बसेरा, वैशाली नगर थानाधिकारी हीरालाल सैनी, चित्रकूट थानाधिकारी रामकिशन विश्नाई, कालवाड़ थानाधिकारी पन्ना लाल जागिंड और दौलतपुरा थानाधिकारी नरेन्द्र खींची को शामिल किया गया। पुलिस ने रात दिन काम कर आरोपियों को धर दबोचा। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ओमप्रकाश उर्फ ओपी गुर्जर (20) गांव जोधुला विराटनगर, महेश मीणा उर्फ भोलू (28) निवासी सराय कलां मुण्डावर अलवर, विजय मीणा (22) निवासी पेजूका, कोटपूतली और रवि सोनी (23) निवासी खेतड़ी, झुंझुनूं है। राणा ने बताया कि पुलिस को सबसे पहले नौकर ओमप्रकाश गुर्जर उर्फ ओपी पर शक हुआ। वारदात के कुछ देर बाद ही पूछताछ के लिए उसे बुला लिया गया। इस दौरान वह बदल-बदल कर बयान दे रहा था। संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर पुलिस को उस पर और संदेह हुआ। सख्त से पूछताछ करने पर उसने वारदात करना कबूल कर लिया। उससे पूछताछ में वारदात में बदमाश सीताराम मीणा, प्रेम उर्फ लाला, रवि सोनी, महेश मीणा, विजय मीणा के शामिल होने का पता चला। इस पर पुलिस ने इन तीनों को जयपुर के दौलतपुरा से गिरफ्तार कर लिया। डकैती की योजना ओमप्रकाश गुर्जर ने अपने दोस्त सीताराम के साथ मिलकर की थी।

जयपुर पुलिस ने लूट के मामले में मुनीम सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

हरियाणा के दोस्त भी शामिल

नौकरी के दौरान शोरूम से लाखों रुपए की लेन-देन होने के बारे में उसे पूरी जानकारी हुई। इसके बाद उसने शोरूम पर डकैती डालने की प्लानिंग की। राजस्थान और हरियाणा के दोस्तों को अपने प्लान में शामिल किया। प्लानिंग के तहत विवेक के शोरूम में बैठने के कुछ देर बाद ही डकैती डाली गई। हथियार के दम पर 15.48 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए।

एसीपी झोटवाड़ा प्रमोद स्वामी ने बताया गिरफ्तार आरोपी मुनीम ओमप्रकाश करीब दो साल पहले पड़ोसी गांव मैड में परिचित की शादी में गया था। वहां उसकी मुलाकात आदतन बदमाश सीताराम मीणा से हुई। बातचीत के बाद दोनों में दोस्ती हो गई और मोबाइल पर एक-दूसरे से संपर्क में रहने लगे। करीब तीन महीने पहले सीताराम ने अपने साथी सोहन उर्फ सोनू के साथ मिलकर हार्डवेयर की दुकान पर हफ्ता वसूली के लिए फायरिंग की। वारदात में इस्तेमाल पिस्टल को ओमप्रकाश गुर्जर को छिपाने के लिए दे दी। ओमप्रकाश ने फेसबुक पर पिस्टल के साथ वीडियो बनाकर अपलोड भी किए। करीब 15 दिन पहले ओमप्रकाश के गांव जाने पर सीताराम से मुलाकात हुई। बातचीत में सीताराम को बताया कि वह जयपुर में टिम्बर व्यापारी के यहां काम कर रहा है। उसके यहां रोज का करीब पांच लाख रुपए का काम-काज है। इसके बाद दोनों ने मिलकर डकैती की साजिश रची।

सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे खंगाले

करणी विहार, वैशाली नगर, चित्रकूट, कालवाड थाना पुलिस सहित डीएसटी पश्चिम और साइबर टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस की स्पेशल टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में सैकड़ों की संख्या में सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले। एफएसएल और फिंगरप्रिंट टीम को बुला कर साक्ष्य एकत्रित किए गए। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सहायता के आधार पर बदमाशों को चिन्हित किया गया।

पिता के कहने पर बेटे को दी नौकरी

पिछले करीब 7 साल से ओमप्रकाश के पिता करणी विहार स्थित अग्रवाल वुड्स शोरूम के पास चाय की दुकान करते हैं। शोरूम पर चाय देने आने के दौरान उन्होंने कारोबारी विवेक अग्रवाल से अपने यहां बेटे को काम पर रखने की गुजारिश की थी। उनके कहने पर ओमप्रकाश को विवेक ने काम पर रख लिया। 2 महीने पहले नौकरी करने गांव से ओमप्रकाश जयपुर आ गया। धावास रोड पर किराए पर पिता के साथ रहने लगा।

खुद को भी बनवाया बंधक

डकैती में शामिल होने के बारे में ओमप्रकाश पर शक नहीं हो, इसलिए कैश लूटने के बाद मालिक के साथ उसे भी बंधक बनाया गया था। पड़ोसी के रस्सी खोलने के बाद हर गतिविधियों पर ओमप्रकाश नजर रखता रहा।

फर्जी नम्बर प्लेट बनवाई

सीताराम ने प्रेम उर्फ लाला, रवि सोनी, महेश मीणा और विजय मीणा को डकैती में शामिल किया। सीताराम ने अपने साथियों के साथ मिलकर डकैती डालकर फरार होने के सभी रास्तों की रेकी की। 2 सितम्बर को बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई। प्लानिंग के तहत शनिवार सुबह डकैती डालने के बाद बदमाश बाइक से सीताराम के घर चले गए।

छह हिस्सों में लूट की रकम बांटी

एडिशनल डीसीपी राम सिंह ने बताया बदमाशों ने डकैती की रकम को छह बराबर हिस्सों में बांट लिया था। प्रत्येक के हिस्से में 2.30 लाख रूपए आए थे। ऊपर के बचे रुपए को सीताराम ने अपना खर्चा बताकर रख लिया। ओमप्रकाश का हिस्सा भी सीताराम ने अपने पास रख लिया। गैंग के लोग पहले भी दो बार इसी गोदाम पर वारदात का प्रयास कर चुके थे, लेकिन विफल हो गए।

प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हो सकेगा कार्य

राजभवन में मंगलवार को राज्यपाल कलराज मिश्र की मौजूदगी में राजस्थान के तीन विश्वविद्यालयों और आई.एम.टी. गाजियाबाद के मध्य सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हुए।

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र की उपस्थिति में मंगलवार को राजभवन में आई.एम.टी. गाजियाबाद एवं मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तथा गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के मध्य खेल संस्कृति के विकास के संबंध में एक महत्वपूर्ण सहमति पत्र (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर हुए। इसके अंतर्गत स्थानीय और पारम्परिक खेलों को पुनर्जीवित करने के साथ ही उच्च शिक्षण संस्थाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा दिए जाने पर कार्य होगा।

राज्यपाल ने इस अवसर पर उम्मीद जताई कि एमओयू से आई.एम.टी. गाजियाबाद के स्पोर्ट्स रिसर्च सेन्टर की मदद से हमारे विश्वविद्यालयों द्वारा राजस्थान में स्थानीय और पारम्परिक खेलों को पुनर्जीवित करने और खेलों के विकास का बेहतर वातावरण बन सकेगा। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का खेलों से जुड़ाव जन जागरुकता के माध्यम से ही हो सकता है। आई.एम.टी. गाजियाबाद और हमारे विश्वविद्यालयों का इस संबंध में संयुक्त प्रयास लोगों में खेल के प्रति जागरुकता पैदा कर उन्हें पारम्परिक खेलों के साथ आधुनिक खेलों से जोड़कर राजस्थान को खेलों में अग्रणी कर सकेगा।

इस अवसर पर आई.एम.टी. गाजियाबाद के स्पोर्ट्स रिसर्च सेन्टर के हैड डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने बताया कि एमओयू के तहत प्रदेश के उदयपुर, भीलवाड़ा, डूँगरपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमन्द, सिरोही, बाँसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिलों में पारम्परिक खेलों के विकास के साथ ही यहां पर खेलों से जुड़ी अन्य संभावनाओं पर कार्य करते हुए स्थानीय खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने का कार्य किया जा सकेगा।

एमओयू के दौरान राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल, गोविन्द गुरू जनजातीय एवं मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई.वी. त्रिवेदी, आई.एम.टी. गाजियाबाद के डायरेक्टर डॉ. विशाल तलवार, सहित बड़ी संख्या में अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान सरपंच संघ का आंदोलन हुआ खत्म

जयपुर, (का.प्र.)। पिछले कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर राजस्थान सरपंच संघ और ग्राम विकास अधिकारी संघ की ओर से चल रहा आंदोलन खत्म हो गया है। सरपंच और ग्राम विकास अधिकारियों की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग मंत्री रमेश चंद मीना के साथ बैठक में मांगो को लेकर सहमति बनी। इसके बाद राजस्थान सरपंच संघ के अध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल और ग्राम विकास अधिकारी संघ के अध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा ने आंदोलन खत्म करने की घोषणा की है। आंदोलन समाप्ति के बाद सरपंचों और ग्राम विकास अधिकारियों ने मंत्री मीना का माला पहनाकर स्वागत किया गया और मंत्री धन्यवाद दिया। सरपंचों और ग्राम विकास अधिकारियों ने कहा सरकार के साथ सभी मांगों पर सहमति बन गयी है। इसके बाद बुधवार से सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी काम पर लौटेंगे। इस दौरान मंत्री मीना ने कहा कि सरपंच और ग्राम विकास अधिकारियों की सरकार की ओर से सभी मांगे पर सहमति बन गयी है।

'डॉ.अर्चना शर्मा सुसाइड मामले में कांग्रेस ने भाजपा नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र किया'

भाजपा मांग करती है कि कांग्रेस सरकार में जरा सी भी संवेदनशीलता है तो इस पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराए : रामलाल शर्मा

जयपुर। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता और विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि लालसोट विधानसभा क्षेत्र में आशा बैरवा की प्रसव के दौरान मृत्यु पर निजी अस्पताल के डॉ. को दोषी मानते हुए डॉ. अर्चना शर्मा के खिलाफ एक एफ.आई.आर. दर्ज होने के बाद दूसरे दिन डॉ. अर्चना शर्मा ने आत्महत्या की। लेकिन उसके बाद राजनीति के स्तर के ऊपर अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए सरकार के द्वारा जो कृत्य किए गए, उसकी भारतीय जनता पार्टी निंदा करती है। सरकार के दबाव में पुलिस ने जिन्हें मुलजिम बनाया, वह मृतका को न्याय दिलाने की मांग कर रहे है।

- 'सुसाइड नोट की राजस्थान के बाहर की फॉरेंसिक एजेंसी से जांच कराए राज्य सरकार'

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और विधायक रामलाल शर्मा और प्रदेश मंत्री जितेन्द्र गोठवाल मंगलवार को प्रेस से रूबरू हुए।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर लालसोट के डॉ. अर्चना शर्मा सुसाइड मामले में रामलाल शर्मा एवं प्रदेश मंत्री व पूर्व संसदीय सचिव जितेन्द्र गोठवाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि सरकार के द्वारा सुसाइड नोट पर फॉरेंसिक रिपोर्ट आई है, उसमें मृतका के हस्ताक्षर मैच नहीं होते हैं, केवल एक ही अक्षर हो रहा है। जांच की निष्पक्षता पर शुरू से ही सवालिया निशान भाजपा लगाती रही है। जो निर्दोष लोग हैं उनके ऊपर राज्य सरकार कार्यवाही कर रही है, एफआईआर में जितेन्द्र गोठवाल का नाम नहीं, न ही सुसाइड नोट में शामिल है, सरकार ने निष्पक्षता के साथ जांच नहीं की गई। शर्मा ने बताया कि यदि फॉरेंसिक जांच दिल्ली या हैदराबाद से होकर आए तो मृतका को न्याय मिलेगा, जितेंद्र गोठवाल ने उस समय भी इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर के सामने भी अपना परिवाद दिया कि हमें सरकार की लैब पर विश्वास नहीं है, इसकी जांच हैदराबाद से कराई जाए या दिल्ली से कराई जाए।शर्मा ने कहा कि भाजपा मांग करती है की सरकार में जरा सी भी संवेदनशीलता है तो सरकार इस पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराएं, सरकार इसकी जांच राजस्थान की लैब से करवाने के बजाय, हैदराबाद की या दिल्ली की लैब से जांच करें, इसे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

जितेंद्र गोठवाल ने बताया कि, अर्चना सुसाइड मामले के अंदर सरकार द्वारा भाजपा के लोगों को इंवॉल्व करने का षड्यंत्र रचा गया, जिससे कि उस क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर रहा था, कांग्रेस की राष्ट्रीय महामंत्री प्रियंका गांधी को 922 रुपये खर्च करके मैंने रेल की टिकट उनको भेजी थी, इस तरह की हरकतों पर रोक लगे और उन्होंने पूरी मनगढ़ंत कहानी जो बनाकर एफआईआर दर्ज की। जिस समय अर्चना जहां पर सुसाइड करती है वहां पर घर से 1 किलोमीटर बाद में पुलिस को सूचना दी जाती है, और हमने उसी समय कहा कि यह डॉक्टर की हैंडराइटिंग नहीं है, मैंने यहां के गृह सचिव को एफएसएल रिपोर्ट के लिए पहले से ही निवेदन किया था कि मुझे राजस्थान की सरकारी लैब पर विश्वास नहीं है, मुझे लगता है कि सरकार उसको मैनेज करने की कोशिश कर रही है, क्योंकि सरकार इस केस में अपनी की गई गलतियों को दबाने के लिए यह सारा षड्यंत्र रच रही है। गोठवाल ने बताया कि 302 की एफआईआर पुलिस ने की, जो डॉक्टरों के खिलाफ होती ही नहीं है, पुलिस ने सारी सूचनाएं मिलने के बाद भी सुसाइड माना, यह इस बात को अंकित करता है इस केस के और भी कई सारे तथ्य हैं, जो पुलिस के सामने आना आवश्यक है। पुलिस को, एसएचओ को, सस्पेंड करने के बाद भी उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं होती है, जबकि परसादी लाल मीणा ने मीडिया के समक्ष कहा कि पुलिस अगर 302 में मामला दर्ज नहीं करती तो यह हादसा नहीं होता। उसके बाद भी इस केस का इन्वेस्टिगेशन अधिकारी पब्लिकली बोलते हैं कि जो सरकार मुझे कहेगी मैं वैसा ही करूंगा। सरकार ने जयपुर ग्रामीण रेंज के आईजी को एक इन्वेस्टिगेशन टीम में गठित किया और केस के अंदर उन्होंने भाजपा के लोगों को फंसाया।

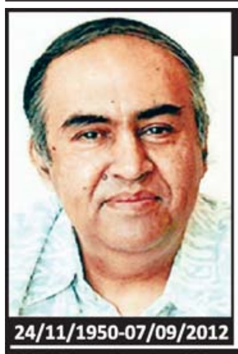

Remembering Our Dearest
DR. RAKESH HOOJA
A Star Forever Shining
Meenakshi Hooja (Wife),
Rima Hooja (Sister),
Rajat-Himangini
(Son & Daughter-In-Law)
Rakshat Hooja (Son)
and all Family
24/11/1950-07/09/2012
11, Uniara Bagh, Jaipur-302004 (M) 98293-21444, 94133-37959

राजे की यात्रा की तैयारियां जोरों पर

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की देव दर्शन यात्रा की तैयारी अब जोरों से चल रहा है। इस बार राजे की देव दर्शन यात्रा बीकानेर सभांग में होगी। इसके लिए राजे गुट के करीबी नेता तैयारियों की बैठके ले रहे हैं। माना जा रहा है राजे की ये यात्रा सम्भावित 9 अक्टूम्बर से होने जा रही है। इसके लिए राजे गुट के नेता बीकानेर में पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी के साथ यात्रा को सफल बनाने के लिए बैठकें कर रहे हैं। भाटी ने राजे गुट के नेताओं से पहले भी कई बैठके कर चुके है। बीकानेर सभांग की यात्रा में ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाने का लक्ष्य दिया गया है।

ईओ एवं उसका दलाल दो लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

कनिष्ठ अभियंता मौके से फरार आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी

दलाल रमेश चन्द सैनी।

अरूण कुमार शर्मा।

थानागाजी, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एस यू द्वितीय जयपुर इकाई द्वारा मंगलवार को थानागाजी में कार्यवाही करते हुए अरुण कुमार शर्मा अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका थानागाजी एवं उसके दलाल रमेश चंद सैनी को परिवादी से 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि एसीबी की एस यू द्वितीय जयपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी फर्म द्वारा करवाए गए विभिन्न कार्यों के पूर्व में पास किए गए कुल 29 लाख रुपए के बिलों की कुल राशि के 14 फीसदी कमीशन के रूप में अरुण कुमार शर्मा अधिशासी अधिकारी ईओ नगर पालिका थानागाजी व भोला राम कनिष्ठ अभियंता नगर पालिका थानागाजी द्वारा अपने दलाल रमेश चंद सैनी प्राइवेट व्यक्ति के माध्यम से 4 लाख 31 हजार रूपते की रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। एसीबी एसयू द्वितीय जयपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौर के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उप अधीक्षक पुलिस मांगीलाल,पुलिस निरीक्षक शिवराज सिंह एवं पुलिस निरीक्षक सुभाष मील की टीमों द्वारा ट्रेप की कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी की गई।

आरोपी भोलाराम कनिष्ठ अभियंता नगर पालिका थानागाजी को एसीबी कार्यवाही की भनक लगने पर मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ आवास तथा अन्य ठिकानों पर तलाश जारी है।

एडीपीसी के लिए रिश्वत लेते प्रधानाध्यापिका गिरफ्तार

सायला के निकटवर्ती उम्मेदाबाद कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में एसीबी टीम ने कार्रवाई की।

सायला, (निसं)। जोधपुर एसीबी टीम ने मंगलवार को उम्मेदाबाद स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की प्रधानाध्यापिका को तीन हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। यह रिश्वत की राशि एक शिकायत को बंद करवाने के नाम पर अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक के लिए ली गई थी।

जानकारी के अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो स्पेशल यूनिट जोधपुर में बृजेश पत्नी लोकेश कुमार मीणा निवासी खेडला तहसील सपोटरा जिला करौली हाल तृतीय श्रेणी अध्यापिका व्यवस्थार्थ कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय रामा पंचायत समिति आहोर ने परिवाद पेशकर बताया था कि वो पूर्व में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय उम्मेदाबाद में कार्यरत थी। उस दौरान प्रधानाध्यापिका खुशबू गहलोत ने उसकी एक शिकायत की थी। जिसको अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक चंद्रकांत रामावत से बन्द करवाने के लिए परिवादिया से प्रधानाध्यापिका गहलोत ने 3 हजार रुपये की मांग की थी। 2 सितम्बर 2022 को सत्यापन में भी मांग करते पायी गई।

सत्यापन के बाद एसीबी उपमहानिरीक्षक सवाईसिंह गोदारा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गसिंह राजपुरोहित के सुपरविजन में निरीक्षक मनीष वैष्णव मय टीम द्वारा मंगलवार को 3 हजार रुपये रिश्वत की राशि लेते रंगे हाथो गिरफ्तार किया गया। साथ ही अपने मोबाइल से एडीपीसी रामावत को उनके लिए राशि लेने का कहना कबूला गया। वही इसके बाद एडीपीसी रामावत को भी गिरफ्तार कर लिया है।

मनीष वैष्णव, निरीक्षक एसीबी जोधपुर का कहना है कि शिक्षिका बृजेश मीणा से एक शिकायत बन्द करवाने के लिए तीन हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथो गिरफ्तार किया है।

राजे की बीकानेर यात्रा की कमान भाजपा संगठन के बजाय देवीसिंह भाटी के पास

देशनोक करणी माता मंदिर में दर्शन के साथ ही देहात और शहर में बड़ी जनसभाओं को भी संबोधित करने की योजना बन रही है

- **राजे के समर्थक नेता पूर्व प्रदेशाध्यक्ष परनामी, पूर्व मंत्री युनूस खान एवं राजपाल सिंह भाजपा छोड़ चुके देवीसिंह भाटी से मिले**

बीकानेर, (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे नौ अक्टूबर को बीकानेर आ रही हैं। यहां देशनोक करणी माता मंदिर में दर्शन के साथ ही देहात और शहर में बड़ी जनसभाओं को भी संबोधित करने की योजना बन रही है।

खास बात ये है कि वसुंधरा राजे की बीकानेर यात्रा की कमान शहर या देहात भाजपा के बजाय पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी के पास है जबकि स्वयं भाटी पहले ही भाजपा छोड़ चुके हैं। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे के समर्थक नेता एक महीने में दूसरी बार बीकानेर आये हैं। पहली और दूसरी दोनों बार उन्होंने स्थानीय भाजपा संगठनों से चर्चा करने के बजाय सीधे पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी से संपर्क किया है। यहां तक कि भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी ने भी अपने आने की सूचना संगठन को नहीं दी है। उनके साथ पूर्व मंत्री युनूस खान और राजपाल सिंह भी आये थे।

देहात भाजपा अध्यक्ष ताराचंद सारस्वत ने बताया कि उन्हें न तो मीटिंग के बारे में जानकारी है और ना ही वसुंधरा राजे की प्रस्तावित यात्रा के बारे में। उधर शहर अध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि बीकानेर में आकर भी पूर्व अध्यक्ष परनामी भाजपा कार्यालय नहीं आये। अगर आ जाते तो हम उन्हें माला पहनाते और कार्यकर्ता भी खुश हो जाते। करीब बीस दिन पहले इन्हीं तीन नेताओं ने देवीसिंह भाटी से उनके आवास पर मुलाकात की थी। तब घटनाक्रम के बारे में किसी को पता नहीं चला। इस बार भाटी के साथ देशनोक में सार्वजनिक मीटिंग की गई। देहात अध्यक्ष ताराचंद सारस्वत ने कहा कि उन्हें राजे की यात्रा के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

माना जा रहा है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में अपना दमखम दिखाने के लिए राजे बीकानेर से शुरूआत कर रही हैं। इससे पहले भी परिवर्तन यात्रा के दौरान भी राजे बीकानेर के देशनोक मंदिर आई थी। पिछले विधानसभा चुनाव से पहले भी राजे ने करणी माता के दर्शन किए थे। देशनोक में मीटिंग के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत में पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष परनामी ने बताया कि नौ अक्टूबर को भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे देशनोक आयेंगी। यहां मंदिर में दर्शन के बाद बीकानेर में पूर्व विधायक गोपाल जोशी के निधन पर शोक व्यक्त करने उनके घर जायेंगी।

बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी की माताजी के निधन पर शोक जताने के लिए वसुंधरा उनके लालगढ़ स्थित आवास पर जायेंगी। माना जा रहा है कि बीकानेर में जूनागढ़ के पास नौ अक्टूबर को ही वसुंधरा राजे की जनसभा भी हो सकती है। हालांकि इस बारे में अभी तक कुछ भी स्पष्ट रूप से घोषणा नहीं की गई है।

भाजपा दिग्गज कटारिया की फिर बड़ी मुश्किलें

- **रिपोर्ट लेकर थाने पहुंचा वाल्मीकि समाज**

उदयपुर, (का.सं.)। पन्ना धाय प्रतिमा अनावरण समरोह में की गई विवादित टिप्पणी के मामले में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार को उन्होंने वारी समाज से सार्वजानिक रूप से माफी मांग कर मामले का पटाक्षेप करने की बात कही थी लेकिन मंगलवार को उदयपुर में वाल्मिकी समाज के प्रतिनिधियों ने गोर्वधनविलास थाने पहुंचकर गुलाबचंद कटारिया और गिरधारी लाल सोनी के खिलाफ रिपोर्ट दी। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि पुलिस मामला दर्ज नहीं करेगी तो दलितों के सम्मान के लिए कोर्ट के माध्यम से कटारिया के खिलाफ कानूनी लड़ाई लडेंगे।

उल्लेखनीय है कि कटारिया ने बीतें दिनों गोवर्धनसागर पाल पर पन्नाधाय की मूर्ति अनावरण के मौके पर वाल्मिकी समाज के लिए असंवैधानिक शब्द का इस्तेमाल किया था। इसके बाद से उनकी टिप्पणी का विरोध जारी है। अंबेडकर मेवाड़ पंचायत के बैनर तले अध्यक्ष पुष्कर चौहान के नेतृत्व में पदाधिकारी गोवर्धनविलास थाने पहुंचे। उन्होंने 30 अगस्त को दिए ज्ञापन मामले में एफआईआर दर्ज की मांग की। इसके बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। थाने पहुंचे बाबूलाल गावरी ने बताया कि गुलाबचंद कटारिया की असंवैधानिक टिप्पणी से वाल्मिकी समाज के आत्मसम्मान को ठेस पहुंची हैं।

वाल्मिकी पदाधिकारियों ने कहा कि कटारिया ने इस मामले में वारी समाज से तो माफी मांगी ली, लेकिन वाल्मिकी समाज के लिए एक शब्द तक नहीं लिखा। इससे लगता है कि कटारिया वाल्मिकी समाज को हीन दृष्टि से देखते हैं। इतने विरोध के बाद भी वे माफी तक नहीं मांगना चाहते हैं।

पांच मंदिरों के भगवान निकले नगर भ्रमण पर

जलविहार पर निकले भगवान का जगह-जगह स्वागत किया गया।

खाटूश्यामजी, (निसं)। कस्बे के प्रसिद्ध 5 मंदिरों के भगवान ने एक साथ नगर भ्रमण कर जलविहार किया। जलझूलनी एकादशी पर्व पर भगवान मंदिरों से पालकी में विराजमान होकर नगर भ्रमण करते हुए जलविहार करते हैं। गौरतलब है कि बाग वाले ठाकुरजी महाराज से पालकी प्रारंभ होती है, बिहारी दास जी मंदिर की पालकी,सीतारामजी का मंदिर, गोपीनाथजी मंदिर के पास आकर चार पालकियां कबूतर चौक बाजार स्थित राम लक्ष्मण मंदिर के पास एक साथ पांच मंदिरों के भगवान पालकी में विराजमान होते हैं।

गढ़वाली धर्मशाला, रेवाडी धर्मशाला, कानपुर धर्मशाला, श्री श्याम मित्र मंडल धर्मशाला में सभी भगवानों की विशेष पूजा-अर्चना व जल विहार कर कबूतर चौक पहुंच कर सभी अपने-अपने मंदिरों के लिए वापस रवाना हो जाती है। भगवान की पालकी के नीचे से छोटे बच्चों को निकालने के लिए होड़ मच जाती है। मान्यता है कि जो बच्चे भगवान की पालकी के नीचे से निकलते हैं उन्हें किसी प्रकार की कोई बीमारी नहीं होती है। कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के बाद जितनी भी बच्चे जन्म लेते हैं उनकी कुआं पूजन भी जलझूलनी एकादशी के दिन किया जाता है।

पुलिस और डीएसटी ने 30 लाख की शराब पकड़ी

- **सिरोही पुलिस की सूचना पर की डीएसटी ने कार्रवाई**

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पश्चिम पुलिस ने डीएसटी के साथ मिलकर रात को 30 लाख से ज्यादा की अवैध शराब का ट्रक पकडा है। ट्रक चालक को हिरासत में लिया गया है। ट्रक में 586 से ज्यादा अंग्रेजी शराब के कार्टन भरे थे। पुलिस ने यह कार्रवाई सिरोही पुलिस की सूचना पर की है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम गौरव यादव ने बताया कि सिरोही पुलिस की तरफ से रात में डीएसटी को सूचना मिली कि शराब से भरा ट्रक जोधपुर की तरफ आया है। जिस पर डीएसटी प्रभारी एसआई मनोज कुमार, बोरानाडा थानाधिकारी किशनलाल आदि ने मिलकर नाकाबंदी की। इस पर एक ट्रक को रूकवा कर तलाशी ली गई। तब तिरपाल से ढके इस ट्रक में भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब भरी हुई मिली। शराब कार्टन में अलग अलग ब्रांड की शराब मिली। 586 से ज्यादा कार्टन अंग्रेजी शराब के मिले। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ आरंभ की है। बरामद शराब तीस लाख से ज्यादा रूपए की है।

छज्जा गिरने से कुंड में गिरी दस महिलाएं, दो की मौत

हादसे के दौरान मची अफरा-तफरी, गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला

उदयपुर, (कासं)। शहर के देहलीगेट स्थित बाईजी राज के कुंड पर जलझूलनी एकादशी पर पास ही स्थित छज्जा गिरने से कुंड में जा गिरी। करीब दस महिलाएं कुंड में गिरी जिन्हें गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला गया जिनमें से दो की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम जलझुलनी एकादशी पर शोभायात्रा के दौरान बाईजीराज कुंड पर पहुंची यात्रा को देखने करीब नौ-दस महिलाएं कुण्ड के उपर बनी पुरानी दीवार पर चढ़ चढ़ कर भगवान की पूजा करने के लिए गई। इस दौरान दीवार का छज्जा गिर ने सभी महिलाएं कुंड में गिर गई और अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद लोगों से हादसे की सूचना मिलने पर सिविल डिफेंस की टीम ने मौके पर पहुंची और महिलाओं को बाहर निकालने का रेस्क्यू शुरू किया। इस दौरान विमला मंत्री व सज्जन कुंवर की मौत हो गई। शेष सभी महिलाओं को बचा लिया गया लेकिन चोंट लगने से पांच से अधिक महिलाओं को उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

सूचना पर जिला कलक्टर ताराचंद मीणा, जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा, एडीएम सीटी प्रभा गौतम, एडीएम प्रशासन ओपी बुनकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रशील ठाकुर, पुलिस उप अधीक्षक तपेन्द्र मीणा, धानमंडी थानाधिकारी गोपाल चंदेल मौके पर पहुंची व हालात का जायजा लिया। ढही दीवार जिसका छज्जा गिरा वह पुरानी होकर झर्झर हो चुकी थी व उक्त दीवार पर जाने के लिए कुण्ड प्रशासन ने रोक लगा रखी थी। इसके बावजूद महिलाएं वहां पर चढ गई।

राजस्थान सरकार वन विभाग
कमांक प.1 (71) वन/2021 जयपुर दिनांक 10.11.2021
प्रधान मुख्य वन संरक्षक (HoFF)
राजस्थान, जयपुर
विषय: Diversion of 0.126 ha. Of Forest land in favour of Jio Digital Fiber Pvt. Ltd. for laying Under ground OFC along Road ROW from Village Rathora to Rajol, Tehsil- Semari, District Udaipur Rajasthan (FP/RJ/OFC/45826/2020)
संदर्भ:- आपका पत्रांक एफ 14 (409/37)2020/एफसीए/प्रमुवस/2690 दिनांक 23.9.2021
महोदय,
उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित प्रस्ताव में Jio Digital Fiber Pvt. Ltd. (प्रयोक्ता अभिकरण) द्वारा वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत सामान्य स्वीकृति के तहत धारा-2 में OFC Cable Line हेतु 0.126 हेक्टयर वन भूमि प्रत्यावर्तन की स्वीकृति चाही गई है। नोडल अधिकारी वन संरक्षण अधिनियम द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव पर विचारोपरान्त प्रस्ताव पर वन संरक्षक अधिनियम 1980 के अन्तर्गत धारा-2 में सामान्य स्वीकृति बाबत जारी दिशा निर्देशों एवं नवीन निर्देश दि. 27.07.2020 के परिपेक्ष्य में Diversion of 0.126 ha. Of Forest land in favour of Jio Digital Fiber Pvt. Ltd. For laying Under Ground OFC along Road ROW from Village Rathora to Rajol, Tehsil- Semari, District- Udaipur Rajasthan की सैद्धान्तिक स्वीकृति बिना वृक्षों के पातन सहित निम्न शर्तो के अध्यधीन प्रदान करती है:-
1. वन भूमि की वैधानिक स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं होगा।
2. प्रत्यावर्तित वन भूमि का उपयोग किसी अन्य प्रयोजन के लिये नही किया जावेगा।
3. याचक विभाग द्वारा परियोजना के निर्माण एवं रख रखाव के दौरान आस-पास के क्षेत्र की वनस्पतियों एवं जीव जन्तुओं को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुचाई जावेगी एवं उनके संरक्षण हेतु समस्त उपाय किये जावेगें।
4. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित स्थल/वनक्षेत्र के आस-पास मजदुरों/स्टाफ के लिए किसी भी प्रकार का कैम्प नही लगाया जावेगा।
5. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा निर्माण कार्य के दौरान स्थल पर कार्य-रत मजदूरों/ स्टाफ को रसोई गैस/ केरोसिन तेल आपूर्ति की जावेगी, ताकि निकटवर्ती वनों को क्षति न हो।
6. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित वनभूमि के अतिरिक्त आस-पास की वनभूमि से/ पर निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी/ पत्थर काटने या भरने का कार्य नही किया जावेगा।
7. प्रयोक्ता अभिकरण वर्तमान एवं भविष्य मे योजना पर लागू सभी नियम, कानून तथा दिशा निर्देशो का पालन करेगा।
8. प्रयोक्ता अभिकरण, सैद्धान्तिक स्वीकृति की पालना के साथ एफ.आर.ए. सर्टिफिकेट प्रस्तुत करावेगा तदोपरान्त ही विधिवत स्वीकृति पर विचार किया जावेगा।
9. राज्य सरकार द्वारा दी गई इस अनुमति का प्रबोधन संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा सकेगा।
10. भारत सरकार के पत्रांक 7-23/2012/एफसी दिनांक 24.07.2013 से माननीय ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा दिनांक 7.11.2012 को पारित निर्णय की पालना प्रकरण में सुनिश्चित की जावें तथा प्रकरण में जारी स्वीकृति को यूजर एजेंसी हिन्दी व अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाले एक-एक समाचार पत्र में अक्षरशः प्रकाशित करावें एवं जारी स्वीकृति की प्रतियां स्थानीय निकाय पंचायत एवं नगर पालिका के राजकीय अधिकारीयों को स्वीकृति प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
भवदीय,
(बी.प्रवीण) शासन सचिव

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का आठ सितम्बर को पैतृक गांव किठाना का दौरा

ट्रायल के लिए किठाना पहुंचे भारतीय वायु सेना के दो हेलीकॉप्टर

चिड़ावा/चूरू/खाटू, (निसं)। उपराष्ट्रपति महामहिम जगदीप धनखड़ के 8 सितम्बर को पैतृक गांव किठाना के दौरे की तैयारिया जोर-शोर से जारी हैं। मंगलवार को भारती वायु सेना के दो हेलीकॉप्टर ट्रायल के लिए किठाना के विद्यालय के खेल मैदान में बनाये गये हेलीपैड पर उतरे। हेलिकॉप्टर के साथ वायु सेना के जवान भी पहुंचे और वहां तैयारियो व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया व सुरक्षाकर्मियों ने रिहर्सल किया। सुरक्षाकर्मियों ने उप राष्ट्रपति के रुकने के सभी स्थानों को देखा, सुरक्षा के नजरिये से सभी रास्तों पर रिहर्सल किया। सेना के जवानों सहित दिल्ली से आए सुरक्षाकर्मियों ने उप राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थल, हेलिपैड, जोड़िया धाम रोड समेत अन्य जगहों का जायजा लिया। विद्यालय के खेल मैदान में तैयार हो रहे हेलिपैड, स्कूल में नव निर्माण कार्य, मुख्य चौक में अभिनंदन स्थल का निरीक्षण किया। पीडब्ल्यूडी, स्वास्थ्य विभाग, फायर ब्रिगेड टीम भी मौके पर तैनात रही। उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर गांव में खुशी की लहर है। इस दौरान एसडीएम संदीप चोधरी, डिप्टी सुरेश शर्मा, किठाना सरपंच सुभिता

वायुसेना व पुलिस के अधिकारियों ने उपराष्ट्रपति धनखड़ के आगमन की तैयारियों का जायजा लिया।

धनखडसहित अन्य मौजूद थे।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ गुरुवार को सालासर आएंगे। वे यहां बालाजी मंदिर में दर्शन व पूजा अर्चना करेंगे। एडीएम लोकेश गौतम ने बताया कि उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ अपनी पत्नी डॉ सुदेश धनकड़ के साथ 8 सितंबर को दोपहर 12.15 बजे शोभासर हैलीपेड पहुंचेंगे। उसके बाद हेलीपैड से दोपहर 12.20 बजे रवाना होकर दोपहर 12.30 बजे सालासर बालाजी मंदिर पहुंचेंगे। दोपहर 12.30 बजे से 1 बजे तक सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन एवं पूजा.अर्चना करने के बाद सालासर बालाजी मंदिर से हैलीपैड पहुचेंगे। वहां से 1.15 बजे इंडियन एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर से खाटू हेलीपेड के लिए रवाना होंगे।

गाड़ी में बेरहमी से भरी गायें, 17 की मौत

अलवर, (निसं)। बानसूर में पुलिस ने गायों से भरे एक गाडी को पकड़ा है। मिनी ट्रक में 25 गाय बडी ही क्रूरता के साथ भरी हुईं थी। जिसमें दम घुटने से 17 गायों की मौत हो गई। वहीं, ट्रक चालक सुनसान कच्चे रास्ते में गाडी छोड़कर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार पुलिस को रात में सूचना मिली कि एक ट्रक में गाय भरकर बानसूर इलाके की तरफ आ रहा है। पुलिस ने चारों तरफ नाकाबंदी कर दी। जिसके बाद मिनी ट्रक का ड्राइवर ट्रक को बहराम का बास गांव के पास शहीद बाबा मंदिर के पास लावारिस हालत में छोडकर फरार हो गए। वहीं, इसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने गाडी को कब्जे में लेकर बानसूर के गिरधारी गौशाला में पहुंचाया गया। जिसमें दम घुटने से 17 गायों की मौत हो चुकी थी। वहीं बाकी गायों को गिरधर गौशाला भिजवाया गया है। बानसूर डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि रात्रि को सूचना मिली कि एक मिनी ट्रक में गाय भरकर बानसूर की ओर आ रही है। वहीं पुलिस ने सभी रास्तों पर नाकाबंदी कर दी गई थी। जिसके बाद ड्राइवर गाडी को छोडकर फरार हो गए। जिसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों की सूचना पर गाडी को जप्त कर लिया। जिसमे 25 गाय ठूंस ठूंस कर भरी हुई थी। वहीं दम घुटने से 17 गाय की मौत हो चुकी है। बाकी सभी गायों को गिरधर गौशाला भिजवाया गया है। जिनका डॉक्टरों से ईलाज करवाया जा रहा है।

एग्रीकल्चर लेक्चरर भर्ती में विषयों की बाध्यता हटाई

- **आरपीएससी अब शिक्षा विभाग के नए आदेशों को मानने को तैयार नहीं**
- **हजारों ग्रेजुएट्स नौकरी की दौड़ से बाहर हुए**

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग के सीनियर सेकेंडरी स्कूल्स में एग्रीकल्चर विषय पढ़ाने के लिए लेक्चरर की भर्ती एक बार फिर अटक गई है। नियमों में पिछले दिनों फेरबदल किया गया, लेकिन भर्ती एजेंसी राजस्थान लोक सेवा आयोग अब शिक्षा विभाग के नए निर्देशों को मानने के लिए तैयार नहीं है। परिणाम ये है कि राज्यभर में हजारों की संख्या एग्रीकल्चर ग्रेजुएट्स नौकरी की दौड़ से फिर बाहर हो गए हैं।

एग्रीकल्चर में स्कूल लेक्चरर की भर्ती के लिए एग्रोनॉमी, होर्टिकल्चर और एनिमल हसबेंड्री में ग्रेजुएशन की बाध्यता है। इसके विपरीत एग्रीकल्चर में अन्य विषयों में ग्रेजुएशन करने वाले कैंडिडेट्स इस भर्ती से वंचित हो रहे थे। इस पर कैंडिडेट्स ने लंबा आंदोलन किया। न सिर्फ कैंडिडेट्स बल्कि यूनिवर्सिटी तक के लेक्चरर ने कहा कि स्कूल में एग्रीकल्चर पढ़ाने के लिए तीन विषयों तक बंधना गलत है। ऐसे में शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के प्रयास से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने अपने पदों भर्ती के लिए सभी विषयों का रास्ता खोल दिया।

अब दस से बारह हजार बेरोजगार एग्रीकल्चर ग्रेजुएट के लिए नियुक्ति प्रक्रिया में हिस्सा लेना आसान हो गया। भर्ती के लिए आरपीएससी के पास फाइल पहुंची। वहां से विज्ञापन जारी नहीं किया गया। शिक्षा ग्रुप (2) के संयुक्त शासन सचिव ने सरकार के स्तर पर निर्णय की जानकारी माध्यमिक शिक्षा निदेशक को दी। शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल ने सरकार के निर्णय से आरपीएससी को अवगत करा दिया, लेकिन आरपीएससी इसे मानने के लिए तैयार नहीं है। आरपीएससी इसके लिए योग्यता में पूरी तरह संशोधन की आवश्यकता जता रहा है। ऐसे में ये नियुक्ति प्रक्रिया अटक गई है। तीन विषयों की बाध्यता हटने के बाद अन्य विषयों से जुड़े टीचर्स ने खुशियां मनाई। शिक्षा मंत्री डॉ. कल्ला और शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल को धन्यवाद भी दिया लेकिन अब स्थिति फिर वही हो गई। एग्रीकल्चर ग्रेजुएट्स ने कहा- अगर समय रहते इस पर आरपीएससी ने सही निर्णय नहीं किया तो आंदोलन किया जाएगा।

राजस्थान सरकार वन विभाग
कमांक प.1 (54) वन/2022 जयपुर दिनांक 1.6.2022
प्रधान मुख्य वन संरक्षक (HoFF)
राजस्थान, जयपुर
विषय: Diversion of 0.0857 ha. Of Forest land in favour of Jio Digital Fiber Pvt.Ltd. for permission for laying Underground OFC in ROW of existing PWD Road from Paluna - Dhaul Ji ka Ghura from Lat/long point 24.308667/73.847714 to 24.316406 /73.860933 for total length 1.904 Km and area 0.0857 ha in forest in Udaipur District, Rajasthan (FP/RJ/OFC/44201/2020)
संदर्भ:- आपका पत्रांक एफ 14 (384/36)2020/एफसीए/प्रमुवस/1530 दिनांक 29.4.2022
महोदय,
उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित प्रस्ताव में Jio Digital Fiber Private Limited (प्रयोक्ता अभिकरण) द्वारा वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत सामान्य स्वीकृति के तहत धारा-2 में OFC Cable Line हेतु 0.0857 हेक्टयर वन भूमि प्रत्यावर्तन की स्वीकृति चाही गई है। नोडल अधिकारी वन संरक्षण अधिनियम द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव पर विचारोपरान्त प्रस्ताव पर वन संरक्षक अधिनियम 1980 के अन्तर्गत धारा-2 में सामान्य स्वीकृति बाबत जारी दिशा निर्देशों एवं नवीन निर्देश दि. 27.07.2020 के परिपेक्ष्य में Diversion of 0.0857 ha. Of Forest land in favour of Jio Digital Fiber Pvt.Ltd. for permission for laying Underground OFC in ROW of existing PWD Road from Paluna - Dhaul Ji ka Ghura from Lat/ long point 24.308667/73.847714 to 24.316406/ 73.860933 for total length 1.904 Km and area 0.0857 ha in forest in Udaipur District, Rajasthan की सैद्धान्तिक स्वीकृति बिना वृक्षों के पातन सहित निम्न शर्तो के अध्यधीन प्रदान करती है:-
1. वन भूमि की वैधानिक स्थिति में कोई परिवर्तन नही होगा।
2. प्रत्यावर्तित वन भूमि का उपयोग किसी अन्य प्रयोजन के लिये नही किया जावेगा।
3. याचक विभाग द्वारा परियोजना के निर्माण एवं रख रखाव के दौरान आस-पास के क्षेत्र की वनस्पतियों एवं जीव जन्तुओं को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुचाई जावेगी एवं उनके संरक्षण हेतु समस्त उपाय किये जावेगें।
4. प्रत्यावर्तित क्षेत्र में रोपित किये जाने वाले को वृक्षों वन विभाग की बिना पुर्वानुमति के नहीं काटा जावे। उक्त क्षेत्र में रोपित पेड परिक्व होने पर, वन विभाग के होगें।
5. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित स्थल/वनक्षेत्र के आस-पास मजदुरों/स्टाफ के लिए किसी भी प्रकार का कैम्प नही लगाया जावेगा।
6. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा निर्माण कार्य के दौरान स्थल पर कार्यरत मजदूरों/ स्टाफ को रसोई गैस/ केरोसिन तेल आपूर्ति की जावेगी, ताकि निकटवर्ती वनों को क्षति न हो।
7. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित वनभूमि के अतिरिक्त आस-पास की वनभूमि से/ पर निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी/पत्थर काटने या भरने का कार्य नहीं किया जावेगा।
8. प्रयोक्ता अभिकरण वर्तमान एवं भविष्य में योजना पर लागू सभी नियम, कानून तथा दिशा निर्देशो का पालन करेगा।
9. प्रयोक्ता अभिकरण, सैद्धान्तिक स्वीकृति की पालना के साथ एफ.आर.ए. सर्टिफिकेट प्रस्तुत करावेगा तदोपरान्त ही विधिवत स्वीकृति पर विचार किया जावेगा।
10. राज्य सरकार द्वारा दी गई इस अनुमति का प्रबोधन संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा सकेगा।
11. भारत सरकार के पत्रांक 7-23/2012/एफसी दि. 24.07.2013 से माननीय ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा दि.7.11.2012 को पारित निर्णय की पालना प्रकरण में सुनिश्चित की जावें तथा प्रकरण में जारी स्वीकृति को यूजर एजेंसी हिन्दी व अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाले एक-एक समाचार पत्र में अक्षरशः प्रकाशित करावें एवं जारी स्वीकृति की प्रतियां स्थानीय निकाय पंचायत एवं नगर पालिका के राजकीय अधिकारीयों को स्वीकृति प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
भवदीय,
(बी.प्रवीण) शासन सचिव

प्रदेश में करोना संक्रमण का दायरा सिमटने लगा

राज्य में मंगलवार को 18 जिलों में 111 नए संक्रमित मिले, जबकि 15 जिलों में कोई भी नया रोगी नहीं पाया गया है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण का दायरा एक बार फिर सिमटने लगा है। इसके चलते मंगलवार को 18 जिलों में 111 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं 15 जिलों में कोई नया मरीज सामने नहीं आया है। इस बीच राज्य में दोगुना से भी ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं।

प्रदेश में मंगलवार को 35 मामले कम आने के साथ ही 111 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को 146 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी नए संक्रमितों की संख्या में थोड़ी और कमी आई है। इस दौरान जिले में केवल 31 ही नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा नागौर में 20, प्रतापगढ़ में 16, सवाई माधोपुर में 8, जोधपुर में 6, भरतपुर में 5, अलवर व बीकानेर में 4-4, बूंदी व झालावाड़ में 3-3, अजमेर, हनुमानगढ़ व कोटा में 2-2 तथा दौसा, डूंगरपुर, गंगानगर, उदयपुर और सीकर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच जांच के लिए केवल 4641 सैम्पल लिए गए।

- राजधानी जयपुर में थोड़ी और गिरावट के बाद 31 नए मरीज सामने आए हैं।
- प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में दोगुना से ज्यादा रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 1789 रह गए हैं।

प्रदेश में मंगलवार को भी नए करोना संक्रमितों के मुकाबले में दोगुना से ज्यादा रिकवरी हुई है। इस दौरान राज्य में 279 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 1789 रह गए हैं। जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 98 मरीजों के स्वस्थ्य होने से 521 एक्टिव केस रह गए हैं। इसके अलावा जोधपुर में 169, अलवर में 121 और अजमेर में 102 मामले बचे हैं। प्रदेश में मंगलवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9628 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में मंगलवार को 21 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 4 नए संक्रमित मानसरोवर में पाए गए हैं। इसके अलावा अजमेर रोड पर 3, शाहपुरा व सोड़ाला में 2-2 तथा आमेर, बनीपार्क, बापू नगर, सी-स्कीम, गांधी नगर, गोपालपुरा, जगतपुरा, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, मुरलीपुरा, निर्माण नगर, राजापार्क, सांभर, सांगानेर, सिरसी रोड और वैशाली नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 4 संक्रमितों का पता गलत मिला है।

फीस जमा नहीं कराने पर बच्चों को लाइब्रेरी में बंद किया

जयपुर, (कासं)। जयपुर के सुबोध पब्लिक स्कूल में फीस जमा नहीं कराने पर स्टूडेंट्स को लाइब्रेरी में बंद करने का मामला सामने आया है। मंगलवार को 40 से ज्यादा स्टूडेंट्स को 4 घंटे तक स्कूल की लाइब्रेरी में रखा गया। जैसे ही इसकी जानकारी पेरेंट्स को मिली वह स्कूल पहुंचे। विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्टूडेंट्स को लाइब्रेरी से बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को सुबोध पब्लिक स्कूल के क्लास 8 से 12 के स्टूडेंट्स को फर्स्ट पीरियड खत्म होने के बाद लाइब्रेरी में बुलाया गया था। इसके बाद 40 स्टूडेंट को बेसमेंट की लाइब्रेरी में ही 8 पीरियड तक लगभग 4 घंटे (सुबह 10 से 2 बजे) तक रखा। पेरेंट्स का आरोप है कि इस दौरान स्टूडेंट्स को न तो बाहर वॉशरूम के लिए जाने दिया गया और न ही उन्हें खाना खाने की परमिशन दी गई। इसके बाद वहां मौजूद कुछ स्टूडेंट्स ने अपने पेरेंट्स को मोबाइल से इसकी जानकारी दी। बाद पुलिस के साथ पेरेंट्स स्कूल पहुंचे और बच्चों को लाइब्रेरी से बाहर निकाला।

- जयपुर के सुबोध पब्लिक स्कूल का मामला

अभिभावक एकता संघ के प्रदेश अध्यक्ष मनीष विजयवर्गीय ने बताया कि स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस जमा नहीं कराने वाले स्टूडेंट्स को पिछले कुछ वक्त से मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया जा रहा था। वहीं आज उन्हें लाइब्रेरी में कैद कर लिया गया। जो पूरी तरह गलत है ऐसे में शिक्षा विभाग को स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया। तो मजबूरन अभिभावकों को सड़क पर उतर विरोध करना पड़ेगा।

वहीं सुबोध पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल कमलजीत यादव ने बताया कि पेरेंट्स द्वारा झूठे आरोप लगाकर स्कूल प्रबंधन पर दबाव बनाया जा रहा है। हमारे स्कूल में किसी भी स्टूडेंट्स को फीस जमा नहीं कराने की वजह से बंद नहीं किया गया है। जो वीडियो वायरल हो रहा है। उसे भी गलत तरीके से शूट कर वायरल किया जा रहा है। जो पूरी तरह गलत है। पैरेंट्स ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन की ओर से फीस जमा नहीं होने की वजह से बच्चों को परेशान किया जा रहा है। बीते 2 सालों की फीस दी गई है। बस पिछले 6 महीनों की फीस ही बकाया है। उन्होंने कहा कि फीस को लेकर लम्बे समय से परेशान किया जा रहा है। अभी तक बच्चों को रिजल्ट भी नहीं दिया गया। ऐसे में अब हम स्कूल के खिलाफ शिक्षा विभाग में शिकायत करेंगे।

अभिभावक एकता आंदोलन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मनीष विजयवर्गीय ने बताया कि मंगलवार को जयपुर के सुबोध पब्लिक स्कूल रामबाग सर्किल में अध्ययनरत कक्षा 8 से 10 तक के करीब 200 से अधिक उन विद्यार्थियों को लाइब्रेरी सहित अन्य दो तीन कमरों में सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक इस मानसिक दबाव से रखा गया कि उनके अभिभावकों ने फीस जमा नहीं कराई है, बच्चों को स्पष्ट कहा गया कि जब तक फीस जमा नहीं होगी तब तक नियमित कक्षा में नहीं बैठने देंगे।

आंदोलन से जुड़े अभिभावक एकता आंदोलन के सदस्य नवीन शर्मा जो कि सुबोध स्कूल के अभिभावक हैं को एक विद्यार्थी द्वारा सूचित करने पर पुलिस को लेकर स्कूल पहुंचे विजयवर्गीय ने कहा कि एक तरफ सरकार बच्चों को शिक्षा के अधिकार के बारे में अपनी योजनाओं एवं प्रयासों के आंकड़े जारी कर अपने आप को विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का हितेषी सिद्ध करने का प्रयास करती रही है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी स्तर पर फीस के मामलों में अनेक निजी स्कूलों द्वारा कभी अभिभावकों को तो कभी विद्यार्थियों से दुर्व्यवहार के मामले सार्वजनिक उजागर होने पर भी ऐसे स्कूलों पर कार्यवाही ना किया जाना सरकार की नीति और नियत पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। हमने यह मामला पुलिस प्रशासन के साथ-साथ शिक्षा मंत्री, बाल संरक्षण आयोग तक पहुंचा कार्यवाही की मांग की है।

25 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों के तबादले

जयपुर। राज्य सरकार ने मंगलवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के 25 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस संबंध में गृह विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिन में कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इसके बाद शाम को आरपीएस के तबादले कर दिए गए। आदेश के अनुसार सुरेश जैफ को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक करौली, हिम्मत सिंह को कांमा भरतपुर, हिमांशु शर्मा को सवाईमाधोपुर, सतनाम सिंह को श्रीगंगानगर, अर्जुन सिंह शेखावत को चित्तौड़गढ़, अखिलेश शर्मा को फलौदी, प्रकाश चंद को गंगापुर सिटी, सुरेश खींची को अलवर ठाामीण, भवानी सिंह राठौड़ को टोंक, नितेश आर्य को पोकरण, सिद्धान्त शर्मा को हिण्डौन, महमूद खां को जयपुर रेंज, पुष्पेन्द्र सिंह सोलंकी को डिप्टी कमाण्डेंट, 8 वीं बटालियन आरएसी दिल्ली, लगाया गया हैं। राजेश मील को सीआईडी विशेष शाखा मुख्यालय तृतीय जयपुर, मनोज चौधरी को एसओजी जयपुर, भोपाल सिंह लखावत को सीआईडी सीबी रेंज सैल कोटा, श्रीमनलाल मीणा को महिला अपराध अनुसंधान सैल टोंक, जयपाल सिंह को एसओजी, मुख्यालय नई दिल्ली, नरेन्द्र चौधरी को महिला अपराध अनुसंधान जालौर, नारायण लाल शर्मा को महिला अपराध अनुसंधान सैल पूर्व जयपुर, हर्ष रतनू को महिला अपराध अनुसंधान सैल सीकर, रामकल्याण मीणा को कोटा शहर, कृष्ण चंद यादव को महिला अपराध अनुसंधान सैल सवाईमाधोपुर, राकेश कुमार राजौर को लीव रिजर्व आयुक्तालय जयपुर और कैलाश सिंह सांदू को जैसलमेर लगाया गया हैं।

सार-समाचार

योगेन्द्र गुप्ता उपाध्यक्ष नियुक्त

जयपुर, (का.सं.)। उद्योग व व्यापार को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रही प्रमुख संस्था ऑल राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री एसोसियशन ने विविध क्षेत्रों में कार्यरत योगेन्द्र गुप्ता को संस्था का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। संस्था के मुख्य संरक्षक आशीष सर्राफ व मुख्य सलाहकार कमल कंदोई ने गुप्ता की नियुक्ति के साथ ही उम्मीद जताई कि इनके विविध क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों के अनुभव से संस्था लाभान्वित होगी और संस्था में नवाचार तथा नए प्रकल्पों की शुरुआत होगी। संस्था अध्यक्ष विष्णु भूत एवं कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम बियानी ने योगेन्द्र गुप्ता की नियुक्ति के साथ ही हर्ष जाहिर करते हुए कहा कि इनके अनुभव व सक्रिय सहयोग से संस्था प्रदेश के उद्योग व व्यापार जगत के लिए और भी बेहतर तरीके से कार्य करने में सक्षम होगी।

गणपति का जयकारों के साथ विसर्जन

जयपुर, (कासं)। श्रीमन नारायण प्रन्यास मंडल की ओर से सीकर रोड ढेहर के बालाजी, परसराम नगर स्थित श्री मन्न नारायण धाम में गणेश चतुर्थी पर विराजित प्रथम पूज्य गणपति का मंगलवार को गणपति बप्पा मोरिया के जयकारों के साथ विसर्जन किया गया। विसर्जन से पूर्व गणपति बप्पा की प्रतिमा को श्रीमन नारायण प्रन्यास से जयकारे लगाते, भजन गाते हुए जल महल लेकर आए। यहां विश्व कल्याण और गोमाता पर आए प्राणघातक संकट से उबारने की प्रार्थना करते हुए आरती की गई। महामंडलेश्वर पुरुषोत्तम भारती, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य तरूण भारती डॉ. दीपिका शर्मा, हर्षिका शर्मा, नंदन, मनस्वी एवं गणेश शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

दशक्षण महापर्व की धूम रही

जयपुर, (कासं)। सकल दिगंबर जैन समाज महेश नगर की ओर से दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत विविध धार्मिक आयोजन हुए। जैन मंदिर में प्रबंध समिति की ओर से 48 दीपकों से 48 मंडलों पर रिद्धि मंत्रों के साथ पूजा की गई। इस दौरान भक्तामर स्त्रोत विधानमंडल सजाया गया। मनीष चौधरी ने संगीतमय भक्तामर स्त्रोत पाठ किया। बड़ी संख्या में महेश नगर के जैन समाज के महिला-पुरुष और बच्चे शामिल हुए। संरक्षक महेंद्र शाह और महेंद्र सेठी ने स्वागत किया। अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष सुनील जैन ने अतिथियों का धन्यवाद दिया। महेश नगर श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के सचिव नवल जैन ने बताया कि दशलक्षण महापर्व के अंगर्तत सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों के साथ भजन संध्याएं और लघु नाटिकाओं का मंचन भी किया जा रहा है।

महिलाओं ने नंदोत्सव मनाया

जयपुर, (कासं)। अपराजित फाउंडेशन की ओर से टोंक रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में नंदोत्सव मनाया गया। श्रीकृष्ण लीला के भजनों पर सभी ने नृत्य किया। सभी ने कृष्ण जन्म की एक दूसरे को बधाई दी। फाउंडेशन की संस्थापक हर्षिता शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का संयोजन किरण शर्मा ने किया। शांति भटनागर और किरण वर्मा विजेता रहे। बलजीत तनेजा, रीनू शर्मा, ममता व्यास, संजू भारद्वाज, सुशीला यादव, मंजू गुप्ता, अरुणा सेन, किरण शर्मा, किरण वर्मा, खुशी शर्मा सहित अनेक महिलाएं कार्यक्रम में शामिल हुई।

गौमाता की रक्षार्थ किया अनुष्ठान

जयपुर, (कासं)। विप्र फाउंडेशन की ओर से मंगलवार लम्पी वायरस से गोमाता की रक्षार्थ 11 वैदिक शास्त्रों के पारागंत विद्वानों ने आचार्य पं. मोहित के सानिध्य में वैदिक मंत्रों का जाप कर अनुष्ठान किया। न्यू सांगानेर रोड सोडाला स्थित रामेश्वर धाम मंदिर में हुए इस अनुष्ठान में विफा जोन-1 के प्रदेशाध्यक्ष राजेश कर्नल, प्रदेश संगठन सचिव पुष्पेंद्र शर्मा, महामंत्री पंकज दीक्षित, सचिव अंशुमन शास्त्री एवं ललितेश शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

धीरज शर्मा का अभिनंदन किया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) परीक्षा पहले ही प्रयास में पास करने वाले धीरज शर्मा का ब्राह्मण समाज राजस्थान की ओर से अभिनंदन किया गया। प्रदेशाध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने बताया कि रामजीलाल शर्मा के पुत्र धीरज शर्मा ने एचएमईएल में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत रहते हुए यह परीक्षा पास की है। उनकी इस उपलब्धि से समाज को गर्व है। उन्होंने साक्षात्कार के लिये शुभकामनाएं भी दीं।

विधायक के सरकारी आवास पर पांच माह में तीन बार चोरी

जयपुर। राजधानी के बजाज नगर में स्थित बारां अटरू से कांठोस विधायक पानाचंद मेघवाल के सरकारी आवास पर पिछले 5 महीने में तीन बार चोरी हो चुकी हैं। पानाचंद ने सोमवार को अपने ड्राईवर के हाथ खुद के लैटर पैड पर शिकायत दर्ज करने के लिए पत्र लिखा। इसके बाद बजाज नगर थाना पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किया हैं।

- पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले, कोई संदिग्ध नजर नहीं आया

विधायक पानाचंद ने शिकायत में अंदेशा जताते हुए कहा कि यह काम किसी गिरोह के द्वारा किया जा रहा हैं। सरकारी आवास एन 37 में तीन बार चोरी होने से विधायक और उनके परिचित काफी परेशान हैं। बजाज नगर थाना पुलिस ने बताया कि विधायक की ओर से शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज कर ली है। चोरी की जानकारी मिलने के बाद मामले की जांच की जा रही हैं। वहीं, विधायक आवास के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही हैं। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे देखे। सुरक्षा और अन्य विषय को लेकर विधायक आवास पर सीसीटीवी कैमरा होना चाहिए, लेकिन वहां पर सीसीटीवी कैमरा नहीं हैं। जिसके बाद पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले लेकिन पुलिस को कोई संदिग्ध अभी तक नजर नहीं आया हैं।

बदमाशों ने महिला की चेन तोड़ी

जयपुर। राजधानी के बजाज नगर इलाके में बदमाश एक वृद्धा की चेन तोड़ कर फरार हो गए। झपट्टे के दौरान गले पर नाखून लगने से महिला चोटिल हो गई। पुलिस ने बताया मुक्तानंद नगर निवासी सोमकार शर्मा (74) ने रिपोर्ट दी है। उनकी पत्नी पुष्पा देवी 3 सितंबर की सुबह मॉर्निंग वाक के लिए घर से निकली थी। इस दौरान घर के पास ही मंदिर वाली गली में एक बदमाश गले पर झपट्टा मार कर सोने की चेन तोड़ ले गया। शोर मचाकर पीछे भागने पर वह तेजी से फरार हो गया। वारदात के बाद मौके पर लगी लोगों की भीड़ ने उसे संभाला। घर पहुंचकर पीड़िता ने पति को चेन स्नेचिंग के बारे में बताया। लूट के दौरान पुष्पा के गले पर झपट्टा मारने से नाखुनों से घाव होने से चोटिल हो गई। चोटिल पुष्पा का तुरंत प्राथमिक उपचार किया गया।

विद्युत भवन में मंगलवार को आयोजित समारोह में प्रसारण निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक टी. रविकान्त ने विद्युत निगमों के जयपुर स्थित कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2022 की विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये। समारोह में प्रसारण निगम के सचिव (प्रशासन) महेन्द्र प्रताप सिंह व मुख्य कार्मिक अधिकारी अमिताभ गुप्ता एवं विद्युत निगमों के उच्च अधिकारी भी उपस्थित थे।

पीडब्ल्यूसी की बैठक में सोलह करोड़ रूपये स्वीकृत किये

जयपुर, (कासं)। जयपुर विकास आयुक्त रवि जैन की अध्यक्षता में मंगलवार को जेडीए (जयपुर विकास प्राधिकरण) के मंथन सभागार में पीडब्ल्यूसी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 16 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये। बैठक में जोन-13 क्षेत्राधिकार में नांगल पुरोहितान आईटी सेंटर से प्रेम नगर बुरथल तक सड़क नवीनीकरण हेतु 2.39 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई।

- जेडीए के मंथन सभागार में पीडब्ल्यूसी की बैठक आयोजित

जयपुर विकास आयुक्त रवि जैन की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूसी की बैठक आयोजित की गई।

सोडाला एलिवेटेड रोड के सौंदर्यीकरण हेतु फसाड लाईटिंग कार्य हेतु 2.25 करोड रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई। जोन-01 में नगर निगम क्षेत्राधिकार स्थित 60 फीट सडक नवीनीकरण हेतु 5.88 करोड रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई।

बैठक में जोन-पीआरएन दक्षिण क्षेत्र में सेक्टर रोड पर पाईप लाईन बिछाने के लिए पीएचईडी द्वारा किये गये रोड कट की मरम्मत हेतु 3.06 करोड रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई। जोन-पीआरएन दक्षिण क्षेत्र की आंतरिक सडकों पर पाईप लाईन बिछाने के लिए पीएचईडी द्वारा किये गये रोड कट की मरम्मत हेतु 2.16 करोड रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई।

सीएचए आंदोलनकारियों का महापड़ाव स्थगित

जयपुर। राजधानी में पिछले 2 दिनों से जारी कोविड स्वास्थ्य सहायकों का महापड़ाव 15 दिन के लिए स्थगित हो गया है। मंगलवार को सांसद किरोडी लाल मीणा के नेतृत्व में आंदोलनकारियों ने सरकार से बातचीत के बाद यह फैसला लिया है। सांसद किरोड़ी लाल ने कहा कि आज हमने सरकार को 15 दिन का वक्त दिया है। लेकिन अगर 15 दिन में हमारी मांग पूरी नहीं हुई। 22 सितंबर को विधानसभा के बाहर धरने पर बैठेंगे। इसके साथ ही हमारी पार्टी के विधायक सदन में आंदोलनकारियों की आवाज बुलंद करेंगे।

- 22 सितंबर से विधानसभा के बाहर धरना देंगे

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि करोना के वक्त जब लोग अपने घरों में कैद थे। तब इन युवाओं ने अपनी जान जोखिम में डाल प्रदेश की जनता की सेवा की। लेकिन करोना कम होते ही कांठोस सरकार ने इन्हें नौकरी से हटा दिया, जो सरासर गलत है। ऐसे में जब तक इन्हें नियुक्ति नहीं दी जाती। तब तक मैं इन युवाओं के साथ रहूंगा।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में स्वास्थ्य विभाग में हजारों पद खाली चल रहे हैं। लेकिन सरकार नौकरियां देने की जगह युवाओं से नौकरियां छीनने का काम कर रही है। जिसे हम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारी पार्टी के विधायक अगले विधानसभा सत्र में इन हजारों युवाओं की आवाज पुरजोर तरीके से उठाएगे। वहीं पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि गहलोत सरकार युवा विरोधी है। ऐसे में जब तक इन हजारों बेरोजगार युवाओं को रोजगार नहीं मिल जाता। हम सब इनके साथ सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगे। दरअसल, कोविड काल में सेवाएं देने वाले प्रदेशभर के की सेवाओं को राज्य सरकार ने इस साल 31 मार्च को खत्म कर दिया था। इसके बाद से ये लगातार आंदोलन कर रहे है। पहले ये आंदोलन जिला स्तर पर शुरू हुआ था, लेकिन अब ये बढ़कर प्रदेशस्तर पर हो गया है।

जलझूलनी एकादशी आज मनाई जायेगी

जयपुर, (कासं)। भाद्रपद शुक्ला जलझूलनी एकादशी श्रवण नक्षत्र युक्त द्वादशी योग में बुधवार को रहेगी। इसे पद्मा और परिवर्तिनी एकादशी भी कहा जाता है। मंगलवार को भी एकादशी तिथि थी। श्याम मंदिरों में मंगलवार को ही एकादशी का विशेष कीर्तन किया गया। शहर के आराध्य देव गोविंद देवजी सहित सभी वैष्णव मंदिरों में बुधवार को ही एकादशी मानी गई है। जलझूलनी एकादशी पर्व पर ठाकुर श्रीजी को नटवर वेश एवं विशेष शृंगार धारण कराया जाएगा।

ठिकाना मंदिर श्री गोविन्ददेवजी में बुधवार को ग्वाल झांकी के बाद महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सानिध्य में सालिगरामजी को खाट पर विराजमान करके मंदिर के दक्षिण पश्चिमी कोना स्थित तुलसी मंच पर ले जाया जाएगा। पंचामृत से अभिषेक कर आरती की जाएगी। उसके बाद तुलसी मंच की चार परिक्रमा की जाएगी। उसके बाद पुन: सालिगरामजी को खाट पर विराजमान करके मंदिर की एक परिक्रमा करके वापस निज मंदिर में प्रवेश किया जाएगा।

- मंदिरों से निकलेंगी डोल यात्राएं

ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा और पं. निलेश शास्त्री ने बताया कि शास्त्रों में कहा गया है कि एकादशी व्रत के पुण्य के समान और कोई पुण्य नहीं है, जो पुण्य सूर्यग्रहण में दान से होता है। उससे कई गुना अधिक पुण्य एकादशी के व्रत से होता है, जो पुण्य गौ-दान, स्वर्ण दान से होता है। उससे अधिक पुण्य एकादशी के व्रत से होता है। बुधवार को मंदिरों से डोल यात्राएं निकाली जाएगी। फूलों से सजी चौकी या पालकी में सालिगराम जी को विराजमान कर जयकारे लगाते हुए जलाशय तक ले जाया जाएगा। जगह-जगह लोग डोल यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत करेंगे। जलाशय पर वहां भगवान को स्नान करवाकर वापस गाजे बाजे के साथ मंदिर लाया जाएगा। दोपहर बाद से ही डोल यात्राएं निकलनी शुरू हो जाएगी। गोनेर के लक्ष्मी जगदीश मंदिर में भगवान को नाव से भ्रमण करवाकर वापस मंदिर में लाया जाएगा।

समर्थकों ने सचिन पायलट का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर में आज सचिन पायलट समर्थकों ने उनके जन्म दिवस के 1 दिन पूर्व 6 सितंबर को सिविल लाइन पायलट आवास पर जमकर शक्ति प्रदर्शन कर जन्म दिवस मनाया।

जयपुर में सचिन पायलट को समर्थकों ने जन्म दिवस पर 51 किलो की माला पहनाई।

कोटा संभाग से पशुधन विकास बोर्ड के राज्य स्तरीय सदस्य व पीसीसी मेंबर कुंदन यादव के नेतृत्व में लगभग दो दर्जन बसों और जो पहिया वाहनों से युवा व कांग्रेस कार्यकर्ता जयपुर पहुंचे जहां पहुंचकर पायलट आवास पर जमकर नारेबाजी की और ढोल नगाड़े की थाप पर सचिन पायलट जिंदाबाद और सचिन पायलट आई लव यू के नारों से पायलट का अभिनंदन किया। 51 किलो की माला तथा भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा पायलट को भेंट की। यादव ने बताया कि जन्म दिवस सचिन पायलट का 7 सितंबर को आता है परंतु 7 सितंबर को कांग्रेस की भारत जोड़ों यात्रा में राहुलजी के साथ शुभारंभ करेंगे इसलिए कार्यकर्ताओं के आग्रह पर पायलट ने 6 तारीख सबको मिलने का समय दिया था लेकिन सुबह 8 बजे से ही लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा और हजारों लोगों ने व्यक्तिगत पहुंचकर अपने लाडले नेता को जन्मदिवस की बधाई दी। यादव के साथ नीरज राठौर गौरव सिंह चौहान नितेश खींची रविंद्र सिंह ढिल्लों करार पठान वीके मालव कमल पोसवाल अशोक गुर्जर धनराज गुर्जर देवा गुर्जर लोकेश मीणा सहित सैकड़ों कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता साथ रहे।

निजी सचिव को हनीट्रेप में फंसाया, मामला दर्ज

जयपुर। राजधानी के बजाज नगर थाने में हनीट्रेप में फंसाने की धमकी देकर एक निजी सचिव से ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। आरोपियों ने रेप का मामला दर्ज कराने की धमकी देकर 8 लाख रुपए ऐंठ लिए। लगातार पैसों की डिमांड से परेशान होकर पीड़ित ने बजाज नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि वैशाली नगर निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह निजी सचिव के पद पर कार्यरत है। मार्ग बजाज नगर निवासी एक महिला ट्रांसफर के खाली पदों की जानकारी के लिए डिपार्टमेंट में आती जाती थी। डिपार्टमेंट में कई बार मिलने के कारण अच्छी दोस्ती हो गई।

पिछले साल जुलाई में बातचीत के दौरान तलाकशुदा होने की बताकर बातों में फंसा लिया। इसी साल सितम्बर में परिचित महिला की इच्छा से शारीरिक संबंध बनाए। दिसम्बर-2021 और फरवरी-2022 में दोबारा सहमति से दोनों ने शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद रेप के मुकदमें में फंसाने की धमकी देकर 7 लाख रुपए मांगे। फरवरी से जून महीने के बीच टुकड़ों में 7 लाख रुपए दे दिए। एक महीने चुप रहने के बाद जुलाई-2022 में दोबारा 5 लाख रुपए की मांग कर धमकाना शुरू कर दिया। वॉट्सएप कॉल कर लगातार धमकियां देने लगी। ब्लैकमेल कर 1 लाख रुपए और वसूल लिए।

बैटरी चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी की प्रताप नगर थाना पुलिस ने इलाके स्थित एटीएम से बैटरी चुराने वाले चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया गिरफ्तार आरोपित शोभागमल शर्मा (74) नैनवां जिला बूंदी हाल श्याम वाटिका, सांगानेर सदर का रहने वाला है। आरोपित ने कुंभा मार्ग स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम से बैटरी चुराई थी, जिसे बरामद कर लिया गया है। वहीं, आरोपित को जेल भिजवा दिया गया है।

Superhuman Day

For many years, those who have faced the challenges of disability in all its forms have dealt with a stigma that was forced upon them. Society has often treated these individuals as if they were somehow less capable of doing amazing and, dare we say it, Superhuman things. Rather than thinking of people who have overcome disabilities as "less than", perhaps the world would benefit from thinking of them as something far beyond average. Perhaps they are really and truly Superhuman!

#TIPS&TOOLS

How To Learn A New Language

Here are some fresh ideas on the best way to learn a new language.

Oy vey! We get it – learning a new language is challenging, frustrating, and sometimes just downright difficult. And figuring out the best way to learn a new language? That seems nearly impossible. Different science, theories, and learning styles are all over the place, and truthfully, some languages are easier to learn than others.

Maybe you're great at conversing in French, but can't write in Spanish to save your life. Despite the difficulties, multi-language acquisition is rapidly growing in popularity around the world and bilinguality is becoming more of a highly-desired resume addition.

With so much out there in terms of best ways to learn a language, it can be hard to zero in on what language learning tactics would be especially helpful for you personally. In order to revive and renew your drive in learning a foreign language or to improve upon the impressive skills you've already achieved, here are some fresh ideas on the best way to learn a new language:

Keep some of these in mind and you'll be ready to find an intensive language program before you know it!

Make New Friends

If there's a community of people who speak the language you want to learn in your city, start attending events! Friendship is one of the best ways to learn a foreign language, and the easiest way to get comfortable with the slang, intonation, and mannerisms.

You can casually chat with your friends in local cafés, bars, and restaurants and slowly build a foundation on the language you want to learn. The great part about making friends who already speak the language (or are learning right along with you) is that you will be able to practice freely without feeling self-conscious or on the spot!

Copy Elementary School Kids

Remember pen pals? Just because you're an adult now doesn't mean you can't partake! Find an international pen pal and trade language expertise and knowledge. Edit each other's letters (keeping what you both originally wrote), so you can see the correct format and spelling. You'll help each other learn, your skills for writing in a foreign language will increase tenfold, and you may even have someone to visit abroad when you're ready to put those skills to use!

Watch a Movie

For the people who want to take advantage of one of the best ways to learn a language from the comfort of their own home, put on a foreign movie in another language - without subtitles if you can! Not only is this one of the best ways to learn a foreign language, but you will also get a greater sense of that language's culture as well!

If you don't know enough of the language to turn the subtitles off, keep a list of new vocabulary words you hear and what you think they mean. Look them up later. Come on, looking up words is fun!

Seek Out Online Resources

The internet is a truly magical place. If you're looking for the best ways to learn a foreign language, look no further! You can fall back on old reliable Google Translate, but why not utilize helpful browser extensions like Toucan?

What else can you do to learn a language online? You can connect with other language learners via online chat groups, watch YouTube videos, and read articles. The internet is ready to help you reach your foreign language learning goals!

Pretend You're at a Restaurant

Read a menu in your target language and pick a dish you would order every day - then look up what it means. The names of your food choices will stick with you! Plus, if you end up choosing something that translates to "dog" or "sheep intestine," you'll know to steer clear of them when you're abroad (unless those are your favourite foods). By the time you head abroad, you'll have an appetite for both the food and the language for sure!

Teach Yourself

The key to this one is small steps of dedicated research - and while obvious, remains one of the best ways to learn a new language. Take a little bit of time every day to write out a sentence you would like to know how to say in your target language. Look up each word/section and try to construct the sentence yourself. If you have a language partner, have them double check your sentences when you meet up.

#CRICKET

An incident in that match is worth recollecting. Chuni Goswami held a superlative catch at mid-wicket running about 30 yards as the ball spiralled high and wide. After holding the catch one-handed Goswami, typical of his footballing spirit, ran round the ground holding the ball high as the crowd bellowed its approval for the soccer legend. Skipper Hanumant tried his best to restrain the indomitable Goswami, "Chuni, Chuni, this is cricket, not football. Please stop running." But finding his appeal fall into deaf ears, Hanumant broke into a broad smile and joined in the general applause.

Hanumant Was a Prince: But What a Man

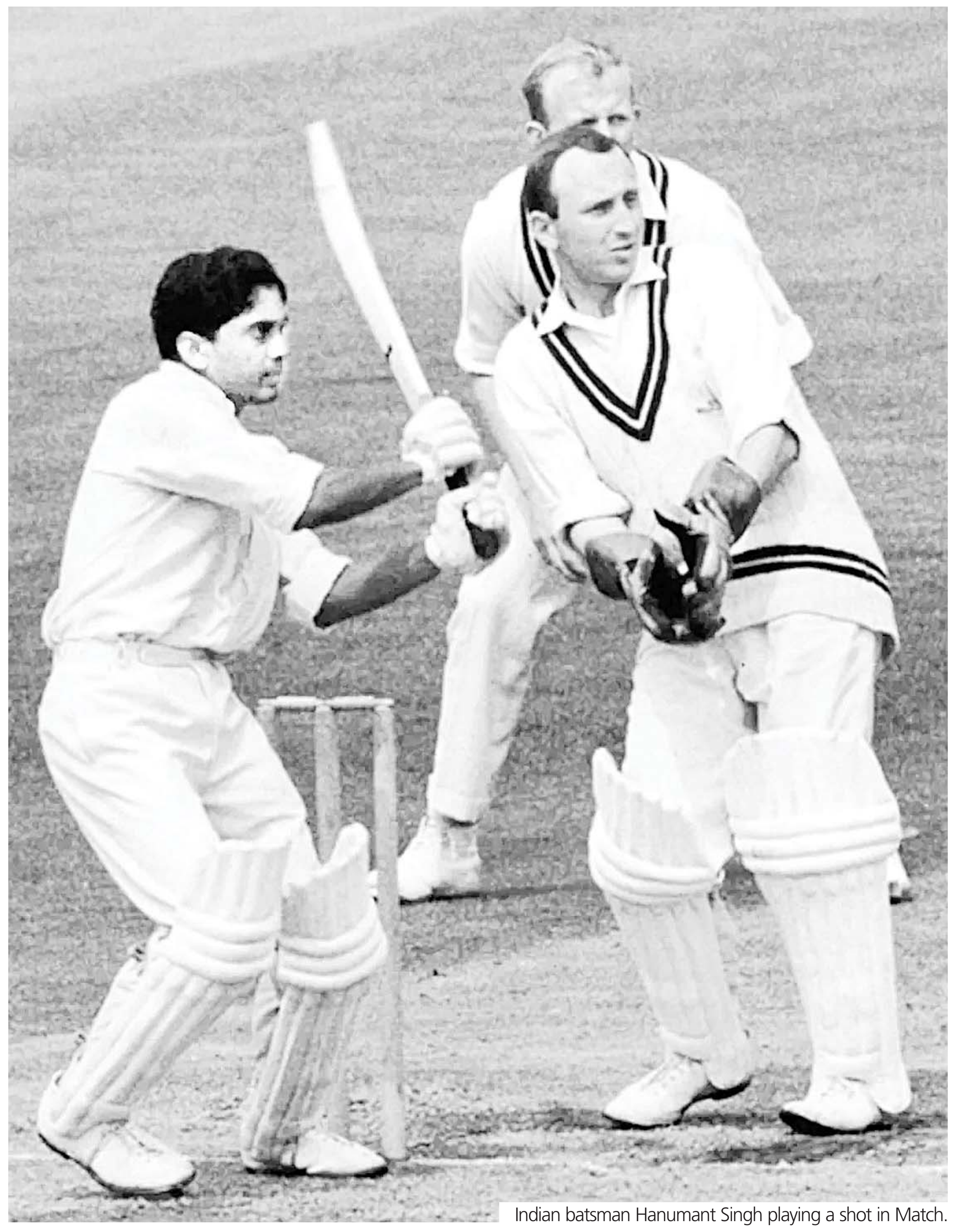

Indian batsman Hanumant Singh playing a shot in Match.

Raju Mukherjee
Former cricket player, coach, selector, match referee and writer

Hanumant Singh has a unique place in the hearts of the players who played with or against him. In independent India he was the first to introduce batting as an art form. A picture of perfection that took one to ethereal heights.

Grace and graciousness marked him out as an individual. A true cricket ambassador. Far beyond the confines of boundary, of creed, of class. A cricketer whom Mother Teresa would have taken to heart.

His love for cricket extended to cricketers of all hues and abilities. And without hesitation he would freely share his vast and incisive knowledge with whoever evinced any interest. Cool and composed, his languid movement had all the aura of a man at peace with himself.

An Incident Worth Recollecting

Hanumant Singh was born a prince in the erstwhile royal State of Banswara in Rajputana. But never, never was he to show any semblance of princely arrogance or misdemeanour. Rather his aristocratic bearing manifested in the charm of his manner and speech as much as it did in his graceful elegance at the crease.

His bat was like a violinist's bow, playing soft melodious tunes to the ripples of applause of the connoisseurs. He combined the best of attributes of Rajput gharana with those of his missionary school background and very quietly implanted the old world values among the men he played with. In his time Rajasthan was the best behaved State team in Indian cricket and in their relaxed manner had the measure of oppositions who thought killer-instinct meant foul language and ugly gestures.

Hanumant, of course, never led India but let it not be forgotten that it was under his leadership that in 1967 the extremely strong West Indies team lost by an innings to the Central and East Zone combined team. That West Indies team, apart from skipper Gary Sobers included Kanhai, Hunte, Butcher, Nurse, Gibbs, Hall and Griffith. He motivated his mates not by words but by gestures and acts. His magnificent innings inspired Chuni Goswami and Subroto Guha to bowl splendid spells in that overwhelming victory.

An incident in that match is worth recollecting. Chuni Goswami held a superlative catch at mid-wicket running about 30 yards as the ball spiralled high and wide. After holding the catch one-handed Goswami, typical of his footballing spirit, ran round the ground holding the ball high as the crowd bellowed its approval for the soccer legend. Skipper Hanumant tried his best to restrain the indomitable Goswami, "Chuni, Chuni, this is cricket, not football. Please stop running." But finding his appeal fall into deaf ears, Hanumant broke into a broad smile and joined in the general applause.

Hanumant was born to be a diplomat. Aware, intelligent, tactful, he injected the essence of diplomacy to his batting and leadership. No violence erupted as he caressed the ball to the railings. No bravado exhibited as the innings unfolded and the match won. Sheer artistry of form delineated the canvas. He used the willow as a painter would use his brush: contemplation giving way to colour and conception.

But in no way should this mean that Hanumant lacked purpose or resolve, grit or sense of adventure. Quite the contrary. During his short Test career and his long Ranji Trophy innings, he exhibited rare courage, strong determination and a steel-will. But he was very lenient when he judged others. Very liberal in explaining their apparent weaknesses. And, above all, he possessed a sterling quality of praising and motivating youngsters, even of opposing teams.

At a time when princes frittered away their time in frivolous pursuits or joined private sector organizations under fancy designations or made attempts to toe the political establishment to gain ambassadorial postings abroad, Hanumant Singh did something quite extraordinary. He joined a public sector commercial organisation! For a prince this was actually unique.

For even the public school upstart at the time would have regarded this appointment as distinctly low-brow. But to us, the '60s generation', this act was a revelation. Revealed to us the true blue-blooded prince. We marvelled at this non-conventional decision, at his pioneering zeal. We thought if a real prince could join an unfashionable public sector organization, why not we? By his action, he helped a whole generation to open its eyes and to disregard false values.

Hanumant Singh's grace and simplicity permeated deep into his batting. At the crease he – 'Hanu' or 'Chotu' to his peers – made batting appear easy, too easy. This was artistry at its height: effective without apparent effort; graceful without trying to be grand. He would dance down the pitch and gently drive the ball. There was no force or violence apparent. When it suited him, his late-cut would be a soft, deft touch to help the ball on its way to the fence.

But the mediocrity mind-set determines that one must give at least the impression of struggle. This hypocrisy Hanumant would never commit. Why should he give an impression of dogged effort when he was perfectly capable of getting the same results with the ease and simplicity that the gifted individuals are endowed with?

Ultimately the gifted stroke-maker was eased out after just 14 Tests! At the time he had an average of 31.18 with one century and five 50s. I wonder what the reactions would be if such a fate was handed out to some of our modern-day stars, who have had the luxury of extended run of failures at the crease.

Hanumant was born to be a diplomat. Aware, intelligent, tactful, he injected the essence of diplomacy to his batting and leadership.

Hanumant Innings

Hanumant had a dream debut in Test cricket. At 24 he was brought in at Delhi against Mike Smith's side in 1963-64. An innings of splendid all-round strokes full of culture and character extended to 105. A genuine artist had arrived, reminding old-timers of the grace of Mushtaq Ali and Khandu Rangnekar of pre-independent India.

Delectable drives and wristy elegance were the hallmarks that heralded the arrival of the batting prince from the sandy dunes of Rajputana, who had settled down in Bombay. Off-the-toes and off-the-hips, his wrists would glide the red cherry racing to the rails. A typical Hanumant innings bore the stamp of a Mozart symphony at Salzburgh, nothing less.

Next year when Simpson's Australians were here in India he played an innings of rare courage and fortitude at Madras. Four wickets had fallen for just 24 runs when Hanumant walked in to join his Rajasthan mentor, Vijay Manjrekar. They proceeded to display a superlative exhibition of batsmanship by adding 93 runs when Manjrekar left at 40. Quickly enough the innings folded for 193 runs but not before Hanumant selflessly threw his wicket away at 94 in trying to shield the tail-enders. That season he played another 6 innings against New Zealand at home at an average of 48.75 including 75 not out and 82.

He was an outstanding fieldsman close-to-the-wicket. Never got any mention because he did not make a great show of his catching prowess. The catch that he took at Brabourne Stadium in 1964 off Bobby Simpson is still spoken of with awe by connoisseurs who witnessed it.

Evergreen Rusi Surti was bowling left-arm spin at the time. Skipper Simpson played defensive forward to smother but the ball jumped a wee bit, struck the bat-maker's name and looped in front. From silly mid-off, the agile Hanumant dived on the pitch to bring off a marvellous catch. The Hindu's ever-agile photographer of Sport & Pastime clicked on time, thankfully. That dismissal led to Australia collapsing against Nadkarni and Chandrasekher helping India to a magnificent victory. Hanumant got no credit for converting a defensive prod into a superlative catch.

In 1967-68 against Sobers' side he played 4 innings including a 50 at Chepauk. But it was his 37 on a treacherous Eden Gardens wicket where his twinkling toes danced down the pitch to lift world-class spinners like Gibbs and Sobers that marked him out as a player of rare vintage. This short tenure was indeed a classical innings played on a pitch that had been badly tampered with the previous day by a section of the crowd which had invaded the ground to thrash the cricket administrators who had sold more tickets than space available.

Hanumant Singh.

Sidelined Forever!

In his only tour abroad, to England in 1967, he batted in 4 Test innings, one of which fetched him 73. This was at Headingley, Leeds, where following-on India put up a brilliant but vain resistance to pile up 510 runs. On this tour he was troubled by a niggling injury to his knee.

Unfortunately he missed the tour of Australia, where on the hard surfaces his stroke-play would have found an ideal platform. But that was not to be and in 1969 after just one failure he was sidelined forever! Despite prolific performances later, the stylish batter was never again asked to don the country's cap. Just one failure ended his Test career! Imagine what would have happened to our current stars if they had to face such a cruel fate. Please do not judge our former players by the statistical yardsticks of today.

Even after being permanently side-lined, the Rajput prince Hanumant Singh proved to be a glorious exception. No rancour, no vengeance, no back-biting, the charming gentleman merely said, "To be replaced by Gundappa Viswanath is no sadness." Truthful and modest till the very end.

His like will not be found again. Hanumant would have made an ideal guide for the nation's youngsters. But he was never asked to. Only once he was sent as manager of the Indian team, to West Indies in early 1983. There at Berbice he left his mark. That was the first time when Kapil Dev's India defeated Clive Lloyd's men in a one-day international. That 'Berbice-win' was the occasion which gave Kapil and his men the confidence to pull off that magnificent victory later in the 1983 World Cup final at Lord's.

Hanumant career as a coach however took him to Nairobi. He was the architect who gave Kenya that outstanding victory over West Indies in the 1996 World Cup in India. Yet, ironically, after the victory Hanumant Singh was relieved of his post! Would it be sadistic on my part to relate that after Hanumant's departure Kenya could not make any distinctive mark even among the bottom rankers of international cricket and was eventually demoted?

> At a time when princes frittered away their time in frivolous pursuits or joined private sector organizations under fancy designations or made attempts to toe the political establishment to gain ambassadorial postings abroad, Hanumant Singh did something quite extraordinary. He joined a public sector commercial organisation!

Hanumant Singh began his first class career with Madhya Pradesh in 1956 but from the following season contributed wholeheartedly for his home-state of Rajasthan and Central Zone for 20 long and fruitful years. He was the first to exhibit to post-independent Indian crowds the concept of charm and artistry in batting and prepared the way for Gundappa Viswanath to follow.

Hanumant Singh was one of my boyhood heroes. Saw him at Eden Gardens in Ranji Trophy and Duleep Trophy ties and was charmed by his off-the-field manners and his fluid batting style. In 1972 I was actually playing a Duleep Trophy match against my idol at Eden. I was too shy to speak to him or even to wish him! No one has ever accused me of being tongue-tied! But in front of a most friendly Hanumant Singh, I actually lost my voice!

But surprise of surprises, when I was batting very cautiously in the middle of a crisis situation, he actually came forward during a drinks-break to say, "Good going. Don't lose patience." I was astounded.

In the previous match against North Zone, the opposing captain Bishen Bedi had encouraged the young debutant and now another opposing captain - my idol Hanumant Singh - praising me! I must have been born lucky. Two of cricket's finest ambassadors were willingly offering encouraging words to an unknown, young man from the obscure East! Amazing indeed.

Positive Contributions

Another very interesting issue highlighted the tremendous influence of Hanumant Singh on me. In 1977 when I was dithering over accepting a probationary officer's job at a nationalized bank instead of continuing in the corporate sector, one particular thought helped me to solve the problem: if the Banswara prince could accept a SBI appointment, why not me? That was the kind of lesson Hanumant left behind for others of his generation and beyond.

Later as a journalist, I met him at Vizag in the mid-1980s when he was one of the national selectors. As the SZ-EZ tie was drenched in pouring rain for days, I was indeed fortunate to have had his company for three full days. He was full of cricket history, literature and the current scenario.

When I told him that cricket followers were surprised that he was overlooked as manager to the world cup in 1983 despite his undoubted contribution as manager in the 'Berbice-win', Hanumant replied, "As manager Maan Singh did a great job in England in 1983." Still I persisted, "Yes, Maan Singh was outstanding, but he too was relieved after that. Why do you think you were not reappointed later?"

Hanumant thankfully opened up, "In my report to BCCI, I mentioned 3 batters who were unwilling to face the fast bowlers in the West Indies in the island matches. This did not go down well with BCCI as all 3 had very powerful 'backers'. They are still around. I only hope that they make positive contributions to India's effort. I would be happy to be proved wrong."

What a visionary Hanumant was. Believe it or not, all the three represented India as specialist batters and ended their careers with a combined total of 24 Tests and respective averages of 26, 18 and 25 without being able to score a single century between them! Specialist batsmen for over a decade! This frank and candid report of a real India well-wisher was put in the waste-paper basket by the powers-that-be.

Hanumant was simplicity and sophistication personified. In speech, in manner and in appearance. Accessible, calm and friendly, he continually maintained his distinctive posture throughout both on and off the field. A willing and patient listener, he was. Never spoke much; certainly never a word out of place. Never could admonish anyone with an offensive remark or act. I do not think anyone ever has spoken ill of him.

A prince by birth he was; a prince by title he was. But a prince who just refused to be recognized as a prince. He was indeed a genuine member of royalty. The prince who voluntarily sacrificed power and position. A prince who willingly came forward to serve all and sundry without an iota of discrimination. The man's graceful and gracious demeanour gave shape to an impressionable young mind at Calcutta in the early 1960s.

In the pantheon of Indian cricket, he was the Gautama Buddha, the erstwhile prince of Kapilavastu, who sacrificed self-interest to serve humanity.

writetoarbit@rashtradoot.com

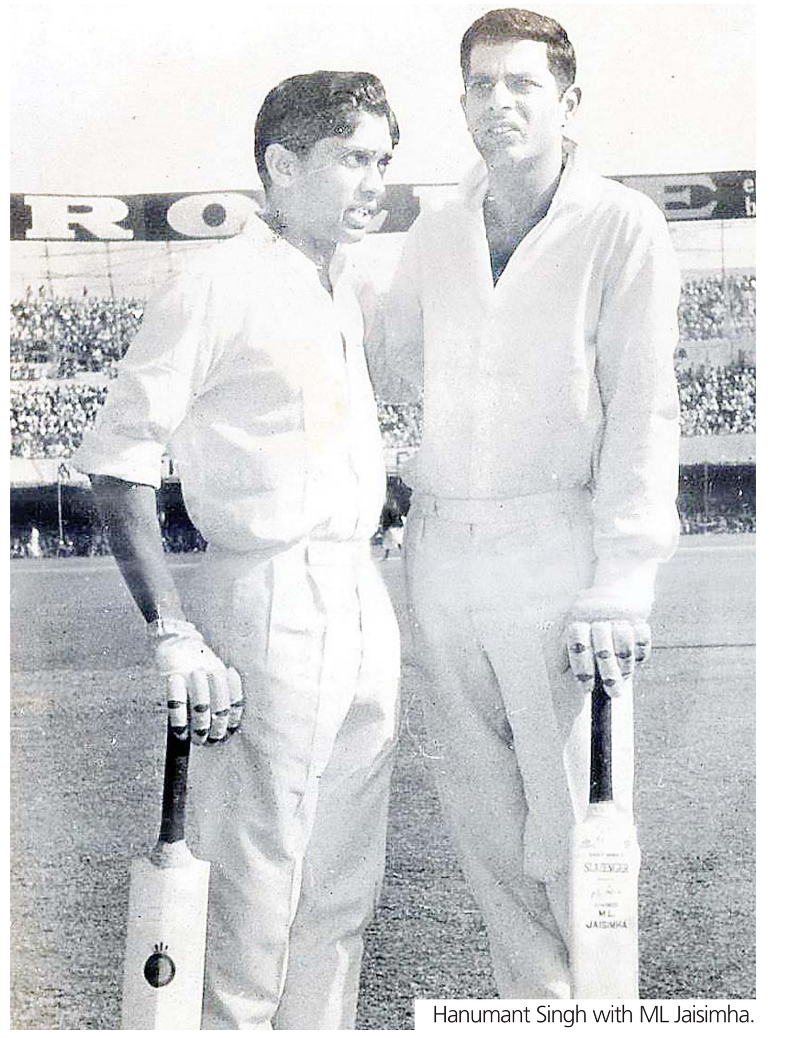

Hanumant Singh with ML Jaisimha.

#ENVIRONMENT

A Second Life For Plastic Forks?

A method to convert a commonly thrown-away plastic into a resin used in 3D-printing could allow for making better use of plastic waste.

Researchers developed a simple and efficient way to convert polylactic acid (PLA), a bio-based plastic used in products such as filament, plastic silverware, and food packaging, to a high-quality resin.

"We found a way to immediately turn this into something that's stronger and better, and we hope that will provide people the incentive to upcycle this stuff instead of just toss it away," says Yu-Chung Chang, a postdoctoral researcher in the Washington State University School of Mechanical and Materials Engineering and a co-corresponding author of the study, published in Green Chemistry. "We made stronger materials just straight out of trash. We believe this could be a great opportunity."

About 300,000 tons of PLA are produced annually, and its use is increasing dramatically.

Although it's bio-based, PLA, which is categorized as a number seven plastic, doesn't break down easily. It can float in fresh or salt water for a year without degrading. It is also rarely recycled because like many plastics, when it's melted down and re-formed, it doesn't perform as well as the original version and becomes less valuable.

"It's biodegradable and compostable, but once you look into it, it turns out that it can take up to 100 years for it to decompose in a landfill," Chang says. "In reality, it still creates a lot of pollution. We want to make sure that when we do start producing PLA on the million-tons scale, we will know how to deal with it."

In the study, lead author Jinwen Zhang, professor in the School of Mechanical and Materials Engineering, and colleagues developed a fast and catalyst-free method to recycle the PLA, breaking the long chain of molecules down into simple monomers- the building blocks for many plastics. The entire chemical process can be done at mild temperatures in about two days. The chemical they used to break down the PLA, aminoethanol, is also inexpensive.

"If you want to rebuild a Lego castle into a car, you have to break it down brick by brick," Chang says. "That's what we did. The aminoethanol precision-cut the PLA back to a monomer, and once it's back to a monomer, the sky's the limit because you can re-polymerize it into something stronger."

Once the PLA was broken down to its basic building blocks, the researchers rebuilt the plastic and created a type of photo-curable liquid resin that is commonly used as printing "ink" for 3D printers. When it was used in a 3D printer and cured into plastic pieces, the product showed equal or better mechanical and thermal properties than commercially available resins.

The researchers have filed a provisional patent and are working to further optimize the process. They are also looking into other applications for the upcycling method.

THE WALL

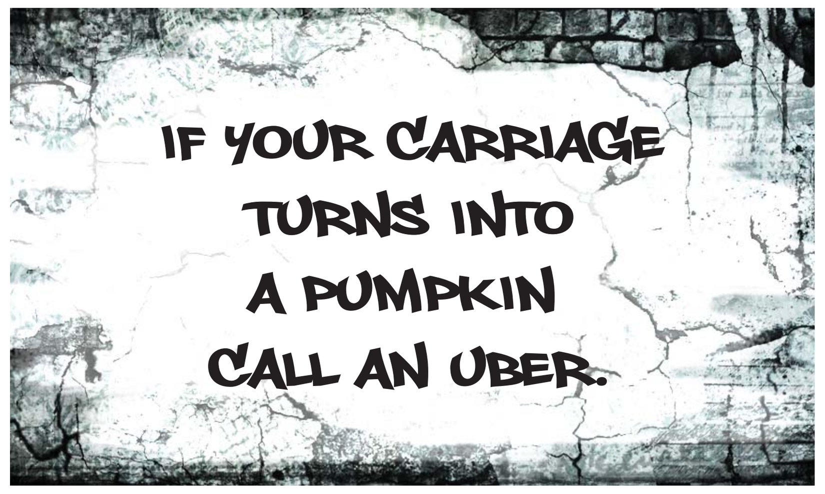

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

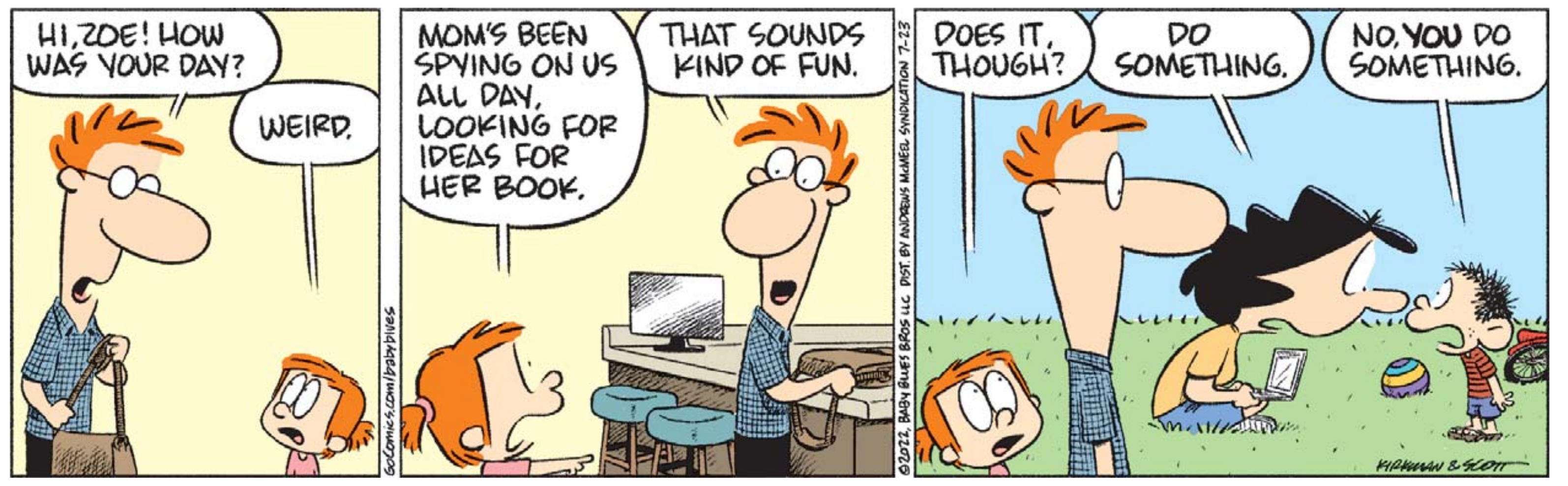

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

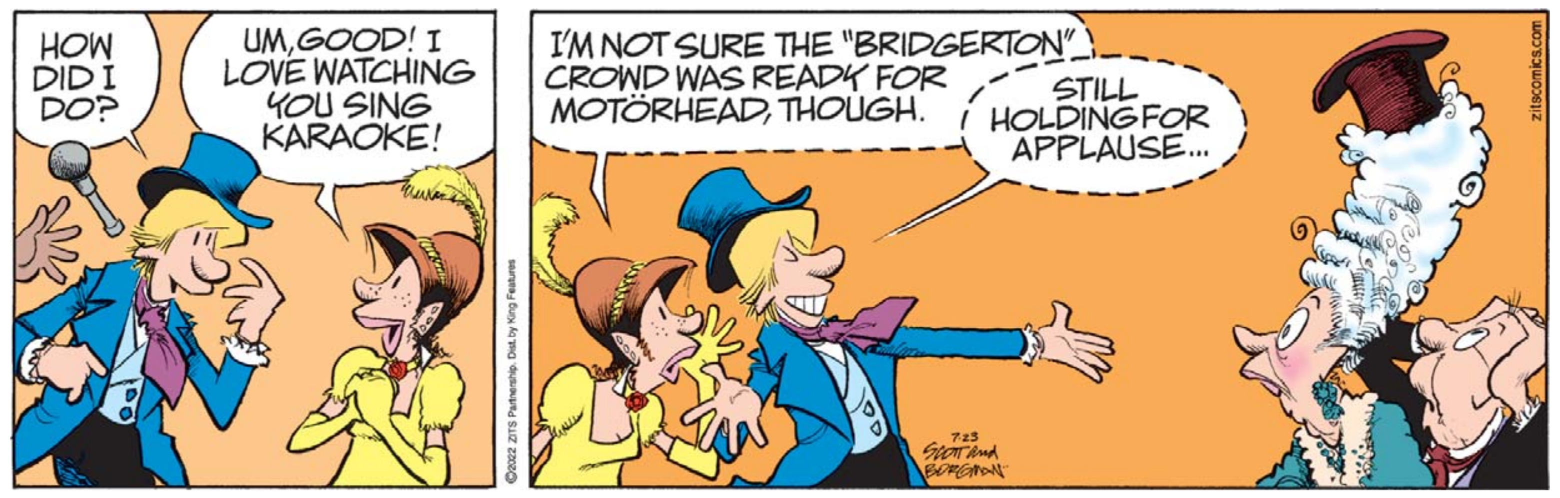

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना आठ सितंबर को अजमेर आएंगी

सुरक्षा व्यवस्था के रहेंगे कड़े इंतजाम, जियारत के दौरान दरगाह होगी खालीः आईजी सिंह

अजमेर, (कासं)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के 8 सितंबर के प्रस्तावित अजमेर दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजामों को लेकर मंगलवार को अजमेर रेंज आईजी रूपिंदर सिंह ने प्रेस वार्ता कर बताया कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है।

अजमेर में उनकी सुरक्षा के लिए 6 आईपीएस, 12 एएसपी, पुलिस अधिकारी सहित डेढ़ हजार से अधिक पुलिस के जवानों को लगाया जाएगा। सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह जियारत के दौरान दरगाह परिसर को परी तरह खाली कराया जाएगा।

अजमेर रेंज आईजी रूपेन्द्र सिंह ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में मीडिया कर्मियों को बताया कि बांग्लादेश की

प्रेस वार्ता में जानकारी देते आईजी रूपेन्द्र सिंह।

प्रधानमंत्री शेख हसीना 8 सितंबर को अजमेर यात्रा पर आ रही हैं, उनके साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी दरगाह में हाजिरी देकर जियारत करेगा।

पीएम हसीना अजमेर पहुंचने पर सबसे पहले सर्किट हाउस पहुंचेंगी और विश्राम करने के बाद प्रतिनिधिमंडल के साथ दरगाह जियारत के लिए जाएंगी और दरगाह जियारत के बाद पुन सर्किट हाउस पहुंचेंगी, जहां विश्राम करने के बाद अजमेर से जयपुर के लिए रवाना होंगी। आईजी सिंह ने कहा कि पीएम हसीना की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं किसी तरह

■ **डेढ़ हजार पुलिस कर्मी होंगे सुरक्षा में तैनात**

की कोई चूक न हो, इस बात का पूरा ध्यान रखा जा रहा है, साथ ही पुलिस मुख्यालय से भी अतिरिक्त पुलिसकर्मियों का जाप्ता मांगा गया है, जिसमें आरएसी की टुकड़ी सहित अन्य जिलों से आने वाला पुलिस जाप्ता भी शामिल है।

दरगाह परिसर होगा खालीः- आईजी सिंह ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर दरगाह परिसर को पूरी तरह खाली कराया जाएगा, जियारत के समय कोई परेशानी न हो, साथी मुख्य मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम रहेंगे, मार्ग पर हथियारबंद जवानों को लगाया जाएगा। पीएम हसीना के काफिले के गुजरने के दौरान मार्ग पर निकलने वाली सभी गलियों को भी बंद कर यातायात को डाइवर्ट किया जाएगा। दरगाह के आसपास की ऊंची इमारतों पर हथियारबंद सुरक्षाकर्मी दूरबीन के साथ तैनात रहेंगे जो आसपास के क्षेत्र में पूरी निगरानी रखेंगे।

आईजी सिंह ने बताया कि शेख हसीना की दरगाह जियारत के समय फव्वारा सर्किल से लेकर देहली गेट होते हुए दरगाह बाजार तक की सभी दुकानों व मकानों को कुछ देर के लिए बंद रखा जाएगा। किसी भवन, मकान, दुकान, होटल व गेस्ट हाउस की बालकनी पर भी लोगों के खड़े रहने पर पाबंदी रहेगी। सिर्फ जिला प्रशासन की ओर से जारी पासधारियों को ही प्रवेश की अनुमति रहेगी।

सड़क हादसे में पति-पत्नी और बेटे की मौत

डंपर ने कार को मारी टक्कर, बच्चे का एक दिन पहले था बर्थ-डे

डूंगरपुर, (निसं)। तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से आज सुबह मां-बेटे समेत तीन की मौत हो गई। तीनों लोग कार में सवार थे। टक्कर के बाद तालाब में गिर गई। जिसके बाद आस.पास के लोग उन्हे निकालकर हॉस्पीटल लेकर गए, लेकिन तब तक तीनों दम तोड चुके थे। जानकारी के अनुसार मृतक बच्चे ने सोमवार को ही अपना बर्थ.डे मनाया था।

हादसा बांसवाडा के लोहारिया थाना क्षेत्र के पालोदा में सुबह 8 बजे हुआ। जानकारी अनुसार अमृतिया के रहने वाले मिनी बैंक व्यवस्थापक हरवीर सिंह चुंडावत पुत्र तेज सिंह कार से आसपुर से बांसवाडा जा रहे थे। इस दौरान उनके साथ उनके दोस्त की बेटी कृष्णा कुंवर और उसका बेटा पीटर भी था। रास्ते में पालोदा तालाब के पास तेज स्पीड में आ रहे डंपर ने पीछे से टक्कर मार दी। जहां बैलेंस बिगडने पर कार तालाब में जा गिरी। चीखने-चिल्लाने और तेज आवाज के बाद मौके से गुजर रहे लोग दौडे।

तीनों को कार से निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सागवाडा लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। बच्चे का एक दिन पहले था बर्थ.डे हादसे का शिकार हुए 8 साल के पीटर का सोमवार को ही बर्थ.डे था। दूसरे दिन ही उसकी मौत हो गई। उसके पिता गजराज सिंह कुवैत में नौकरी करते है। जबकि बहन गढ ानाथ जी में मामा के पास रहती है। वहीं मृतक हरवीर का एक बेटा युद्धवीर सिंह और एक बेटी सुमन है। युद्धवीर जयपुर में रहकर रीट की तैयारी कर रहा है। जबकि बेटी सुमन प्राईवेट बीए प्रथम वर्ष में पढ ाई कर रही है। हरवीर के पिता रिटायर थानेदार हैं।

बूंदी जिला कलेक्टर ने मानव सेवार्थ किया रक्तदान

गर्भवती महिला के लिए रक्तदान करते जिला कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी।

बूंदी, (निस)। जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने मंगलवार को जिला अस्पताल के ब्लड बैंक पहुंचकर मानव सेवार्थ रक्तदान कर आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

मानव सेवार्थ किए गए जिला कलक्टर के रक्तदान से 9 माह की परित्यकता गर्भवती अंजलि का जीवन सुरक्षित हो सका।मंगलवार को नैनवां तहसील के बाक्या गांव निवासी ओमप्रकाश मीणा ने जिला कलक्टर से मिलकर बताया कि उसकी परित्यकता पुत्री गर्भवती है और कभी भी प्रसव हो सकता है। चिकित्सक ने चार यूनिट ब्लड की आवश्कता बताई है। बड़ी मुश्किल से वह एक यूनिट ब्लड का इंतजाम कर पाया और अब ब्लड की व्यवस्था करने में असमर्थ है।

इस पर जिला कलक्टर ने मानवीय संवेदना जताते हुए स्वयं ही रक्तदान करने का निर्णय लिया। इसके बाद जिला कलक्टर ने अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया। अपनी गर्भवती पुत्री के लिए जिला कलक्टर द्वारा किए गए रक्तदान के लिए ओमप्रकाश मीणा ने जिला कलक्टर को हृदय से आभार जताया और उनके मानव सेवा के जज्बे को खूब सराहा।

'रक्तदान के दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि रक्तदान कर उन्हें बड़ी खुशी मिल रही है कि उनका रक्त किसी के काम आया और वह जरुरतमंद के लिए सहायक बने। उन्होंने कहा कि रक्त को बनाया नहीं जा सकता है। रक्त मानव से लेकर ही मरीज को चढ्ढ ाया जाता है। इसलिए हर किसी को रक्तदान करना जरुरी है। जरुरतमंदों की मदद करने से आत्मसंतुष्टि भी मिलती है। नियमित रुप से रक्तदान करने से शरीर भी स्वस्थ रहता है और बीमारियां भी दूर रहती है। हर व्यक्ति को एक वर्ष में कम से कम तीन बार रक्तदान करना चाहिए जिससे की मानव सेवार्थ की मदद के साथ ही अपने शरीर को भी स्वस्थ्य रखा जा सके। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है।'

ब्यावर में चल रहे लम्पी रेस्क्यू सेंटर

ब्यावर, (निसं)। उपखण्ड अधिकारी राहुल जैन के मार्गदर्शन में शहर में पशुपालन विभाग , नगर परिषद , वंदे गौ मातरम ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठन, भामाशाह के माध्यम से लम्पी रोग ग्रस्त गौवंशों का आइसोलेशन एवं उपचार किया जा रहा है।

उपखण्ड अधिकारी के मार्गदर्शन में शहर में लम्पी ग्रस्त गौवंशों को इलाज समय पर मिल रहा है। शलभ टंडन कोऑर्डिनेटर एलएसडी ने बताया कि लंपी ग्रस्त गायों को चिन्हित करने के उपरांत नगर परिषद द्वारा गठित टीमों द्वारा शहर के अलग-अलग दिशाओं में रेस्क्यू सेंटर्स पर आइसोलेट एवं उपचार हेतु भेजा जा रहा है। आइसोलेशन सेंटर पर पशुपालन विभाग द्वारा प्रस्तावित दवाइयों एवं आयुर्वेदिक लड्डू के माध्यम से सभी लंपी ग्रस्त गौवंशों का सफलतापूर्वक उपचार चल रहा है। रेस्क्यू सेंटर सेंदड़ा रोड, अजमेर रोड एवं विजय नगर रोड कांजी हाउस में सभी आवश्यक सुविधाएं दवाइयां एवं मृत गोवंशों का प्रोटोकॉल के अनुसार निस्तारण की व्यवस्थाएं की गई हैं।

सचिन पायलट का जन्मदिन मनाया

पायलट के जयपुर निवास पर जन्मदिन मनाया गया।

करौली, (निसं.)। राजस्थान सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और टोंक विधायक सचिन पायलट का 45 वां जन्मदिन उनके जयपुर निवास सिविल लाइन पर धूमधाम से मनाया।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस सेवादल महासचिव और पूर्व जिला परिषद सदस्य आरती मीना के नेतृत्व मे टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र से 50 गाडियों का काफिला जयपुर पहुंचा और सचिन पायलट को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। आरती मीना के साथ आये कार्यकर्ताओं ने मेडिया काडावत खटाना के साथ गोठ गायन कर खुशियां जाहिर की। कांग्रेस महासचिव आरती मीना ने बताया की आज बुधवार 7 सितम्बर को सचिन पायलेट के जन्मदिन के उपलक्ष्य मे टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र मे सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण किया जाएगा।

आज से टेबल टेनिस चैम्पिनशिप आरम्भ

चूरू, (कासं)। तृतीय राजस्थान राज्य रेंकिग टेबल टेनिस चौम्पिनशिप प्रतियागिता खेलो इंडिया सेन्टर, जिला स्टेडियम, चूरू में 7 सितम्बर से प्रारम्भ हो रही है। इसमें राजस्थान के बालक एवं बालिकाओं की संख्या 300 से अधिक होगी व 50 तकनिकी अधिकारियों के सानिध्य में आयोजित होगी। जिला टेबल टेनिस संघए चूरू सचिव ध्रुव पूनिया के अनुसार विभिन्न जिलो के खिलाडी एवं तकनिकी अधिकारीए चूरू पहुच चुके है। 07 सितम्बर को अडर 11 एवं अडर 13 बालक बालिकाओं के मुकाबले आयोजित होगे। सायं 7.00 बजे इन विजेता खिलाडियों को जिला टेबल टेनिस संघ के ओर से सुरेश् पुनिया एवं समाज सेवी यशपाल रणवा के द्वारा पुरस्कार वितरित किये जाऐगे। 08 सितम्बर को अण्डर 16 एवं 17 बालक एवं बालिकाओं के मुकाबले आरम्भ होगे खिलाडियों की सुविधाओं को मध्यनजर रखते हुऐ खाने की व्यवस्था जिला स्टेडियम में ही की गई है। प्रतियोगिता 07 से 11 सितम्बर 2022 तक चलेगी।

केन्द्रीय मंत्री प्रधान को पीड़ितों ने दिया ज्ञापन

कोटा, (निसं)। केन्द्रीय शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का रास्ता रोक कर आदर्श क्रेडिट को आपरेटिव पीड़ित संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने ज्ञापन देकर 21 लाख लोगों का 18 हजार करोड़ रूपया वापस लौटाने की मांग केंद्र सरकार से की।

तलवंडी से केन्द्रीय मंत्री के गुजरने के रास्ते में भाजपा के दुपट्टा पहना कर ढ ोल बजा कर हमारा धन वापस लौटाओ, हम हमारा हक मांगते नहीं, नहीं किसी से भीख मांगते आदि नारे लगते हुए आदर्श पीड़ितों ने उन्हें ज्ञापन सौंपा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की उपस्थिति में दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि कोटा समेत् देश भर के 21 लाख निवेशकों ने 807 शाखाओं के माध्यम से अपने जीवन की खरी कमाई सरकार से प्रमाणित सोसायटी में जमा कराई। सरकार ने वित्तीय अनियमितताओं के चलते आदर्श क्रेडिट कोआपरेटिव सोसायटी के संचालकों को 3 साल से गिरफ्तार कर रखा है लेकिन उससे पीड़ितों का धन वापस नहीं मिल रहा। प्रधानमंत्री व केन्द्रीय

आदर्श क्रेडिट कोऑपरेटिव के पीड़ितों ने अपना पैसा लौटाने की मांग को लेकर मंत्री प्रधान को ज्ञापन दिया।

सहकारिता मंत्री को हजारों ज्ञापनों के माध्यम से मांग उठाई गई लेकिन कोई नतीजा नहीं निकाल सकी केंद्र सरकार। सोसायटी के चार हजार कर्मचारी तथा 4 लाख कार्यकर्त्ता बेरोजगार हो गए। इसी बीच पंजाब राज्य के स्टेट कंज्यूमर कमीशन चंडीगढ़ के प्रेसीडेंट जस्टिस ने एक बिल्डर को पुलिस हिरासत में रखते हुए भुगतान करने के आदेश जारी किए। उसी आधार पर आदर्श संचालकों से भुगतान कराया जाए। राज्य में भी कोटा समेत कई उपभोक्ता अदालतों ने भुगतान के आदेश दे रखे है। उनकी पालना सुनिश्चित कराई जाए और पीड़ित परिवारों को राहत प्रदान की जाए। तभी आपका कोटा आना सार्थक माना जाएगा। ज्ञापन देने वालों में समिति के अध्यक्ष हरीश शर्मा, सचिव सीएम वर्मा, ओपी श्रीवास्तव, बहादुर सिंह हाड़ा, मोहन मुरारी सोनी, एमबी शांडिल्य, उषा देवी, हेमारात आदि कई महिला सदस्याऐं भी मौजूद रही। स्थानीय पार्षद सुदर्शन गौतम आदि भाजपा सदस्यों ने भी मांग का समर्थन किया।

राजनैतिक द्वेषता से नहीं दिए पेयजल कनेक्शन

हनुमानगढ़, (निसं)। बावरियोंवाली ढाणी चक सात जेआरके के वाशिंदों ने राजनीतिक द्वेषता के चलते ढाणी में पेयजल कनेक्शन नहीं देने का आरोप लगाया है। वाशिंदों ने मंगलवार को अम्बेडकर जन जागृति मंच के बैनर तले कलक्ट्रेट में एकत्रित होकर सरपंच के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसके बाद कलेक्टर के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत बावरियोंवाली ढ ाणी डबलीबास मिड्ढा रोही के चक 7 जेआरके, 8 जेआरके व 9 जेआरके में पानी की पाइप लाइन बिछाई जा रही है। चक 7 जेआरके में करीब 7-8 परिवार वर्तमान में निवास कर रहे हैं, जो करीब 40 सालों से खेत में ढ ाणी बनाकर रह रहे हैं। इन परिवारों को राजनीतिक द्वेषता के चलते बेवजह पेयजल कनेक्शन से वंचित किया जा रहा है, जबकि उनकी ढ ाणी के समीप ही 7 जेआरके में भी पानी की पाइप से कनेक्शन दिए गए हैं, लेकिन ढाणी में बने 7-8 घरों को छोड़ दिया गया है।

ग्रामीणों ने पेयजल कनेक्शन नहीं दिए जाने के संबंध में सरपंच से बात की तो सरपंच ने कहा कि उन्होंने वोट नहीं दिए, इसलिए वे उनकी ढ ाणी में पाइप लाइन से पानी का कनेक्शन नहीं करवाएंगे। पीएचईडी के जेईएन ने भी ढ ाणी में पानी कनेक्शन करने से मना कर दिया और कहा कि उनकी ढाणी उनके क्षेत्राधिकार में नहीं आती है। ग्रामीणों ने सरपंच और जेईएन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चक के वाशिंदों को पेयजल का कनेक्शन दिलाने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि इस संबंध में किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई तो धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

सुखाड़िया विवि. के छात्रों पर पुलिस ने भांजी लाठियां

■ **दो छात्र नेता समेत 7 छात्र हिरासत में लिए गए**

उदयपुर, (का.सं.)। छात्र संगठन एबीवीपी और एनएसयूआई के नेतृत्व मंगलवार को सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के बाहर अपनी विभिन्न मांगो को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने प्रशसनिक भवन में जबरन घुसने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने हल्का बाल प्रयोग कर छात्रों को खदेडा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हाल ही में घोषित स्नातक स्तरीय परीक्षा परिणामो से छात्र संतुष्ट नही है।बताया जा रहा है की इन परीक्षाओ में 50 प्रतिशत छात्रों को अनुतीर्ण किया गया है। इतनी संख्या में फैल होना छात्रों के गले नही उतर रहा है। प्रमुख तौर परीक्षा परिणाम को संशोधित करने के साथ अन्य कई और मांगो को लेकर छात्रों ने आज एबीवीपी और एनएसयूआई के नेतृत्व में सुखाड़िया विवि के प्रशासनिक भवन का बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ छात्र भी आपस में उलझ गये। छात्रों ने कुलपति को बाहर आकर छात्रों की समस्या सुनने की मांग मांग करते हुए जोरदार नारेबाजी की। माहौल गर्माता देख कर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने पुलिस बुलवा ली। पुलिस को देख कर छात्र और अधिक भड़क गए और पुलिस की मौजूदगी में जबरन प्रशासनिक भवन में घुसने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने लाठिया भांजते हुए छात्रों को परिसर से खदेड़ा। इस दौरान कुछ छात्रों को मामूली चोंटे भी आई। पुलिस ने शांति भंग के आरोप में छात्र नेता रौनकराज सिंह और अविनाश कुमावत सहित सात छात्रों को हिरासत में लिया है।

इधर मामले को लेकर कॉमर्स कॉलेज की अध्यक्ष मूमल चुण्डावत का कहना है किग छात्र इस प्रकार का आन्दोलन करते रहे है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है। इसके लिए पुलिस को बुलाना और फिर पुलिस द्वारा छात्रों पर बल प्रयोग करना सर्वथा अनुचित है। चुण्डावत ने प्रशासन के इस कृत्य की सरकार से शिकायत करने की बात भी कही। इधर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार सी.आर.देवासी का कहना है कि छात्र परिणाम से असंतुष्ट है तो उसकी एक निश्चित प्रक्रिया है। इसके लिए एक कमेटी गठित की जायेगी जो परिणाम संशोधन के निर्णय पर विचार विमर्श करेगी।

गृहमंत्री की रैली और रोलपा की भजन संध्या को लेकर रावण का चबूतरा मैदान पर विवाद

■ **10 सितंबर को गृहमंत्री की रैली और 7 तारीख को रोलपा की भजन संध्या का कार्यक्रम है**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में रावण का चबूतरा मैदान पर आयोजन को लेकर आज नया विवाद खड़ा हो गया है। मंगलवार को मामला नगर निगम तक पहुंच गया। यहां गृहमंत्री अमित शाह की रैली और रोलपा की भजन संध्या को लेकर भाजपा और रालोपा में विवाद हो गया है।

मंगलवार सुबह 10:30 बजे दोनों पक्षों को बैठक भी बुलाई गई। लेकिन, सहमति नहीं बनी । दरअसल, 10 सितंबर को रावण के चबूतरा पर केन्द्रित गृहमंत्री अमित शाह की सभा है। भाजपा रविवार को ही भूमि पूजन कर तैयारियां शुरु कर चुकी है। लेकिन, इससे पहले यहां 7 तारीख को गणपति महोत्सव पर भजन संध्या है। जिसमें रालोपा सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल मुख्य अतिथि है। इधर, जब भजन संध्या के लिए आयोजन समिति व्यवस्था करने पहुंची तो पहले से भाजपा के लोग काबिज थे। ऐसे में रार बढ्ढ गई और पुलिस बुलानी पड़ी। इस विवाद में महापौर खुद पहुंच गई। केंद्रीय गृह मंत्री शाह के आने तथा बडे स्तर पर बूथ सम्मेलन होने से विवाद होने पर भाजपा नेताओं में हड़कंप की स्थिति दिखी।

निगम की ओर से किसी भी पार्टी को आयोजन के लिए तीन दिन के लिए स्थल निशुल्क देने का नियम है। जबकि, 10 तारीख के कार्यक्रम के लिए भाजपा 4 तारीख से रावण का चबूतरा स्थल पर तैयारियां कर रही है। रावण के चबूतरे का एक दिन का किराया 75 हजार रुपए है। भाजपा के लिए यह स्थल 8,9 और 10 तारीख के लिए दिया गया है।

इधर 7 को गणपति महोत्सव की भजन संध्या होनी है। गणपति महोत्सव समिति की ओर से भजन संध्या 7 को होगी और इसमें हजारों की संख्या में लोग उपस्थित होंगे। विशाल भजन संध्या पूरी तरह से रालोपा का ही कार्यक्रम है। आयोजन समिति मैदान खाली करने पर अड़ी है।

भाजपा का कहना है जो डोम लगाया है उसका उपयोग कर सकते हैं । उसके साथ ही मैदान में आधा हिस्सा खाली है, उसका उपयोग कर सकते हैं। नगर निगम ने दोनों पक्षों के बातचीत पर सहमति बातचीत करके हल निकालने की बात कही और यदि हल नहीं निकलता है तो निगम दोनों को हिस्से बांट देगी।

अध्यापक की बाइक से 80 हजार रु. पार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर थाना इलाके में एक प्रधानाध्यापक की बाइक पर 80 हजार रुपये की नकदी व दस्तावेज से भरा बैग अज्ञात उड़ा ले गया। बता दें कि इस दौरान प्रधानाचार्य बाइक घूमा रहे थे, पत्नी भी उनके साथ थी, लेकिन वारदात की भनक हाथों-हाथ नहीं लगकर बैंक से बस स्टैंड पहुंचने पर लगी । वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश सीसी टीवी कैमरे में भी कैद हुए हैं।

संतोष नगर जहाजपुर निवासी व दलपुरा स्कूल में प्रधानाचार्य के पद पर तैनात नंदकिशोर पुत्र ओमप्रकाश पत्रिया मंगलवार दोपहर बैंक कार्य से पत्नी के साथ बैंक ऑफ बड़ौदा गये थे। बैंक कार्य निबटा कर दोनों पति-पत्नी बाहर निकले। अध्यापक ने ने बाहर खड़ी बाइक पर 80 हजार रुपये, स्वयं, पत्नी और बेटी के दस्तावेज रखा बैग टांग दिया। पत्रिया बाइक को पैदल ही घुमाने लगे, तभी दो बदमाश यह बैग ले उडे। इसकी भनक हाथों-हाथ पत्रिया व उनकी पत्नी को नहीं लग पायी। पत्रिया को यह राशि बस स्टैंड पर जगदीश मंत्री को देनी थी। बैंक से बाइक पर बैठकर पति-पत्नी बस स्टैंड पर मंत्री के पास पहुंचे, जहां उन्हें पता चला।

एक ही रात में तीन दुकानों के शटर तोड़े

कस्बे की सब्जी मंडी के पीछे हुई चोरी की वारदात

बयाना, (निस)। कस्बे की सब्जी मंडी के पीछे स्थित मार्केट में बीती रात्रि को चोरों ने धावा बोलकर तीन दुकानों के शटर तोड़कर उनमें रखी लाखों की नगदी व कुछ सामान को पार कर दिया। वारदात का पता सुबह लगने पर बाजार में लोगों की भीड़ जमा हो गई और इन वारदातों को लेकर रोष जाहिर करते हुए पुलिस प्रशासन के विरोध में जमकर नारेबाजी हुई।

वारदात की सूचना पर कोतवाली प्रभारी हरिनारायण मीणा पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। व्यापार संघ के पूर्व अध्यक्ष पवन गोयल ने जानकारी दी कि पीड़ित व्यवसायी राजू गुप्ता ने बताया कि अज्ञात चोर उसकी दुकान में रखी करीब पौने दो लाख की नगदी को, सुनील अग्रवाल की दुकान में रखी करीब 25 हजार की नगदी व सुनील नत्थी की दुकान में रखी करीब 30 हजार की नगदी को पार कर ले गए है।

तीनों दुकानें परचून की व आस-पास है। जिनकी शटर तोडने का तरीका भी बिलकुल एक जैसा था। चोरों की

थाना परिसर में धरना देते किराना व्यापारी।

यह करतूत एक सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। जिन्होंने रात्रि 12 से 1 बजे के बीच में वारदात को अंजाम दिया है। जिसके बाद किराना कारोबारियों ने कस्बे में नारेबाजी व जुलूस प्रदर्शन कर विरोध जताया। विरोध प्रदर्शन कर रहे किराना कारोबारी युवा मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष ऋषि बंसल व्यापार संघ अध्यक्ष विनोद कुमार के नेतृत्व में कोतवाली पहुंचे और कोतवाली में भी जमकर नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। जो पुलिस अधिकारियों की समझाइश पर माने। व्यापारियों ने चोरी की वारदात का शीघ्र खुलासा ना होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी है।

संक्षिप्त

थानसिंह जाटव को श्रद्धांजलि दी

अलवर, (निसं)। राजस्थान में दलित अधिकारों के अगुआ एवं पूर्व सांसद थानसिंह जाटव के निधन पर अलवर के कंपनी बाग में दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) की ओर से स्मृति सभा कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंच के प्रदेश सहसंयोजक डॉ.रमेश बैरवा ने बताया कि थानसिंह जाटव का निधन 89 वर्ष की आयु में 5 सितंबर को हो गया था। वे अपने दौर के निर्भिक एवं आदर्श प्रशासनिक अधिकारी रहे थे। जिला संयोजक एडवोकेट बी एल वर्मा ने कहा कि उनके निधन से सामाजिक न्याय के आंदोलन को अपूरणीय क्षति हुई है। इस अवसर पर जिला सहसंयोजक फतेहसिंह चौधरी, संयोजक मंडल के सदस्य जीत, राजेश, कमलेश कुमार, राज, योगेश, लोकेश उपस्थित रहे।

ठाकुरजी ने किया जलविहार

बोराज, (निसं)। कस्बे के श्री सीताराम मंदिर में जलझूलनी एकादशी पर मंगलवार को गाजे-बाजे के साथ ठाकुरजी महाराज की भव्य डोल यात्रा पालकी में विराजमान हो नगर भ्रमण करते हुए गौरी शंकर शिव मंदिर तक पहुंची। जहां ठाकुरजी को जलविहार कराया गया।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

25 लाख रूपए की चोरी की वारदात का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। शहर की भगतसिंह कॉलोनी से जनवरी 2022 में हुई करीब 25 लाख की चोरी के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों से चुराई गई नकदी में से कुछ राशि बरामद भी की है। इसके अलावा पुलिस ने चोरों द्वारा चुराई गई राशि में से खरीदी गई मोटरसाइकिल, लैपटॉप व आईफोन भी बरामद किया है।

थाना अधिकारी अजय कुमार मीणा ने बताया कि 19 जनवरी

■ **चोरी की राशि से खरीदी एक बाइक, लैपटॉप व आईफोन बरामद किया**

2022 को भगत सिंह कॉलोनी निवासी निसार अहमद कुरेशी ने मामला दर्ज करवाया था कि उसने मकान की ऊपर की मंजिल में स्थित कमरे की अलमारी में मकान के बेचान की राशि 14 लाख 60 हजार व आरा मशीन व्यवसाय से प्राप्त राशि 10 लाख रुपए के साथ ही सोने चांदी के जेवरात भी रखे थे। प्रार्थी ने पुलिस को दर्ज करवाई रिपोर्ट में बताया कि 18 जनवरी 2022 की सुबह कुछ रुपयों की आवश्यकता होने पर ऊपर जाकर अलमारी खोलने लगा तो अलमारी का हैंडल और लॉक पहले से खुला हुआ मिला। उसने बताया कि अलमारी खोलकर देखा तो जिस लॉकर में राशि रखी थी वह राशि गायब मिली। जबकि जेवरात का बॉक्स अलमारी में रखा मिल गया। दर्ज रिपोर्ट पर थानाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

टीम ने अज्ञात चोरों की तलाश शुरू की। तकनीकी सहयोग व मुखबिर खास से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने जयपुर से सरफराज खान उम्र 19 वर्ष निवासी मकान नंबर 578 किशनपोल बाजार नमक मंडी जयपुर व उमर कुरेशी उम्र 19 साल निवासी मकान नंबर 552 नमक मंडी धोबी पाडा हाल निवासी गांधी कॉलोनी नाहरी का नाका जयपुर को गिरफ्तार कर लिया।

थानाधिकारी ने बताया कि आरोपियों से चुराई गई राशि में से 3 लाख 50 हजार की नकदी बरामद की है साथ ही चोरों द्वारा चुराई गई राशि में से खरीदी गई एक मोटरसाइकिल, एक आईफोन मोबाइल व एक लैपटॉप भी बरामद किया है।

निवाई पुलिस ने चोरी की वारदात का खुलासा किया।

जलझूलनी एकादशी पर विभिन्न कार्यक्रम

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा के विभिन्न मन्दिरों में जलझूलनी एकादशी पर अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये गये। कस्बे पुराना फुलेरा स्थित प्राचीन श्री ठाकुर जी महाराज के मन्दिर के पुजारी शिव नारायण के सानिध्य में ठाकुर जी महाराज को पालकी में बैठाकर गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण करवाते हुए जल विहार करवाया गया।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष नटवर लाल गौड ने बताया कि ठाकुर जी महाराज की पालकी को भक्तगणों ने अपने कन्धो पर उठाकर क्षेत्र के मुख्य मार्गो से होते हुए तेजाजी चौक पहुंचे। जहाँ पर ठाकुर जी को स्नान करवाकर भजन कीर्तन कर महाआरती के पश्चात पंजीरी का प्रसाद वितरण किया गया। साथ ही घरों में विराजमान लड्डू गोपाल को भी श्री ठाकुर जी महाराज साथ ही नगर भ्रमण करवाया गया। इस अवसर पर यादराम जोशी, जुगल किशोर शर्मा, स्थानीय पार्षद जितेन्द्र वर्मा, पूजा भाटी, यतेन्द्र झाकड़ा, सरदार सिंह चौधरी, अवधेश टाँक, रामपाल कुमावत, सत्यनारायण, मोहन लाल, मोनू हर्षित प्रजापति, शंकर, शुभम्, दक्ष प्रजापति, प्रेम चन्द, श्री किशन जागिङ, हनी, पवन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गुमशुदा की तलाश में पुलिस पर लापरवाही का आरोप

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखंड क्षेत्र के पचेवर थाना क्षेत्र के आवडा निवासी एक लापता युवक की रिपोर्ट दर्ज करने तथा गुमशुदगी दर्ज करने में थानाधिकारी पर लीपापोती का आरोप लगाते हुय आवडा गाँव के ग्रामीणों ने थाने के सामने दूदू छान स्टेट हाईवे पर विरोध कर जाम लगा दिया।

जाम लगा रहे ग्रामीणों ने बताया कि आवडा निवासी प्रधान जाट डोरिया में दूध डेयरी का संचालन करता है। सोमवार को देर रात तक भी प्रधान डोरिया से वापस अपने घर आवडा नहीं लौटा तो परिजनों ने मोबाईल पर संपर्क करने की कोशिश की। लेकिन प्रधान का कोई सुराग नहीं मिला। प्रधान के परिजनों ने मंगलवार को पचेवर थाने पहुँच गुमशुदगी की रिपोर्ट दी। पुलिस ने शाम तक जब कोई कार्यवाही नहीं की तो आवडा के ग्रामीणों में आक्रोश बढ गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने थाने के सामने प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया गया।

जाम को हटाने के लिए थानाधिकरी रतन सिंह तंवर द्वारा प्रयास किए गए लेकिन प्रदर्शनकारी हटे नहीं।सूचना पर पहुंचे पुलिस उपाधीक्षक सुशील मान ने लोगों से चर्चा कर गुमशुदा व्यक्ति की शीघ्र तलाश करने का आश्वासन दिया। सीईओ मान के आश्वासन पर विश्वास करते हुए लोगों ने जाम हटा दिया। सीईओ सुशील मान ने बताया की रिपोर्ट प्राप्त होते ही दिए गए मोबाइल नंबरों की कॉल डीटेल निकलवाने का प्रयास किया जा रहा है तथा गुमशुदा की तलाश के लिए गठित पुलिस की विशेष टीमें कार्य में जुटी हुई है।

हरिओम शर्मा अध्यक्ष नियुक्त

फुलेरा, (निसं)। कस्बे में निजी विद्यालयों ओर शिक्षकों के लिए समर्पित संस्था प्राइवेट टीचर्स एसोसिएशन फुलेरा ब्लॉक सांभरलेक ने देश के प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 135वीं जयंती संक्षिप्त रूप से संस्था के निर्वतमान उपाध्यक्ष किशोर खारडिया की अध्यक्षता में मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम डॉ.राधाकृष्ण के छायाचित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किए। तत्पश्चात सभी शिक्षकों को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक योगेन्द्र गहलोत ने किया। संस्था के तीन वर्ष पूर्ण होने एवं पुरानी कार्यकारिणी को भंग करके उपस्थित सदस्यों की सर्वसहमति से हरिओम शर्मा को संस्था का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य श्री भगवान सहाय पुत्र श्री बालूराम जाति बैरवा, निवासी ग्राम कपूरावाला, तहसील सांगानेर, जिसके स्वामित्व की कृषि भूमि खसरा नम्बर-154 रकबा 1.10 हैक्टेयर का हिस्सा 1/2 ग्राम महासिंहपुरा उर्फ कपूरावाला, पटवार हल्का-कपूरावाला, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में स्थित के बाबत गोपाल लाल वर्मा पुत्र श्री रामस्वरूप वर्मा, जाति रैगर, निवासी प्लाट नम्बर 23, सैनी कॉलोनी, सांगानेर, जिला जयपुर के मध्य दिनांक 07.06.2022 को एक इकरारनामा बाबत बेचान निष्पादित हुआ था। जिसकी शरायतों का उल्लंघन करने पर मेरे अभिभाष्य ने दिनांक 23.08.2022 के विधिक नोटिस द्वारा उक्त इकरारनामा को निरस्त कर दिया गया है, भविष्य में कोई भी व्यक्ति मेरे अभिभाष्य की उक्त वर्णित सम्पत्ति से सम्बन्धित किसी प्रकार का कोई संव्यवहार करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहे।
जयपुर (के.आर. बैरवा) एडवोकेट, मो. 9414083756

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजीव कुमार पुत्र श्री राम लाल, निवासी लेगों का बास, ग्राम उंचारडा खुर्द, तहसील मेडतासिटी, जिला नागौर राजस्थान राज्य ने प्लाट नम्बर 78, कनक वृन्दावन, ग्राम दहमी कलां, तहसील सांगानेर जिला जयपुर, क्षेत्रफल 130.20 वर्गगज को खरीद कर लिया है एवं उक्त प्लाट के मूल दस्तावेजात की श्रृंखला में से दिनांक 16.02.2009 का विक्रय पत्र लिखा हुआ, जिसका पंजीयन क्रमांक 2009399000584 व दिनांक 16/2/2009 का विक्रय पत्र लिखा हुआ, जिसका पंजीयन क्रमांक 201339903032 है, कहीं गुम हो गई है, यदि किसी व्यक्ति का उक्त सम्पत्ति में उत्तराधिकार, विक्रय, रहन, लीज, दान व अन्य किसी प्रकार से अधिकार या हक हो तो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष सात दिवस में अपना अधिकार या हक मय दस्तावेज प्रस्तुत करें, अन्यथा उक्त सम्पत्ति पर रहन कर लिया जायेगा एवं उसके पश्चात किसी प्रकार का कोई हक या अधिकार मान्य नहीं होगा तथा ना ही मेरे मुवक्किल AADHAR HOUSING FINANCE LIMITED पर बाध्यकारी होगा। भुवनेश जैन, एडवोकेट, मो. 9828025372

गायों की सेवा में लगे एलएसए गोविंद व पं. गौरी शंकर

किशनगढ बास, (निसं)। हिंदू संस्कृति में गायों को गौ माता माना गया है घर के अंदर भी सबसे पहले गाय की रोटी हम निकालते है। आज जब हमारी गौ माता लंपी जैसी महामारी के रोग से ठास्त होकर जिंदगी और मौत के बीच तडप रही हो और हजारों की तादाद में दम तोड़ चुकी हो तो ऐसे में उन्हें बचाना हम सबका धर्म है। यह कहना है ज्योतिष आचार्य पंडित गौरी शंकर शर्मा का जिनका पूरा परिवार लंपी रोग से ठास्त गायों को बचाने में इन दिनों दिन रात जुटा है।

जयपुर दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गांव भाकरी के पंडित ज्योतिष आचार्य गौरी शंकर शर्मा और पशु चिकित्सालय में एलएसए के पद पर कार्यरत छोटे भाई गोविंद भारद्वाज अलसुबह 5 बजे घर से निकल जाते हैं और पूरे दिन यही देखते हैं कि कोई गाय रोग से ग्रस्त होकर तडप तो नहीं रही है। रात दिन गोवंश की सेवा में लगे एलएसए गोविंद भारद्वाज बताते हैं कि लावारिस गोवंश के इलाज के साथ अगर कोई उन्हें सूचना देता है तो वह घर जाकर भी निशुल्क इलाज करने के साथ दवा का पैसा भी नहीं लेते हैं। गोवंश की सेवा में उनके साथ बडे भाई ज्योतिषाचार्य पंडित गौरीशंकर शर्मा और भतीजे मोहित व भतीजी दिव्या भी पढ ाई के साथ इस सेवाभाव के कार्य में जुटे है। भारद्वाज ने पशुपालकों से अपील की है कि बीमारी से पीडित गोवंश को अपने घर में ही बांधकर रखे और वह तब तक घर पर इलाज कराये जब तक कि पूर्णता रोग ठीक नहीं हो जाता है। ज्योतिषाचार्य पं शर्मा ने इस संकट की घडी में गौमाता की रक्षा करने में सहयोग की अपील की है।

लालसोट नगरपालिका के 57 वार्डों में 2 करोड़ के शहरी नरेगा कार्य होंगे

लालसोट, (निसं)। नगरपालिका के सभी 57 वार्डों में करीब 2 करोड रुपए लागत के शहरी नरेगा कार्य किए जाएंगे। इस शहरी नरेगा योजना में 18 से 60 आयु वर्ग को मिलेगा रोजगार का लाभ मिलेगा। 9 सितंबर से शुरू हो रही लालसोट नगर पालिका क्षेत्र में शहरी नरेगा योजना की जानकारी देने के लिए नगर पालिका सभागार में मंगलवार को पालिका अध्यक्ष रक्षा मिश्र की अध्यक्षता में पार्षदों की मौजूदगी में एक बैठक आयोजित की गई।

जहां नगर पालिका चेयरमैन रक्षा मिश्र एवं अधिशासी अधिकारी सीमा चौधरी नगर पालिका वायस चेयरमैन संतोष स्वामी द्वारा पार्षदों को जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजना इंदिरा गांधी शहरी गांरटी रोजगार योजना का शुभारंभ नो सितम्बर शुक्रवार से किया जाएगा। निकाय के बेरोजगार परिवारों को योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा मिले इस बाबत संबंधित पार्षदों को खुद के बालों में ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करने के लिए आ ान किया गया। बैठक में अधिशाषी अधिकारी सीमा चौधरी द्वारा उपस्थित पार्षदगणों को इंदिरा गांधी शहरी गांरटी रोजगार योजना के तहत दिये जा रहे लाभों के बारे में विस्तृत रूप बताया और पार्षदगणों से अपील की कि आप अपने अपने वार्ड निवासरत बेरोजगार परिवारों को इस योजना से जोड़ें और उनके जॉब कार्ड अनिवार्य रूप से बनाकर कार्य की मांग करे ताकि उन्हे रोजगार उपलब्ध कराया जा सके और राज्य सरकार की मंशानुसार उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाये जा सकें। तत्पश्चात पालिका के कनिष्ठ अभियंता सुरेश चंद शर्मा और बसराम मीना द्वारा उक्त योजना के तहत पालिका में करवाये जाने वाले कार्यों से वार्डा पार्षदों को अवगत कराया कि 2 करोड की राशि के 57 कार्य करवाये जावेगें जो पालिका के समस्त वार्डो सार्वजनिक स्थानों पर किये जावेगें। अंत में अधिशाषी अधिकारी सीमा चौधरी ने बताया कि दिनांक 9 सितंबर को स्थानीय कैमला तलाई पर योजना का शुभारंभ किया जावेगा। बताया की जिन व्यक्तियों ने अपने जॉब कार्ड बनवा लिये वे कार्य की मांग हेतु नगरपालिका मे आकर कार्य की मांग कर सकते है। मांग के उपरांत ही रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

नगर पालिका सभागार में पालिका अध्यक्ष रक्षा मिश्र की अध्यक्षता में पार्षदों की मौजूदगी में एक बैठक आयोजित की गई।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री प्रशान्त गुप्ता पुत्र श्री राजेन्द्र गुप्ता निवासी 320-ए, देवी नगर न्यू सांगानेर रोड, सोडाला जयपुर (राज.) का है जो कि मेरे अभिभाष्य का पुत्र शुभम गुप्ता व पुत्रवधू दिया गुप्ता है जो मेरे अभिभाष्य को नाजायज परेशान करते है तथा कहने सुनने में नहीं है। इसलिये मेरा अभिभाष्य अपने पुत्र शुभम गुप्ता व पुत्रवधू दिया गुप्ता को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति व अधिकारों से बेदखल करता है। यदि कोई भी व्यक्ति, संस्था निकाय उनके साथ कोई संव्यवहार करता है लेन देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा सूचित रहे।
(दीपक अग्रवाल) एडवोकेट, मो. 8619553395

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूखण्ड संख्या बी-65, बापू नगर, जयपुर का मूल पट्टा/विक्रय पत्र संख्या 2791/76 सम्वत 2033 जो मेरे पिता श्री सुरेन्द्र कुमार जैन के नाम जारी किया हुआ है तथा उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीबद्ध है, मुझसे दिनांक 03.09.2022 को अपने घर से फोटो कॉपी कराने जाते समय रास्ते में कहीं गिर गया तथा काफी तलाश करने पर भी नहीं मिला। यदि किसी को उक्त मूल पट्टा मिले तो मुझे निम्न पते पर पहुंचाने की कृपा करें।
(राजेश कुमार जैन) पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार जैन
बी-65, बापू नगर, युनिवर्सिटी रोड, जयपुर। मो. 9828012041

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत-तृतीय **राजस्थान आवासन मण्डल**
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर, दूरभाष संख्या :- 0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या 8/H/156 इन्दिरा गांधी नगर, जयपुर क्षेत्रफल 243.81 वर्ग मीटर का आवंटन आरूषी सर्राफ पुत्री श्री राजेन्द्र सर्राफ को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 10165 दिनांक 25.08.2010 जारी किया गया था। उनके द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर-प्रथम में दिनांक 30.08.2010 को करवाया गया। आरूषी सर्राफ पुत्री श्री राजेन्द्र सर्राफ के द्वारा कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 19.11.2010 को उक्त आवास का मुख्त्यारनामा आम श्री पुरूषोत्तम शेवानी पुत्र स्व. श्री मूल चन्द शेवानी को नियुक्त किया गया। तत्पश्चात मुख्त्यारनामा आम धारक श्री पुरूषोत्तम शेवानी पुत्र स्व. श्री मूल चन्द शेवानी के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्री गोविन्द अग्रवाल पुत्र स्व. श्री रूपनारायण अग्रवाल को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 20.01.2011 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री गोविन्द अग्रवाल पुत्र स्व. श्री रूपनारायण अग्रवाल के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्री जयवीर सिंह पुत्र श्री भूदेव सिंह को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर अष्टम में दिनांक 05.07.2013 को करवाया गया। श्री जयवीर सिंह पुत्र श्री भूदेव सिंह के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता- श्री जयवीर सिंह पुत्र श्री भूदेव सिंह के पक्ष में उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

खोया पाया
मेरा पासपोर्ट संख्या A0849067 दिनांक 06.09.2022 को सचिवालय विहार से रीको कांटा के मध्य कहीं गिर गया। जिसको मिले मुझे पहुंचाये। जगदीश पटेल पुत्र स्व. श्री हरीलाल पटेल R/o-371, सचिवालय विहार, रीको कांटा, जयपुर। मोबाइल- 9928469662

NAME CHANGE
I change my name from Nisar Ahmed to Nisar Ahmad S/o Abdul Vahid. In Future I will be known by Nisar Ahmad. R/o A-57, Rana Colony nahri ka Naka, Jaipur.

I Have Changed My Name From Nandani to Nandini Agrawal in Future Address:- Plot No. 7, Moti Nagar, Near Lata Circle, Jhotwara, Jaipur

मैने नाम अनन्या अदिति सोंगरा से बदलकर अनन्या सोंगरा पुत्री भूपेन सोंगरा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी से जाना जाए। ई-1, गंगवाल पार्क, जेएलएन मार्ग, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 129/22
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
नाम प्रार्थी अंजली राठौड़ पत्नी स्व. लोकेश राठौड जाति राजपुत विवाद स्थान फ्लेट नम्बर 30/7/5 मानसरोवर, जयपुर
मृतक स्व. लोकेश राठौड की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 18.10.22
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्वर्गीय लोकेश राठौड पुत्र स्व. मोतीलाल राठौड जाति जयपुर निवासी.... का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 18 माह 10 सन् 2022 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 25 माह 08 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से
अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश
मोहर क्रम 10, जयपुर महानगर प्रथम
सांगानेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका मण्डल जोबनेर जयपुर
क्रमांक-न.प.जो./90ए/22-23/1595 **लोक सूचना** दिनांक-06.09.2022
इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि के निम्न खातेदार द्वारा गैर कृषिक प्रयोजन (कृषि से संस्थानिक भू-उपयोग परिवर्तन) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृत अधिकरो के निर्वापन के लिए प्रस्तुत किया है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल
1	श्री बालाजी एज्यूकेशन समिति जरिये अध्यक्ष श्री अब्दुल रईस खान पुत्र श्री अब्दुल रशीद खान निवासी ग्राम डेहरा	जोबनेर जिला-जयपुर	राजस्व ग्राम तहसील-जोबनेर	2421/2041	रकबा 1.0875 हैक्टेयर में से 10708 वर्गमीटर (कृषि से संस्थानिक भू-उपयोग परिवर्तन हेतु)

अतः इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृत अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृत अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर-भीतर किसी कार्य पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत करेगा।
उपर्युक्त नियत समय भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक.......को जारी की गई।
प्राधिकारी अधिकारी, (अधिशाषी अधिकारी) नगर पालिका जोबनेर

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/3065-66 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-06.09.2022
श्री (1) मनिता पत्नी श्री मयंक अरोडा (2) गीत पुत्री स्व. श्री मंजीत सिंह मक्कड (3) जीत पुत्र स्व. श्री मंजीत सिंह मक्कड जरिये प्राकृतिक संरक्षक माता मनिता निवासी वार्ड नम्बर 27 खटोडा बाजार श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार व्यावसायिक प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष मे अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.27 खटोडा बाजार श्रीमाधोपुर	चर्तु सीमाऐं निम्न प्रकार से है- पूर्व दिशा मे शिवपाल बलोदा की दुकान, पश्चिम दिशा मे राजू भडभूज्या की दुकान, उत्तर दिशा मे खटोडा बाजार आम रास्ता व दक्षिण दिशा मे परमात्माशरण पालीवाल की दुकान अवस्थित है।	दुकान व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम 18 फुट व उत्तर से दक्षिण 22 फुट कुल 44 वर्गगज या 36.78 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 06.09.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/3576-77 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-06.09.2022
तोफीक कुरेशी पुत्र श्री मोहम्मदीन कुरेशी निवासी वार्ड नं. 33 पुष्पनगर कस्बा श्रीमाधोपुर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष मे अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.33 पुष्पनगर श्रीमाधोपुर	चर्तु सीमाऐं निम्न प्रकार से है- पूर्व दिशा मे रघुनाथ राठौड की भूमि, पश्चिम दिशा मे मोहम्मदीन का मकान, उत्तर दिशा मे आम रास्ता, व दक्षिण दिशा मे बुन्दू कुरेशी का मकान अवस्थित है।	मकान आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम उत्तरी भुजा 31 फुट 9 इंच, दक्षिणी भुजा 27 फुट 6 इंच, उत्तर से दक्षिण पूर्वी भुजा 48 फटा 9 इंच, व पश्चिमी भुजा 53 फुट कुल क्षेत्रफल 167.00 वर्गगज या 139.68 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 06.09.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/3579-80 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-06.09.2022
श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल पुत्र श्री ग्यारसीलाल अग्रवाल निवासी वार्ड नम्बर 17 सीकर बाजार श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार व्यावसायिक प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष मे अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.17 सीकर बाजार श्रीमाधोपुर	चर्तु सीमाऐं निम्न प्रकार से है- पूर्व दिशा मे किशोरीलाल हलवाई की दुकान, पश्चिम दिशा मे चबुतरा छोडकर आम रास्ता गली, उत्तर दिशा मे चबुतरा छोडकर सीकर बाजार रोड व दक्षिण दिशा मे पुष्पा देवी का मकान अवस्थित है।	दुकान व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम उत्तरी भुजा 16 फुट 10 इंच, दक्षिणी भुजा 16 फुट 9 इंच, व उत्तर से दक्षिण 26 फट 3 इंच, कुल क्षेत्रफल 48.98 वर्गगज या 40.95 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 06.09.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/3573-74 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-06.09.2022
श्री रामगोपाल अग्रवाल पुत्र श्री राधेश्याम अग्रवाल जाति महाजन निवासी वार्ड नं. 17 चौपड बाजार श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार व्यावसायिक प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष मे अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.17 चौपडा बाजार श्रीमाधोपुर	चर्तु सीमाऐं निम्न प्रकार से है- पूर्व दिशा मे मधुसूदन कयाल की दुकान, पश्चिम दिशा मे सरोज देवी की दुकान, उत्तर दिशा मे चौपड बाजार आम चौक व दक्षिण दिशा मे मंदिर श्री सत्यनारायण भगवान परिसर अवस्थित है।	दुकान व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम 10 फुट 4 इंच, उत्तर से दक्षिण 26 फुट कुल क्षेत्रफल 30.04 वर्गगज या 25.11 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 06.09.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

घायल अवस्था में मिला वृद्ध, मृत घोषित

निवाई, (निसं)। हाईवे पर स्थित एनसीबी फैक्ट्री गुंसी के पास डिवाइडर पर एक वृद्ध घायल अवस्था में मिला। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस से घायल वृद्ध को निवाई अस्पताल लेकर आई। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी में रखवा दिया। सदर थानाधिकारी कप्तान सिंह ने बताया कि मृतक के पास से मिले कागजात से उसकी पहचान रामकिशन पाठक ग्राम चितौनी थाना शुजालपुर जिला शाजापुर मध्यप्रदेश के रूप की गई। पुलिस ने उसके परिजनों को सूचना दी। मंगलवार की सुबह परिजन निवाई अस्पताल पहुंचे। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के पुत्र जितेंद्र पाठक ने पुलिस को बताया कि मृतक मानसिक रोगी था और 2 सितंबर को घर से निकला था और जिसे तलाश कर रहे थे। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

तिजारा विधायक, पुलिस और एसडीएम के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

अलवर, (निसं)। तिजारा विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को तिजारा उपखंड मुख्यालय की तहसील कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। भाजपा का यह प्रदर्शन राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों और तिजारा सहित भिवाडी में व्याप्त सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार, बढ ते अपराध, महिलाओं के साथ आए दिन हो रही ज्यादती, फायरिंग, लूटपाट, स्थानीय तिजारा विधायक संदीप यादव के गुर्गों की गुंडागर्दी के विरोध में किया गया था।

तिजारा उपखंड सहित भिवाडी क्षेत्र के सभी भाजपाई इसमें शामिल हुए। धरना प्रदर्शन के दौरान तिजारा के पूर्व विधायक मामन सिंह यादव ने घोषणा करते हुए कहा की धरना स्थल पर जब तक भिवाडी एडीएम ज्ञापन लेने के लिए नहीं आएंगे तब तक धरना प्रदर्शन समाप्त नहीं होगा। भाजपाइयों ने कहा कि दोपहर 2 बजे तक एडीएम नहीं पहुंचे तो हाईवे को जाम किया जाएगा, इधर मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी प्रेम बहादुर के नेतृत्व में भारी पुलिस जाब्ता धरना स्थल पर मौजूद है। धरना स्थल पर मौजूद पंचायत समिति तिजारा प्रधान जयप्रकाश यादव ने एसडीएम महेंद्र यादव को तिजारा क्षेत्र का सबसे बडा लुटेरा बताया और उनके कार्यों की जांच होनी चाहिए। एसडीएम तिजारा क्षेत्र में जमीनों के इंतकाल खोलने के नाम से पैसे लिए जाते हैं।

साथ ही 1 दिन पूर्व भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए पूर्व मंत्री जगमाल सिंह यादव के बेटे चंद्रशेखर यादव ने तिजारा के पूर्व थानाधिकारी जितेंद्र नावरिया पर भ्रस्टाचारी होने का आरोप लगाया और उसकी संपत्ति की जांच कराने की मांग की। भाजपा के पदाधिकारी विधायक व पुलिस विभाग सहित एसडीएम महेंद्र यादव पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं।

बढ़ती चोरियों को लेकर प्रदर्शन

पावटा, (निसं)। पावटा व आसपास के क्षेत्रों मे बढ़ती घटनाओं के बाद जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों व ग्रामीणों की नाराजगी बढ गई। पुलिस पर सुस्त कार्रवाई का आरोप लगाते हुए जनप्रतिनिधि, व्यापारी व ग्रामीण सुबह करीब 10 बजे जनप्रतिनिधि, स्थानीय दुकानदार, ग्रामीण अपनी दुकानें बंद करके टसकोला बस स्टैंड घटना स्थल पर एकत्रित होना शुरू हो गए थे। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। पावटा नाहरेडा रोड जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन किया और करीब 3 घंटे तक चले रोड जाम को जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों व ग्रामीणों ने वृत्ताधिकारी वृत्त कोटपुतली डॉ. संध्या यादव के आश्वासन बाद खोला। दोनों पक्षों में सौहार्दपूर्ण बातचीत के बाद प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया। वृत्ताधिकारी कोटपुतली डॉ.संध्या यादव ने लोगों को आश्वासन दिया कि इस मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और आरोपियों को शीघ्र गिरतार किया जाएगा।

शांति समिति की बैठक में डीजे पर लगी रोक हटाने का मुद्दा छाया

मालपुरा (निस) अन्नत चतुदर्शी पर मालपुरा शहर में निकलने वाले ऐतिहासिक गणेश विर्सजन शोभायात्रा सहित अन्य आयोजनों के दौरान शहर व क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था को लेकर मंगलवार को मालपुरा थाना परिसर में एसडीएम रामकुमार वर्मा की अध्यक्षता व डीवाईएसपी सुशील मान की मौजूदगी में शांति समिति व एकता मंच की बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान गणेश विसर्जन शोभायात्रा सहित अन्य धार्मिक यात्राओं व कार्यक्रमो मे डीजे के प्रयोग पर लगी पाबंदियों व जटिलताओं मे शिथिलता बरत डीजे के उपयोग की स्वीकृति जारी किये जाने का मामला प्रमुखता से छाया रहा। गणेश विसर्जन आयोजन समिति अध्यक्ष रतन लाल नायक व हिन्दु समरसता मंच के कृष्णकांत जैन, एडवोकेट नन्दकिशोर सैनी, राजेन्द्र राजपुरोहित, अमरचन्द मैन्दवास्या सहित अन्य ने डीजे की स्वीकृति का मामला उठाया। मणिशंकर शर्मा ने पुरानी तहसील गोवला घाट पर गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान गौताखोर दस्ते सहित सुरक्षा के पुख्ता इंतेजामात रखने की आवश्यकता जताई। रवि कुमार जैन ने पर्यूषण पर्व के दौरान जैन मंदिरों के पास व शहर मे विशेष पुलिस जाप्ता व गश्त की बात कही। एसडीएम आरके वर्मा ने डीजे पर लगी रोक के आदेश राज्य सरकार व गृह विभाग द्वारा जारी किये जाने की बात कहते हुए बिना प्रशासनिक स्वीकृति के किसी प्रकार के कोई आयोजन नहीं करने की बात कही तो थानाधिकारी कैलाश विश्नोई ने कहा कि डीजे किसी विवाद का मुख्य कारण नहीं है। डीवाईएसपी सुशील मान ने शहर पर लगे अतिसंवेदनशीलता के बदनुमा दाग को धोने के लिए एक-दूजे के त्यौहारों पर आपसी भाईचारे से शरीक हो त्यौहार मनाये व कानून व्यवस्था मे प्रशासन के साथ भागीदार बनने की बात कही। थाना पुलिस के गश्ती दल ने शहर मे संदिग्ध अवस्था मे घुमते इंसाफ, अनीस, आसीफ व मुकेश को शांतिभंग में गिरफतार किया गया।

मालपुरा थाना परिसर में एसडीएम रामकुमार वर्मा की अध्यक्षता व डीवाईएसपी सुशील मान की मौजूदगी में बैठक आयोजित हुई।

■ **संदिग्ध अवस्था में घूमते 4 गिरफ्तार**

कार्यालय नगर पालिका मण्डावरी (दौसा)
क्रमांक-न.पा.म./2022//2002 दिनांक-06.09.2022
आपत्ति आमंत्रण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 के तृतीय चरण के दौरान 69-ए पट्टे/नवीनीकरण/पटटा स्थानान्तरण/पूर्ण स्वामित्व पट्टा प्राप्त करने के लिये पत्रावलिया प्राप्त हुई है उक्त पत्रावलियों में किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 7 दिवस में मय लिखित सबूत पालिका में अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद कोई उज्रदारी मान्य नहीं होगी।
अतः सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधिन आज दिनांक 06.09.2022 को जारी की है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मोहल्ला/वार्ड	क्षेत्रफल वर्गगज में
1	श्री कजोडमल मीना पुत्र श्री अम्बालाल मीना	व्यास की कोठी	24
2	श्रीमती सम्पत्ति देवी पत्नि श्री रामावतार मीना	वेद मोहल्ला	35.18
3	श्री नाथूलाल पुत्र श्री ग्यारसी लाल महावर	धोबी मोहल्ला	71.76
4	श्री सत्यप्रकाश गोयल पुत्र श्री घनश्याम गोयल	चौधरी मोहल्ला	60.57
5	श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री घनश्याम बैरवा	गढ मोहल्ला	95
6	श्री धर्मेन्द्र कुमार पुत्र श्री रामधन मीना	मैन बस स्टेण्ड	17.06
7	श्रीमती ललिता देवी पत्नी श्री बाबूलाल बैरवा	शीतला माता ढाणी	58.33
8	श्री रामावतार अग्रवाल (बजाज) पुत्र श्री हरिप्रसाद बजाज	मैन बाजार	27.91
9	श्री नाथू लाल शर्मा पुत्र श्री सूरजमल शर्मा	बस स्टेण्ड	22.22
10	श्री ज्ञानेन्द्र शर्मा पुत्र श्री मोहन लाल शर्मा	तामडायत मोहल्ला	194.96
11	श्री मुकेश कुमार गवेन्द्रा पुत्र श्री आनन्दी लाल गवेन्द्रा	खटीक मोहल्ला	171.11
12	श्री सत्यनारायण अग्रवाल पुत्र श्री रामदयाल महाजन	मैन मार्केट	40.88
13	श्री बनवारी लाल मीना पुत्र श्री रामपाल मीना	खिडकी मोहल्ला	78.94
14	श्री राजेश गुप्ता पुत्र श्री छाजू लाल गुप्ता	बालाजी चौक	183.41
15	श्री खेमराज मीना पुत्र श्री रामकरण मीना	कोठी वाली ढाणी	255.55

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका, मण्डावरी

टोंक विधायक सचिन पायलट को जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने बधाईयां दी

- टोंक विधायक सचिन पायलट के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने दी बधाईयां

टोंक (निसं)। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट के जन्मदिन के अवसर पर टोंक विधानसभा क्षेत्र से युवा कांग्रेस प्रदेश नेता सऊद सईदी के नेतृत्व में मंगलवार को सैकडों वाहनों के साथ कार्यकर्ताओं ने उनके निवास पर आयोजित स्नेह मिलन समारोह में मंगलवार को पहुंच उनका भव्य स्वागत कर बधाईयां दी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट का बुधवार को जन्मदिन है, जिसको लेकर जयपुर में उनके निवास पर आयोजित समारोह में टोंक विधानसभा क्षेत्र से करीब 300 से अधिक वाहनों के साथ कांग्रेस नेता एवं मदरसा बोर्ड राजस्थान के सदस्य सऊद सईदी के नेतृत्व में सैकडों की तादाद में कार्यकर्ता पहुंचे और सचिन पायलट का जन्मदिन के मौके पर भव्य स्वागत करते हुए उन्हे शुभकामनाएं दी। समारोह के दौरान कार्यकर्ताओं ने नाचते-गाते पायलट को बधाई दी। इस

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट को जन्मदिन के अवसर पर टोंक से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता एवं मदरसा बोर्ड राजस्थान के सदस्य सऊद सईदी के नेतृत्व में शुभकामनाएं दी।

मौके पर नगर परिषद सभापति अली अहमद, प्रधान पंचायत समिति टोंक सुनिता फागणा, प्रदेश सरपंच संघ उपाध्यक्ष हंसराज फागणा, कांग्रेस नेता दिनेश चौरासिया, पार्षद रामदेव गुर्जर, राहुल सैनी, शैलेष गुर्जर, फोजूराम मीणा, पूर्व उपसभापति सलीमुद्दीन खान, जर्रार खान, सरपंच संघ अध्यक्ष मुकेश कुमार मीणा भरनी, मुदस्सर जिशान, कमलेश चांवला, शब्बीर नागौरी, इम्तियाज खान सहित सैकडों कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर पायलट को बधाई दी।

इसी प्रकार ब्लाक कांग्रेस देहात अध्यक्ष एडवोकेट रामसिंह मुकूल के नेतृत्व में भी सैकडो कार्यकर्ताओं ने पहुंच कर पायलट को जन्मदिन की बधाई दी। वही पायलट के जन्मदिन के मौके पर निवर्तमान कांग्रेस जिलाध्यक्ष लक्ष्मण गाता के साथ कांग्रेस नेता सुनील बंसल, हंसराज गाता, नवीन शर्मा आदि कार्यकर्ताओं ने भी पहुंच कर पायलट को जन्मदिन की बधाईयां दी।

बनास नदी में डूबे गोपाल चौधरी का साढ़े 22 घंटे में मिला शव

- पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी व परिजनों ने रातभर अपने स्तर पर प्रयास किये

टोंक,(निसं)। निवाई बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट गोपाल लाल चौधरी सुरेली का शव मंगलवार प्रातः 7:30 बजे मिल गया।

जिससे परिजनों व पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत की सांस ली। एडवोकेट चौधरी सोमवार को अपने साथियों के साथ बनास नदी नहाने गए थे। जो नदी के तेज बहाव में डूब गए। जिनकी तलाश करीब साढे 22 घण्टे तक चलने के बाद मंगलवार प्रातः करीब 7.30 बजे शव मिलने पर पूरी हो गई।

बार एसोसिएशन निवाई के तीन बार अध्यक्ष रहे एडवोकेट गोपाललाल चौधरी (35) निवासी सुरेली हाल निवासी एसीजेएम कोर्ट के सामने निवाई सोमवार को सुबह 9 बजे अपने चार-पांच साथियों के साथ बनेठा थाना क्षेत्र में स्थित बनास नदी के रपटे पर नहाने के लिए गए थे। इस दौरान पानी के तेज बहाव में एडवोकेट चौधरी बह गए एवं उनके अन्य साथी नदी से बाहर आ गए।

जिसकी सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर एसडीआरएफ टीम एवं गोताखोरों को बुलाकर पानी में डूबे हुए चौधरी की तलाश सोमवार को सुबह 10 से मंगलवार प्रातः तक करने पर कामयाबी मिली।

इस घटना को लेकर निवाई बार एसोसिएशन व उनके पैतृक गांव सुरेली में शोक की लहर दौड गई। निवाई बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट बनवारीलाल यादव ने बताया कि चौधरी के निधन से परिवार व बार को घर सदमा लगा है। मंगलवार को शव मिलने के बाद पोस्टमार्टम करवाने के बाद अंतिम संस्कार किया गया।

शिक्षक अंधकार मिटाने एवं भविष्य निर्माता होता है : लक्ष्मीकांत गुप्ता

- रेडक्रॉस सोसायटी ने 63 सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी इकाई श्रीमाधोपुर अजीतगढ के तत्वावधान में सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह मंगलवार को अजीतगढ पीजी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आरएएस अधिकारी लक्ष्मीकांत गुप्ता थे। अध्यक्षता अजीतगढ पीजी महाविद्यालय की संस्थापिका परमेश्वरी देवी ने की।

मुख्य अतिथि गुप्ता ने कहा कि शिक्षक अंधकार मिटाने एवं उज्ज्वल भविष्य निर्माता होता है। ये पद सदैव पूजनीय है। देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन को समूचा राष्ट्र वर्ष 1962 से शिक्षक दिवस के रूप मे मनाता है। गुरु शब्द की महिमा

श्रीमाधोपुर ब्लॉक के वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत हुये शिक्षकों का अभिनंदन किया गया।

का वर्णन शब्दो में बांधना संभव नहीं है। ब्लॉक संयोजक शंकर लाल शर्मा तथा तहसील प्रभारी कपिल मीणा ने बताया कि श्रीमाधोपुर ब्लॉक के वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत हुये शिक्षकों का अभिनंदन किया गया।

सेवानिवृत शिक्षक अभिनंदन समारोह में 63 शिक्षकों को सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह तथा श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। शिक्षाविद रमाकांत शर्मा व शिवकुमार जोशी बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। इस अवसर पर अजीतगढ पीजी महाविद्यालय के निदेशक विजय यादव, प्राचार्य डॉ. श्रवण नोगियां, बीएड प्रभारी राकेश नन्दुडी, विमल इंदौरिया, महेश दीवान, गोविंद राम जोशी, राम किशोर कुमावत, मोहम्मद शरीफ गौरी, ग्यारसी लाल टेलर, विनोद लुणाका, हिमांशु दिनेश शर्मा, शिंभू दयाल भारद्वाज, डब्बू सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मंच संचालन सोसायटी के उपसंरक्षक सदस्य दिनेश शर्मा ने किया।

जिला प्रमुख ने ताइक्वांडो खिलाड़ियों का स्वागत किया

टोंक (निसं)। राजस्थान ताइक्वांडो कप 2022 में टोंक के छात्रों ने 6 स्वर्ण 7 रजत 4 कांस्य पदक जीतकर कीर्तिमान स्थापित कर 17 पदक अपने नाम किये है, जिस पर जिला प्रमुख सरोज नरेश बंसल ने खिलाडियों का स्वागत कर बधाई दी। द टाइगर मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी टोंक के निदेशक कृष्ण मुरारी प्रजापत ने बताया कि राजस्थान ताइक्वांडो कप 2022 में लवीना जीनवाल पुत्री संजय कुमार, हर्षुल प्रकाश पुत्र जयन्ती प्रकाश नुवाल, अमायरा टिक्कीवाल पुत्री पंकज टिक्कीवाल, वैभव सैन पुत्र आशुतोष सैन, जय वर्मा पुत्र धन्नालाल वर्मा तथा कैशव कुमावत पुत्र भारत कुमावत ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

इसी प्रकार यजुर्व अभिषेक पुत्र अभिषेक शर्मा, शुभांगी दीक्षित पुत्री राजेश कुमार दीक्षित, देवांश मेमोरिया पुत्र महेश बैरवा, दीप्तांशु प्रजापत पुत्र रमेश चंद प्रजापत, कनिष्का टिक्कीवाल पुत्री गोलू टिक्कीवाल,

राजस्थान ताइक्वांडो कप में टोंक के छात्रों के पदक जीतने पर जिला प्रमुख सरोज बंसल ने माला व मेडल पहनाकर स्वागत किया

यासिर खांन पुत्र महबूब अहमद खान तथा धरा शाहू पुत्री राजेश साहू ने रजत पदक एवं मृगाक्षी कक्चल पुत्री नीरज टिक्कीवाल ,कुशाल वर्मा पुत्र धन्नालाल वर्मा, पीयूष वर्मा पुत्र शंकर लाल वर्मा तथा गरिमा सेनी पुत्री रमेश चंद सेनी ने कांस्य पदक जीतकर राज्य मे टोंक जिले का नाम रोशन किया है।

इन छात्रो को जिला प्रमुख सरोज बंसल ने माला व मेडल पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। निदेशक कृष्ण मुरारी प्रजापत ने बताया कि वर्तमान में द टाइगर मार्शल आर्ट एण्ड फिटनेस अकेडमी के दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को निखारा जा रहा है तथा छात्रों को 3 से 4 घंटे का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिससे टोंक के छात्र-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेंगे। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रदीप पंवार, रोहिताश्व कुमावत, पार्षद बादल साहू, तरुण आदि मौजूद थे।

रीट की तैयारी कर रहा था, मोबाइल स्नैचर बना

अलवर, (निसं)। अलवर में रीट की तैयारी कर रहे 21 साल के युवक को पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग के मामले में पकडा है। आरोपी का पिता सरकारी टीचर है। आरोपी का साथी अभी फरार है। पुलिस के मुताबिक 2 सितम्बर को एसपी आवास के सामने रोड पर चलते व्यक्ति से दोनों ने मोबाइल छीन लिया था। बाइक के नंबर के आधार पर पुलिस ने एक आरोपी गिरफ्त में लिया है। दूसरा फरार है।

कोतवाली के एएसआई विजेंद्र सिंह ने बताया कि परिवादी इस्लाम खान निवासी बेरा का बास थाना रामगढ ने रिपोर्ट दी कि 2 सितंबर को वह मन्नी का बड से होते हुए नेहरू गार्डन के सामने से जा रहा था। तभी पीछे से बाइक पर दो युवक आए। उन्होंने झपट्टा देकर मोबाइल छीन लिया।

परिवादी ने उनकी बाइक के नंबर देख लिए थे। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी संजीव कुमार उर्फ संजय पुत्र लक्ष्मण सिंह जुगरावर बडौदामेव को जेल चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। वहीं उसका साथी गोविंदा उर्फ गोलू निवासी बडौदामेव फरार है। जिसकी पुलिस तलाश में है। गिरफ्त में आए आरोपी को कोर्ट में पेश कर 3 दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी संजीव रीट की तैयारी कर रहा था। जिसने अलवर के मोती नगर में कमरा किराए पर लिया हुआ था। जिसके पिता लक्ष्मणगढ में सरकारी स्कूल में टीचर हैं। आरोपी युवक का दूसरा साथी गांव से आया था। जिन्होंने राह चलने वाले से मोबाइल छीनने का प्लान बनाया। अलवर के एसपी आवास के सामने रोड पर जा रहे व्यक्ति से करीब 15 हजार रुपए का मोबाइल छीना। इस पैसे से शराब पार्टी करने का प्लान था। पुलिस ने बताया कि अभी आरोपी को 3 दिन के रिमांड पर लिया है। जिसके साथी को अभी पुलिस तलाशने में लगी है। रिमांड के दौरान पुलिस को और भी मामलों का पता चल सकता है। हालांकि अभी गिरफ्त में आया आरोपी बता रहा है कि यह पहली वारदात थी। शराब पार्टी करने के लिए ऐसा किया गया। छीना गया मोबाइल भी उसका साथी लेकर चला गया। वह तो बाइक चला रहा था।

बाइक चोर गिरोह के दो गिरफ्तार

बहरोड/नीमराना, (निसं)। जयपुर शहर से मोटरसाइकिल चोरी करने वाले सरगना गिरोह के आरोपी संदीप व सुमित को नीमराणा पुलिस ने नीमराणा के कृष्णा टावर से चोरी हुई मोटरसाइकिल की गहनता से छानबीन में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर धर दबोचा। घटना में 5 सितंबर को साहिल पुत्र प्रकाश चंद यादव निवासी फौलादपुर थाना शाहजहापुर जिला अलवर ने मामला दर्ज कराया था कि 4 अप्रैल को शाम को 7 बजे उसकी मोटरसाइकिल कृष्णा टावर नीमराणा में खडी थी जिसको कोई व्यक्ति चोरी कर ले गया। नीमराना थाना अधिकारी प्रेम प्रकाश की गठित टीम के द्वारा उच्चाधिकारियों के निर्देशन में घटनास्थल कृष्णा टावर नीमराणा के सीसीटीवी फुटेज खंगालने व हाईवे के टोल नाकों पर पूछताछ में सीसीटीवी चेकिंग संभावित तलाशी से 5 सितंबर को मुखबिर की सूचना से कृष्णा टावर के आसपास घूमने के दौरान संदीप कुमार निवासी शुक्ला वास थाना सरुण्ड जिला जयपुर ग्रामीण व सुमित कुमार निवासी बलावा थाना नारनौल सदर जिला महेंद्रगढ हरियाणा को दो बाईक को जप्त करते हुए गिरफ्तार किया गया।

जलझूलनी एकादशी पर डोलों में सवार होकर जल विहार के लिए निकले ठाकुरजी

- लंबी कतारों में लगकर ठाकुरजी का लिया आशीर्वाद
- डिग्गीगढ़ में पर्यटन विभाग की और से हुये सांस्कृतिक कार्यक्रम

मालपुरा, (निसं)। जलझूलनी एकादशी के पावन पर्व पर मालपुरा शहर सहित उपखण्ड क्षेत्र में डोलो में सवार हो जल विहार को निकले ठाकुरजी के दर्शनो के लिए आस्था का सैलाब उमड पडा। शहर के प्रमुख सीतारामजी मंदिर के डोले की अगुवाही में शहर मे सर्व समाज के छत्तीस मंदिरों से मखमली डोलो मे सवार होकर बैण्ड की मधुर धुनों पर रामनाम संकीर्तन टोलियों के साथ निकले ठाकुरजी के डोलो का अदभुत संगम सुभाष सर्किल पर हुआ। चार दिशाओ से निकली डोल यात्राए सुभाष सर्किल पर सामुहिक डोल यात्रा मे तब्दील हुई।

नगरपालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी की और से पहली बार नवाचार करते हुए डोल यात्रा मार्ग मे ग्रीन कालीन बिछाई गई। तो जगह-जगह पुष्प वर्षा व जलपान की स्टॉल लगाई गई। हिन्दु समरसता मंच द्वारा डोल यात्रा पर भव्य रूप दिया गया। सर्व समाज के ठाकुरजी के डोलो के निचे से निकलने के लिए

एकादशी पर मालपुरा में मखमली डोलों में सवार होकर जल विहार के लिए ठाकुरजी निकले जिन्हे देखने भक्त उमड़े।

श्रद्धालूओं की लम्बी कतारे लगा सुगमता से दर्शनो की व्यवस्था की गई। ब्रह्म सरोवर व झालरा तालाब मे जल विहार के बाद गणगोरी मैदान नीलकण्ठ महादेव मंदिर के सामने ठाकुरजी की सामुहिक संध्या आरती कर पुनः ठाकुरजी को मंदिरो मे विराजमान किया गया। डीवाईएसपी सुशीन मान व थानाधिकारी कैलाश विश्नोईक कडे पुलिस जाप्ते के साथ मुस्तैद रहै। डिग्गी मे कल्याणजी महाराज के डोले की अगुवाही मे निकली डोल यात्रा के दौरान इन्द्रदेव तेज गर्जना के साथ जमकर बरसे। विजय सागर तालाब मे कल्याणजी महाराज को नोका विहार कराया गया। वही डिग्गीगढ परिसर मे राजस्थान सरकार पर्यटन विभाग द्वारा सीताराम ट्रस्ट जयपुर व रामदास ट्रस्ट डिग्गी के सहयोग से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम व अलगोजा झांझ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। राजस्थान के सुप्रसिद्ध कलाकार मनराज दिवाना एण्ड पार्टी द्वारा दी गई प्रस्तुतियों पर हजारो की संख्या मे मौजूद जनसमुह झुम उठे। तो विभिन्न क्षैत्रो से आई ढोलक-झांझ पार्टी व कच्ची घोडी पार्टीयो ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त

'प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती'

अलवर, (निसं)। लक्ष्य को निर्धारित कर सफलता हासिल करने के लिए मेहनत कर हम अपने मुकाम को हासिल कर सकते हैं। यह कहना है अलवर के प्रतिभाशील विद्यार्थी अरनव सिंह का। एपीजे विद्यालय नोएडा में यूनाईटेड नेशंस दो दिवसीय डिबेट का आयोजन किया गया। देशभर से इस प्रतियोगिता में 300 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया। अलवर निवासी कक्षा 11वीं के छात्र अरनव सिंह भी इस सम्मेलन में शामिल हुए। अरनव प्रदेश के एकमात्र छात्र रहे जिन्होंने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। आल इंडिया पॉलिटिकल पार्टीज मीट डिबेट में उन्होंने भाग लिया। दो दिवसीय इस सम्मेलन के साथ अरनव ने वाद-विवाद किया। इस डिबेट में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। आयोजकों ने उन्हें बेस्ट रिप्रजेंटिव के खिताब से नवाजा। इसके अतिरिक्त उन्हें केश प्रिजेस अवं ट्राफीज भी प्रदान की गई।

शिक्षकों की श्रेष्ठता पर डाला प्रकाश

मंडावरी, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महारिया में मंगलवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा शिक्षकों की श्रेष्ठता एवं उनके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्याख्याता सांवल राम मीना ने की। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने उद्बोधन में भाषण और कविताओं के माध्यम से शिक्षक दिवस और शिक्षक के महत्व पर संबोधन दिया और साथ ही सभी गुरूजनों को तिलक लगाकर लेखनी भेंट की। कार्यक्रम में सभी शिक्षक एवं मंत्रालयिक कार्मिक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भूरा मल योगी व्याख्याता ने किया। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राएं एवं विद्यालय परिवार एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

पिकअप पलटी, एक की हुई मौत

निवाई, (निसं)। हाईवे पर देर रात को पिकअप पलटने से 52 वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु हो गई। थानाधिकारी अजय कुमार ने बताया कि देर रात को करीब दो बजे एक पिकअप में सवार होकर थोक फल-सब्जी व्यापारी गोविंदराम उर्फ गोप पुत्र ताराचंद सबनानी निवासी भगतसिंह कॉलोनी तथा दूसरा व्यापारी कैलाश सैनी चालक मुरली खंगार के साथ पिकअप में सवार होकर फल व सब्जी लेने के लिए जयपुर रवाना हुए थे। बाईपास पर ट्रक यूनियन के आगे उनकी पिकअप असंतुलित होकर सडक के किनारे गड्ढे में जा गिरी। गोविंदराम पिकअप से नीचे गिर गया। घटना के बाद चालक और व्यापारी कैलाश सैनी पिकअप से बाहर निकले। घटना की सूचना पर पुलिस और अन्य लोगों को दी। पुलिस मौके पर पहुंच कर क्रेन से गड्ढे में पडी पिकअप को बाहर निकाला। गोविंदराम की पिकअप के नीचे दब जाने मृत्यु हो गई। पुलिस शव को सीएचसी की मोर्चरी में रखवा दिया। मंगलवार की सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

कुएं में डूबने से एक की मौत

निवाई, (निसं)। गांव सीदडा में कुएं में डूबने से एक युवक की मौत हो गई और मौके पर सैकडों ग्रामीण एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर थानाधिकारी अजय कुमार और तहसीलदार प्रांजल कंवर गांव सीदडा पहुंचे। पुलिस ने युवक को निकालने का प्रयास किया लेकिन कुएं में पानी की अधिकता होने से पुलिस ने इंजन चलवाकर पानी निकल वाया। थानाधिकारी ने बताया कि कुएं में करीब 60 फीट पानी होने की वजह से युवक का पता नहीं चला पाया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम बुलवाई गई। एसडीआरएफ टीम के चार जवान कुएं में उतरे। एक जवान ऑक्सीजन कीट पहनकर गहरे पानी उतर गया। और आधे घंटे बाद डूबे युवक भरतलाल मीणा पुत्र किशनलाल मीणा के शव को पानी से बाहर लेकर आया। इसके बाद लोगों के सहयोग से युवक के शव को कुएं से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। मंगलवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

किशनगढ़बास में फायर स्टेशन शुरू

किशनगढ बास, (निसं)। पालिका किशनगढ बास में अग्निशमन वाहन आने पर फायर स्टेशन शुरू कर दिया गया है। ईओ महेश गुर्जर ने बताया कि नगरपालिका के टोल फ्री नंबर 101 व टेलीफोन नंबर 2420533 पर आग लगने की सूचना दी जा सकती हैं।

सार-समाचार

शिक्षक कमलसिंह गुर्जर का अभिनंदन

दौसा, (निसं)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गांधी चौक दौसा में मंगलवार को राज्य स्तर पर सम्मानित शिक्षक कमलसिंह गुर्जर का अभिनन्दन एवं स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य सीमा मीणा ने कहा कि स्थानीय विद्यालय के अध्यापक कमल सिंह गुर्जर के द्वारा विद्यालय विकास एवं विद्यार्थियों के शैक्षणिक उन्नयन के साथ नवाचार पूर्ण किए गए अनुसंधान कार्यों के लिए राज्य स्तर पर 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के उपलक्ष में सम्मानित किया गया विद्यालय परिवार के लिए यह गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उन्होने बताया कि गुर्जर विद्यालय के चहुमुखी एवं सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उप प्रधानाचार्य सुनीता मीणा ने बताया कि विद्यालय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है हम ऐसे शिक्षक का सम्मान करते हुए गौरवान्वित हैं। सम्मान समारोह में रेणु मीणा, सुगना मीणा, अनीता शर्मा, किशन लाल मीणा, सतीश चंद गुप्ता, हरकेश मीणा, सुनीता शर्मा, उर्मिला मौर्य, गायत्री शर्मा, मंजू शर्मा, प्रतिभा शर्मा, तारा देवी शर्मा इत्यादि ने अपने विचार प्रकट करते हुए सम्मान किया।

एसडीएम को ज्ञापन दिया

गोविंदगढ /अलवर, (निसं)। कस्बे के राजकीय पीजी महाविद्यालय में पहले ही व्याख्याताओं की कमी चल रही है। महाविद्यालय में 16 सौ से भी अधिक विद्यार्थियों पर मात्र चार व्याख्याता कॉलेज में कार्यरत हैं फिर भी कॉलेज प्रशासन ने एक प्रोफेसर प्रदीप को गोविंदगढ से डेपुटेशन पर जयपुर लगा दिया जिसका विरोध छात्र शक्ति ने छात्रसंघ अध्यक्ष अंकित गुर्जर के नेतृत्व में किया और मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी रेखा मीणा को प्रोफेसर का डेपुटेशन कैंसिल करके वापस गोविंदगढ महाविद्यालय में नियुक्त करने का ज्ञापन दिया। छात्रसंघ अध्यक्ष अंकित फागना ने बताया कि राजस्थान सरकार और एजुकेशन डिपार्टमेंट ने अगर प्रोफेसर प्रदीप का डेपुटेशन 10 दिन के अंदर कैंसिल करके वापस गोविंदगढ महाविद्यालय में नहीं लगाया तो छात्र शक्ति बहुत बडा आंदोलन खडा करेगी और कॉलेज गेट पर ताला जड दिया जाएगा। इस दौरान अजीत कुमार, रविकांत शर्मा, अंकित गुर्जर, चेतराम सैनी, गुरप्रीत सिंह, पल्लवी, बुलबुल, गौरव सैनी, दीपक सैनी, तुषार सैनी, महेश चंद सैनी, सचिन जोधा आदि मौजूद रहे।

माली समाज की कार्यकारिणी गठित

उनियारा/चौरु, (निसं)। उनियारा में तहसील स्तरीय माली समाज की चामुंडा माता परिसर के प्रांगण में मीटिंग का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक जिला उपाध्यक्ष हरिनारायण सैनी बालीथल, उनियारा तहसील अध्यक्ष प्रभु लाल सैनी तथा उनियारा शहर अध्यक्ष तेजपाल सैनी के सानिध्य में हुई। आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से तहसील स्तर की कार्यकारिणी गठित की गई। इसमें तहसील उपाध्यक्ष कमलेश सैनी हुकमपुरा, कजोड मल सैनी मुबारकनगर, हरिराम माली बनेठा, राजेंद्र सैनी, चौथमल सैनी पचाला, कन्हैया लाल सैनी उनियारा, सोजी लाल माली बालीथल, शंकरलाल सैनी अलीगढ , राजेंद्र सैनी बनेठा, संरक्षक हरगोविंद सैनी, बद्री भारती पचाला, प्रहलाद सैनी, महामंत्री मोहनलाल सैनी बारवाल उनियारा, कोषाध्यक्ष नरेंद्र सैनी उनियारा, सचिव लोकेश सैनी उनियारा, मंत्री हरिराम सैनी चोरू, मुकेश सैनी बामणिया, हरगोविंद सैनी चोरू, कानूनी सलाहकार रामकिशन सैनी एडवोकेट, ओम प्रकाश सैनी उनियारा एडवोकेट को मनोनीत किया गया। वहीं मीडिया प्रभारी पद पर अशोक कुमार सैनी चोरु, मदन लाल सैनी हुकमपुरा, अशोक कुमार सैनी उनियारा को नियुक्त किया गया।

11 शिक्षक एवं 34 प्रतिभाओं का सम्मान

राजगढ, (निसं)। कस्बे में लायंस क्लब की ओर से ब्राह्मण धर्मशाला में शिक्षक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन तहसीलदार जुगिता मीना के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। सम्मान समारोह में 11 शिक्षकों एवं 34 प्रतिभाओं का शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि तहसीलदार जुगिता मीणा ने कहा कि शिक्षक का स्थान सर्वोपरि है। शिक्षक सम्मान दिवस या कार्यक्रम तक सीमित नहीं बल्कि शिक्षक का सम्मान हमेशा होना चाहिए। इस अवसर पर लायंस क्लब की ओर से क्लब की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सीबीईओ रामेश्वर दयाल मीणा ने कहा कि लायंस क्लब की ओर से जिन शिक्षकों का चयन किया गया है वह श्रेष्ठ हैं। मीना ने लायंस क्लब की ओर से किए गए सम्मान समारोह की सराहना की। सम्मान समारोह में शारीरिक शिक्षिका यशोदा मठवाल, बबीता मीणा सहित 11 शिक्षकों एवं दसवीं 12वीं में 90 फ़ीसदी से अधिक अंक लाने वाले 34 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष अजय यादव, सचिव वीरेंद्र दाधीच कोषाध्यक्ष प्रदीप महावर, मदन लाल शर्मा, नंद लाल बैरवा रीजनल सलाहकार खेम सिंह आर्य, संजय राजस्थानी, कुलदीप सिंह आर्य, एनएल वर्मा जिनेंद्र जैन एवं सुरेश सेन आदि मौजूद रहे।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

पावटा, (निसं)। मंगलवार को पावटा शहर के प्रागपुरा थाना क्षेत्र के पास स्थित बावडी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई है। मौके पर मौजूद लोगों ने मामले के बारे में प्रागपुरा पुलिस को बताया। प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह व एएसआई रामोतार द्वारा शव को कब्जे में लेकर शव का पंचनामा किया और शव को कोटपुतली बीडीएम अस्पताल की मोर्चरी मे रखवाया गया है। युवक की उम्र 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। मृतक ने शर्ट भी नही पहन रखी थी व उस ने पैरो मे चप्पल भी नहीं पहन रखी थी। उसके दाहिने पैर में गंभीर चोट के निशान है। मृतक युवक की अभी तक शिनात नही हो पाई है। आपको बता दें की वही पुलिस ये पता लगाने में लगी है की यह आदमी कहा से आया था और कहा जा रहा था। अभी तक ये नहीं पता चल पाया है की युवक कहाँ जा रहा था और किस काम से जा रहा था। प्रागपुरा पुलिस एक्सीडेंट करने वाले वाहन की भी तलाश कर रही है। आसपास में लगे सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाले जा रहे है।

व्यापारी की सड़क दुर्घटना में मौत

टोंक, (निसं)। जयपुर-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग 12 पर बीती रात एक सडक दुर्घटना में फल- सब्जी मंडी व्यापारी की दर्दनाक मौत हो गई तथा 2 अन्य गंभीर घायल हो गए। निवाई थानाधिकारी अजय कुमार मीना ने बताया कि बीती रात करीब ढ़ाई बजे निवाई से जयपुर मुहाणा मंडी फल - सब्जी लेने जाते समय हाईवे पर ज्योति धर्म कांटे के पास सडक पर खडे तेल टैंकर से टकरा कर गहरी खाई में भरे पानी में पलट गई। जिसमे सवार निवाई फल-सब्जी मंडी व्यापारी गोप सबनानी (45) पुत्र ताराचन्द सबनानी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक व घायलों को निकाल कर निवाई के राजकीय सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया। मृतक गोप सबनानी का पोस्ट मार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया, घायलों का उपचार जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

35 छात्राओं को शिक्षण सामग्री बांटी

फागी, (निसं)। उपखण्ड मुख्यालय के पंडों के मोहल्ले में संचालित लक्ष्मी विद्या मंदिर परिसर में आरटीई के तहत निःशुल्क शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर लक्ष्मी विद्या मंदिर रामेश्वर प्रसाद मान हाला ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा मिलने वाली सुविधा का लाभ प्रत्येक वंचित छात्र छात्राओं को उठाना चाहिए। राज्य सरकार ने गरीब परिवारों के छात्र छात्राओं के लिए यह योजना जो लागू की है, वह बहुत ही सराहनीय है। संचालक मानहाला के नेतृत्व में छात्र छात्राओं को शिक्षक गणों ने आरटीई के तहत 1 से 8 तक के 35 विद्यार्थियों को निःशुल्क सहायक सामग्री वितरित की।

याद रखें कि खेलों में आप कुछ मुकाबले जीतते हैं और कुछ हारते हैं। आइए क्रिकेट या किसी अन्य खेल को व्यक्तिगत हमलों से मुक्त रखें। अर्शदीप कड़ी मेहनत जारी रखें।"
- सचिन तेंदूलकर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अर्शदीप के मामले पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

केन विलियमसन

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन का मानना है कि कई टी20 आने से विश्व भर में क्रिकेट का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है तथा फ्रेंचाइजी क्रिकेट और राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलने के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। विलियमसन का यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि दुनियाभर के क्रिकेटर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वजह टी20 लीग में खेलना चाहते हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा," यह मुश्किल स्थिति है क्योंकि सब कुछ बदल रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे सब कुछ बहुत तेजी से हो रहा है।"

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैण्ड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका ने भारत को मात दी

एशिया कप के फाइनल में पहुंचने के लिये भारत दूसरी टीमों पर निर्भर

दुबई, 06 सितंबर। श्रीलंका ने पथुम निसंका (52) और कुसल मेंडिस (57) के अद्धर्शतकों के बाद दसुन शनाका (33 नाबाद) भनुका राजपक्षे (25 नाबाद) की बहुमूल्य पारियों की बदौलत भारत को एशिया कप 2022 के सुपर-4 मैच में मंगलवार को छह विकेट से मात दी।

भारत ने श्रीलंका को 20 ओवर में 174 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने 19.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। श्रीलंका को आखिरी ओवर में सात रनों की दरकार थी। अर्शदीप सिंह ने बेहतरीन प्रयास करते हुए पहली चार गेंदों पर सिर्फ पांच रन दिये, लेकिन पांचवीं गेंद पर ओवरथ्रो के कारण श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने दो रन भागकर जीत हासिल की। सुपर-4 के अपने पहले दोनों मुकाबले हारने के बाद रोहित शर्मा की टीम अब एशिया कप के फाइनल में पहुंचने के लिये दूसरी टीमों पर निर्भर है। भारत ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 13 रन पर दो विकेट गंवा दिये थे, जिसके बाद रोहित ने कप्तानी पारी खेलते हुए 41 गेंदों पर पांच चौके और चार छक्के जड़कर 72 रन बनाये। रोहित ने सूर्यकुमार यादव (34) के साथ तीसरे विकेट के लिये 97 रन जोड़े, हालांकि इसके अलावा भारत की ओर से कोई बड़ी साझेदारी नहीं हुई।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
राहुल पगबाधा बो तीक्षणा	6			
रोहित का निसांका बो करूणारत्ने	72			
कोहली बो मधुशंका	0			
सूर्यकुमार का तीक्षणा बो शनाका	34			
पंड्या का निसांका बो शनाका	17			
पंत का निसांका बो मधुशंका	17			
हुड्डा बो मधुशंका	3			
अश्विन नाबाद	15			
भुवनेश्वर बो करूणारत्ने	0			
अर्शदीप सिंह नाबाद	1			

अतिरिक्त : 8
कुल योग : 20 ओवर में 8 विकेट पर 173 रन
विकेट पतन : 1-11, 2-13, 3-110, 4-119, 5-149, 6-157, 7-158, 8-164
गेंदबाजी : मधुशंका 4-0-24-3, तीक्षणा 4-0-29-1, करूणारत्ने 4-0-27-2, फर्नांडो 2-0-28-0, डिसिल्वा 4-0-39-0, शनाका 2-0-26-2

श्रीलंका	रन	गेंद	4	6
पाथम कॉ रोहित बो चहल	52	37	4	2
मेडिंस पगबाधा बो चहल	57	37	4	3
असलंका कॉ सूर्यकुमार बो चहल	0	3	0	0
धनुष्का कॉ राहुल बो अश्विन	1	7	0	0
राजपक्षा नाबाद	25	17	0	2
शनाका नाबाद	33	18	4	1

अतिरिक्त : 6
कुल योग : 19.5 ओवर में 4 विकेट पर 174 रन
विकेट पतन : 1-97, 2-97, 3-110, 4-110
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-30-0, अर्शदीप 3.5-0-40-0, पंड्या 4-0-35-0, चहल 4-0-34-3, अश्विन 4-0-32-1

ग्रीन, कैरी के अद्धर्शतक से जीती ऑस्ट्रेलिया

केर्न्स, 06 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया ने कैमरन ग्रीन (89 नाबाद) और एलेक्स कैरी (85) की संकटमोचक पारियों की बदौलत न्यूज़ीलैंड को पहले एकदिवसीय मैच में मंगलवार को दो विकेट से मात दी।

न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 233 रन का लक्ष्य दिया था, जिसका पीछा करते हुए आधी कंगारू टीम 44 रन पर पवेलियन लौट गयी थी।

टीम के ऊपरी और मध्य क्रम के असफल होने के बाद कैरी और ग्रीन ने छठे विकेट के लिये 158 रन की विशाल साझेदारी की। कैरी ने 99 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की बदौलत 85 रन बनाए जबकि ग्रीन ने 92 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्का लगाकर 89 रन की नाबाद पारी खेली।

40वें ओवर में कैरी के आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया थोड़ी लड़खड़ाई और ग्लेन मैक्सवेल (02) के साथ मिचेल स्टार्क (01) भी जल्द पवेलियन लौट गए, लेकिन ग्रीन ने एडम जैम्पा के साथ 26 रन की साझेदारी कर कंगारुओं को रोमांचक मुकाबले में दो विकेट से जीत दिलायी।

इससे पहले, न्यूजीलैंड ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 232 रन बनाए।

कीवी टीम की ओर से डेवोन कौन्वे ने 46 (68), कप्तान केन विलियमसन ने 45(71) और टॉम लैथम ने 43(57) रन बनाए। इसके अलावा डेरिल मिचेल ने 33 गेंदों पर 26 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने एक भी कीवी बल्लेबाज को 50 का आंकड़ा नहीं छूने दिया।

ग्लेन मैक्सवेल ने 10 ओवर में 52 रन देकर चार विकेट झटकाए, जबकि जॉश हेजलवुड ने 10 ओवर में सिर्फ 31 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके अलावा मिचेल स्टार्क और एडम जैम्पा को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड गुरुवार, आठ सितंबर को दूसरे एकदिवसीय मैच में एक-दूसरे का सामना करेंगी।

टियाफो ने नडाल को मात देकर यूएस ओपन से बाहर किया

न्यूयॉर्क, 06 सितंबर। अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने बड़े उलटफेर में 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता और दूसरी सीड राफेल नडाल को मात देकर यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। टियाफो ने चौथे दौर में सोमवार को चार बार के यूएस ओपन चैंपियन नडाल को 6-4, 4-6, 6-4, 6-3 से मात दी। 24 वर्षीय टियाफो ने तीन घंटे 31 मिनट चले मैच में तीसरी बार किसी शीर्ष-5 रैंकिंग वाले खिलाड़ी को हराया। जीत के बाद भावुक हुए टियाफो ने कहा, "मैं खुश हूं, और भावुक भी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। मैंने आज अविश्वसनीय टेनिस खेला। मैं वास्तव में नहीं जानता कि क्या हुआ।" टियाफो ने इससे पहले नडाल के खिलाफ दो मैच खेले थे जहां वह एक भी सेट नहीं जीत सके थे। इस बार अमेरिकी खिलाड़ी ने 49 विजेता शॉट लगाये और पासा पलटते हुए नडाल से ऑस्ट्रेलियन ओपन 2019 की क्वार्टरफाइनल हार का बदला लिया। टियाफो ने कहा, "जब मैं पहली बार अंतरराष्ट्रीय टेनिस में आया तो मुझे लगा जैसे बहुत से लोगों को मुझसे बहुत उम्मीदें थीं। मैं मानसिक रूप से इसके लिए तैयार नहीं था। पिछले कुछ वर्षों में मैं तनाव से उभरा जिससे मुझे बेहतर बनने में मदद मिली।

द. अफ्रीका ने टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की

जोहांसबर्ग, 06 सितंबर। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए मंगलवार को प्रोटियाज टीम की घोषणा की, जिसमें कप्तान टेम्बाए बावुमा की वापसी हुई है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जून में हुई टी20 शृंखला के दौरान बावुमा की कोहनी में चोट आई थी जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे। सीएसए ने बताया कि बावूमा अब पूरी तरह स्वस्थ हो गए हैं और लगातार दूसरे टी20 विश्व कप में अपनी टीम की अगुवाई करेंगे।

विस्फोटक बल्लेबाज रैसी वैन डेर डुसेन को इंग्लैंड में दूसरे टेस्ट मैच के दौरान लगी उंगली की चोट से न उभर पाने के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है। 33 वर्षीय डुसेन की सर्जरी होने की आशंका है, जो उन्हें कम से कम छह हफ्तों के लिए मैदान से दूर रखेगी।

इंग्लैंड दौरे के लिए छह साल बाद टी20 टीम में जगह बनाने वाले राइली रूसो ने भी 15 सदस्यीय दल में जगह बनाई है। यह टीम विश्वकप से पहले तीन मैचों की टी20 शृंखला के लिए सितंबर में भारत दौरा भी करेगी।

सीएसए चयनकर्ताओं के संयोजक विक्टर म्पित्सांग ने टीम चयन के बाद कहा, यह चयन करने के लिए वास्तव में एक कठिन टीम रही है, सिर्फ इसलिए कि पिछले कुछ महीनों से हमारे बहुत सारे खिलाड़ी उत्कृष्ट फॉर्म में थे और एक स्तर पर प्रदर्शन कर रहे थे जिसने चयनकर्ताओं को उन पर विचार करने के लिए मजबूर किया।

टीम: टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, हेनरिक क्लासेन, रीजा हेंड्रिक्स, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्त्जे, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कगिसो रबाडा, राइली रूसो, तबरेज़ शम्सी .

अतिरिक्त खिलाड़ी: ब्योर्न फोर्टुइन, मार्का जेन्सन और एंडिले फेहलुकवेओ।

सुदेवा और रेंजर्स की जीत

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। डूरंड कप खेल कर लौटी दिल्ली की दो मंजी हुई टीमों के बीच मंगलवार को नेहरू स्टेडियम में खेले गए संघर्षपूर्ण मुकाबले में सुदेवा दिल्ली एफसी ने वायुसेना एफसी को अंकुर सिंह के आत्मघाती गोल की मदद से हरा दिया।

भले ही सुदेवा को 1-0 की जीत के बाद पूरे अंक मिले लेकिन वायु सेना की हार में सुदेवा के गोलकीपर आशीष सीबी ने बड़ी भूमिका निभाई। वायुसेना ने पिछड़ने के बाद बार-बार सुदेवा की रक्षापंक्ति को भेदा लेकिन हर बार गोली आशीष मुस्तैद नजर आये।

उन्होंने प्रभजोत, विवेक और मनदीप के हर प्रयास को विफल किया। आशीष ने कम से कम आधा दर्जन मौकों पर सुंदर बचाव कर वाह वाह लूटी जिसके लिये उन्हें मैन ऑफ द मैच आंका गया।

रैना ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहा

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने मंगलवार को सभी प्रारूपों से सन्यास लेने की घोषणा करते हुए अपने इंडियन प्रीमियर लीग और घरेलू क्रिकेट करियर के समापन पर मुहर लगायी।

रैना ने ट्विटर पर कहा, अपने देश और राज्य उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिये सम्मानजनक रहा है। मैं क्रिकेट के सभी प्रारूपों से सन्यास लेने की घोषणा करता हूं। मैं बीसीसीआई, उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसियेशन, चेन्नई सुपर किंग्स, श्री राजीव शुक्ला और अपने सभी प्रशंसकों को उनके समर्थन और मेरी क्षमताओं में विश्वास के लिये धन्यवाद देता हूं।

रैना के सन्यास के ऐलान के बाद उनकी आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स ने ट्वीट कर उन्हें विदाई दी है। चेन्नई ने ट्वीट कर लिखा कि अंबुदेन की सड़कें आपको भुला नहीं सकती। आप हमारे लिए बहुत ज्यादा मायने रखते हैं।

उल्लेखनीय है कि रैना ने 15 अगस्त 2020 को पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के

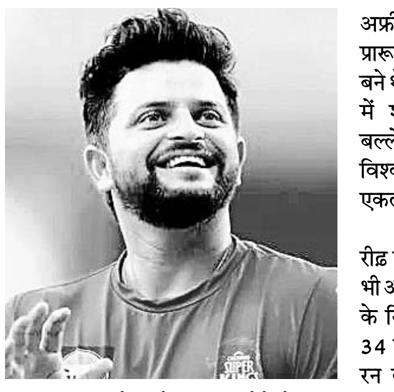

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने के बाद स्वंय भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

रैना ने अपने 17 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में 18 टेस्ट, 226 एकदिवसीय मैच और 78 टी20 अंतराष्ट्रीय मुकाबले खेले। उन्होंने अपने एकदिवसीय करियर में 5615 रन बनाये जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 1605 रन जोड़े।

रैना टी20 विश्व कप 2010 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सैकड़ा जड़कर इस प्रारूप में शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे। वह काफी लंबे समय तक तीनों प्रारूपों में शतक बनाने वाले एकलौते भारतीय बल्लेबाज बने रहे, और आज भी वह टी20 विश्व कप में 100 रन का आंकड़ा छूने वाले एकलौते भारतीय बल्लेबाज हैं।

लंबे समय तक भारतीय मध्यक्रम की रीढ़ रहे रैना ने विश्व कप 2011 की जीत में भी अहम योगदान दिया था। रैना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्वार्टरफाइनल में 28 गेंदों पर 34 रन बनाते हुए युवराज सिंह के साथ 74 रन की साझेदारी की और भारत को जीत दिलायी थी। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आये रैना टीम के आखिरी प्रमुख बल्लेबाज थे। ऐसे में उन्होंने युवराज के साथ बहुमूल्य रन जोड़कर टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाया था।

रैना ने पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में भी संकटमोचक की भूमिका निभाई थी। कप्तान धोनी (25) के आउट होने के बाद टीम के 205 रन पर छह विकेट गिर चुके थे। रैना ने यहां 39 गेंदों पर 36 रन की पारी खेली और पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ रन जोड़ते हुए टीम को 260 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। रैना का योगदान बहुमूल्य साबित हुआ और भारत ने पाकिस्तान को 39 रन से हराकर फाइनल में कदम रखा।

मिस्टर आईपीएल के नाम से प्रख्यात रैना ने आईपीएल में 205 मैच खेलकर 32.52 की औसत से 5528 रन बनाये। रैना अपने आईपीएल करियर के एक बड़े हिस्से के दौरान चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के प्रमुख खिलाड़ी रहे। वह आज भी 11 सीज़न में 4687 रन बनाकर सीएसके के सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। फ्रेंचाइज़ी ने हालांकि उन्हें 2022 की नीलामी से पहले रिलीज़ कर दिया, जहां वह किसी भी टीम द्वारा नहीं खरीदे गये। उत्तर प्रदेश के लिये 2002-2003 में अपने घरेलू करियर की शुरुआत करने वाले रैना ने 109 प्रथम श्रेणी मैच खेलकर 6871 रन बनाये और 41 विकेट लिये। मध्य प्रदेश के खिलाफ 2005 में अपने लिस्ट-ए करियर की शुरुआत करने के बाद उन्होंने 302 मैचों में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।

पायस-यशस्वी की जोड़ी ने एशियाई चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। पायस जैन और यशस्विनी घोरपड़े की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने मंगलवार को चीन के हान ज़िनयुआन और किन युक्सुआन को 3-2 से हराकर एशियाई जूनियर और कडेट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में अपने चीनी प्रतिद्वंदियों को 11-9, 11-1, 10-12, 7-11, 11-8 से हराया। यह एशियाई चैंपियनशिप में भारत का पहला जूनियर स्वर्ण पदक है। टॉप सीड भारतीय जोड़ी ने मैच में अच्छी शुरुआत करते हुए 2-0 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन ज़िनयुआन-युक्सुआन ने मैच में वापसी करते हुए अगले दो गेम अपने नाम किये। निर्णायक गेम में पायस और यशस्विनी ने संतुलित शॉट खेलते हुए विपक्षी टीम को लाजवाब कर दिया।

इसके अलावा भारत ने अंडर-19 महिला, अंडर-19 पुरुष युगल और अंडर-19 पुरुष टीम इवेंट में भी कांस्य पदक हासिल किये। शीर्ष वरीयता प्राप्त यशस्विनी ने अंडर-19 महिला एकल में क्वार्टरफाइनल तक अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन सेमीफाइनल में चीन की चेन यी से 13-11, 11-9, 11-4, 11-3 के सीधे गेमों में हार गईं और कांस्य पदक से संतोष किया। मिश्रित युगल में यशस्विनी के साथी पायस ने अंडर-19 पुरुष युगल में दिल्ली के साथी यशांश मलिक के साथ जोड़ी बनायी लेकिन यहां वह सोना नहीं जीत सके। पायस और यशांश की भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में युता इइमुरा और युही सकाई की जापानी जोड़ी के खिलाफ 11-8, 11-7, 12-14, 11-6 से हारने के बाद कांसे का तमगा अपने नाम किया। इसी बीच, भारत की अंडर-19 पुरुष टीम को भी जापान के हाथों हार मिली। जापान के लिमुरा, सकाई और कोटारो तकाहाशी ने भारतीय टीम को 3-2 से मात दी, जिसके बाद भारतीय टीम ने कांस्य पदक से संतोष किया।

राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता पैरा खिलाड़ी डोपिंग के घेरे में, नमूने में मोरफिन मिला

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाले एक भारतीय पैरा खिलाड़ी पर डोपिंग का साया मंडरा रहा है चूंकि उनके मूत्र के नमूने में वाडा द्वारा प्रतिबंधित मोरफिन के अंश पाये गए हैं। भारतीय पैरालम्पिक समिति ने कहा कि राष्ट्रमंडल आयोजकों ने इसे डोप उल्लंघन नहीं करा है क्योंकि अंतिम फैसला अभी आया नहीं है । पीसीआई के एक अधिकारी ने बताया ," हम इसे डोप उल्लंघन नहीं कह सकते क्योंकि राष्ट्रमंडल खेल आयोजकों ने नहीं कहा है । जांच चल रही है । उन्होंने कुछ सवाल पूछे और हमने जवाब दे दिये । देखते हैं कि क्या फैसला आता है ।"

अनिकेत चौधरी, अनिरुध सिंह व रोहन राजभर सम्मानित

जयपुर, 06 सितम्बर। राजस्थान ब्लूज क्रिकेट क्लब की ओर से हर वर्ष की भांति राजस्थान कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार में मंत्री रहे मथुरा दास माथुर स्मृति ने उनके जन्म दिवस के अवसर पर एक सादे समारोह में 29वें मथुरा दास माथुर अवार्डस समारोह सम्पपन हुआ। समारोह में राजस्थान के लिए सत्र 2021-22 में उत्कृष प्रर्दशन करने पर सीनियर वर्ग में अनिकेत चौधरी, जूनियर वर्ग में अनिरुध सिंह व सब जूनियर वर्ग में रोहन राजभर को अवार्डस से सम्मानित किया गया।

अवार्डस के तहत सीनियर वर्ग में रु. 15000 (पन्द्रह हजार) तथा जूनियर व सब जूनियर वर्ग में क्रमशः साढ़े सात हजार नकद व सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेंस स्मृति चिन्ह व किट बैग प्रदान किये गये। उल्लेखनीय है कि सीनियर वर्ग में अनिकेत चौधरी यह अवार्ड पाने वाले तीसरे खिलाड़ी है जिन्होने यह अवार्ड दूसरी बार प्राप्त किया है इससे पहले पंकज सिंह, अशोक मेनरिया भी इस अवार्ड को दो बार प्राप्त कर चुके है।

अवार्ड्स समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. महेश जोशी (जलदाय मंत्री, राजस्थान सकरार), विशिष्ट अतिथि कैलाश शर्मा (महन्त श्री गणेश मन्दिर मोती डूॅगरी) व अध्यक्ष विनोद माथुर के द्वारा प्रदान किये गये।

समारोह के अन्त में राजस्थान ब्लूज क्रिकेट क्लब की ओर से विनोद माथुर ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजस्थान सब जूनियर टीम ने स्वर्ण जीता

जयपुर, 06 सितम्बर। 18वीं सब जूनियर राष्ट्रीय कोर्फ बॉल प्रतियोगिता जो 1 से 05 सितम्बर तक महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश में राजस्थान की सब जूनियर टीम के कप्तान हार्दिक सैनी के नेतृत्व में टीम ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर 38 साल में पहली बार गोल्ड मैडल जीता। सब जूनियर राष्ट्रीय कोर्फबॉल प्रतियोगिता में 16 राज्यों की टीमों ने भाग लिया, राजस्थान टीम ने कर्नाटक को (9-0), देहली को (5-2) से, सेमिफाईनल में हिमाचल प्रदेश को (7-4) से व फाईनल में महाराष्ट्र को (6-2) से हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया।

विजेता सब जूनियर टीम के नाम निम्न प्रकार है- बालक: सर्व श्री हार्दिक सैनी (कप्तान), यॉस घायल (जयपुर), ऋषिराज सिंह (नागौर), चेतन कुमार व धीरज कुमार (झुन्झुनूं), करण सिंह राठौड़ (अजमेर) व अमन पठान (बॉरा)।

बालिका: कु0 कुमकुम (नागौर), अलविना (बॉरा), खुश्बू (पाली), कृष्णा (जोधपुर), रिद्यम गुप्ता व खनक गुप्ता (जयपुर)।

राजस्थान की सीनियर टीम से रजत सैनी का चयन नवम्बर में थाईलैंड में होने वाली ऐशियन चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है।

घुटने की सर्जरी सफल, जल्द रिहैब शुरू करूंगा : जडेजा

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के चोटग्रस्त दाहिने घुटने की सर्जरी हुई है और वह जल्द ही रिहैब शुरू करेंगे। जडेजा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जडेजा को घुटने की पुरानी चोट के कारण एशिया कप बीच में ही छोड़ना पड़ा जिसके बाद हरफनमौला अक्षर पटेल को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया था। जडेजा ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर अपनी सर्जरी की जानकारी देते हुए कहा, सर्जरी सफल रही। बड़ी संख्या में लोगों का मुझे समर्थन और सहभागिता मिली, इसके लिये मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं- बीसीसीआई, मेरे टीम के साथी, सपोर्ट स्टाफ, फिज़ियो, डॉक्टर और प्रशंसक। मैं जल्द ही अपना रिहैब शुरू करूंगा और जल्द से जल्द क्रिकेट की ओर लौटने की कोशिश करूंगा। घुटने की चोट के कारण जडेजा जुलाई में वेस्ट इंडीज दौरे पर गयी टीम में शामिल नहीं हो सके थे।

अमेरिकन वैस्ट क्लाइमेंट चेंज से बहुत अधिक प्रभावित है। यहां के बिगड़ते इकोसिस्टम को पुनः बहाल करने के लिए शोधकर्ताओं की एक टीम ने सुझाव दिया है कि जंगल में भेड़ियों और ऊदबिलाव (बीवर्स) को बसाया जाए। उनका कहना है कि, ये जीव मूलभूत इकोलॉजिकल प्रक्रिया को पुनः बहाल करने में मदद करेंगे। शोध के सहलेखक, ओरेगॉन स्टेट युनिवर्सिटी में कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री के स्कॉलर, क्रिस्टोफर वुल्फ ने कहा, ''हम लोग अमेरिकन वैस्ट के संकटों, जैसे भारी सूखा और हीटवेव, जंगल की आग, जैवविविधता में कमी, पानी की कमी, आदि को लेकर बहुत चिंतित थे हमने महसूस किया कि, जंगल में भेड़ियों और ऊदबिलाव को बसाकर किसी हद तक इन समस्याओं को संबोधित किया जा सकता है, जिसके कई फायदे हो सकते हैं। बीस वैज्ञानिकों की इस टीम ने अपने शोध पत्र में फैडरल रिज़र्व एरिया का नैटवर्क स्थापित करने का सुझाव दिया। उनका प्रस्ताव है कि कुछ फैडरल भूभागों में मवेशियों की चराई रोककर वहाँ ग्रे वुल्फ तथा नॉर्थ अमेरिकन बीवर की आबादी को बसाया जाना चाहिए। क्रिस्ट्रोफर वुल्फ कहते हैं कि, छोटे-छोटे बांध बनाने की प्रक्रिया में बीवर्स की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, जैसे पानी की गुणवत्ता को बेहतर बनाना, नदी तट को सुधारना, जिससे नदी तट हरे-भरे रहें। इनमें ना केवल विभिन्न प्रजातियों को सुरक्षित आवास मिल सकता है बल्कि इससे कार्बन उत्सर्जन कम करके अन्ततोगत्वा जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित किया जा सकता है। इसी प्रकार ग्रे वुल्फ के भी कई लाभ हैं, वे स्थानीय, खुरवाले स्तनपायी जीवों की आबादी को नियंत्रित कर सकते हैं।

'गहलोत राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश में पायलट मुख्यमंत्री बन जाएं तो हमें अगले चुनाव में कोई नहीं हरा सकता'

मुख्यमंत्री के गृह जिले जोधपुर में एस.सी. आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी बैरवा ने कहा

- इधर जयपुर में पायलट समर्थक विधायक-बोले- पोस्टर-होर्डिंग हटाए जा सकते हैं, लेकिन दिल में बस चुके पायलट को कैसे हटाएंगे।
- वेद सोलंकी बोले- सचिन पायलट की लोकप्रियता से विरोधी घबराए, पोस्टर-होर्डिंग हटाने के आदेश 3 सितंबर को ही जारी कर दिये थे।

जयपुर, 6 सितम्बर (का.प्र.)। सचिन पायलट के जन्मदिन के मौके पर एक ओर जहां उनके समर्थकों की भीड़ उन्हें मुख्यमंत्री बनाए जाने के नारे लगा रही थी तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर में एक बार फिर यह मांग उठी कि अशोक गहलोत पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व संभाले और सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाए। वहीं पायलट के पोस्टरों को हटाने को लेकर भी सियासत तेज हो गई है। पायलट समर्थक विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने इशारों-इशारों में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ''सचिन पायलट के पोस्टर-होर्डिंग तो हटाए जा सकते हैं, लेकिन जिनके दिलों में पालयट बस चुके हैं, उन्हें कैसे हटाऐंगे।''

मुख्यमंत्री के गृह जिले जोधपुर में राजस्थान एससी आयोग के अध्यक्ष और विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने एक बार फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व पद ग्रहण करने की सलाह देते हुए कहा कि आलाकमान यह चाहता है। अलग-अलग क्षेत्रों से उनके नाम की सहमति भी आ रही है। ऐसे में उनको राष्ट्रीय नेतृत्व करना चाहिए। बैरवा ने कहा कि ''गहलोत राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश में पायलट जैसा मुख्यमंत्री बन जाए तो हमें अगले चुनाव में कोई नहीं हरा सकता।''

उन्होंने कहा कि गहलोत पुराने, सर्वमान्य नेता हैं। च ाण ने भी कहा है कि गहलोत से कोई आपत्ति नहीं है। इसका मतलब अंदर कुछ न कुछ चल रहा है। अब प्रमोशन हो रहा है। हमारे पुराने लीडर को वहां जाना चाहिए। हालांकि, उनको ही तय करना चाहिए कि क्या करना चाहिए या नहीं। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट उपमुख्यमंत्री रहे हैं, यूथ लीडर हैं। उनके साथ जनभावना है, लेकिन फैसला आलाकमान को करना है।

दूसरी ओर वेद प्रकाश सोलंकी ने कहा कि ''आज जिस तरह से समर्थकों का जनसैलाब उमड़ा है, वह आलाकमान के लिए भी मैसेज है कि राजस्थान की जनता, महिलाएं और खासतौर से राजस्थान का युवा, किसे अपना नेतृत्वकर्ता बनाना चाहते हैं। बिना किसी खर्चे के, बिना किसी गाड़ी-घोड़े के, यह लाखों की संख्या में लोगों का जनसैलाब है, जो यह बता रहा है कि अब वक्त आ गया है कि आलाकमान नेतृत्व परिवर्तन पर विचार करे।''

सोलंकी ने कहा कि सचिन पायलट की लोकप्रियता से विरोधी इतने घबरा गए हैं कि सिविल लाइन क्षेत्र में पोस्टर-होर्डिंग हटाने के आदेश 3 सितंबर को ही जारी कर दिए गए। यह दर्शाता है कि विरोधियों में किस कदर घबराहट है। उन्होंने कहा कि प्रसाशनिक स्तर पर लिखित में आदेश बिना किसी इशारे के नहीं होते हैं।पोस्टर-होर्डिंग तो हटा सकते हैं, लेकिन जिनके दिलों में पायलट बस चुके हैं, उन्हें कैसे हटाएंगे। सोलंकी ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि आलाकमान देखे कि किसी व्यक्ति के पास बिना पद के ये जनसैलाब साथ है तो पद होने पर क्या हो सकता है। सोलंकी ने कहा कि वैसे आलाकमान सब देख रहा है।

सरकारी नोटिस के बावजूद बन गई चार मंजिला अवैध इमारत

कार्रवाई के बजाय उपायुक्त ने चुप्पी साधी

- जगतपुरा में हाउसिंग बोर्ड के डिजाइन टाइप को तोड़कर बनाई गई अवैध बिल्डिंग, सड़क पर बालकनी निकाल किया कब्जा।
- ग्रेटर निगम की जगतपुरा ज़ोन उपायुक्त ममता नागर ने 29 अगस्त को नोटिस थमाकर अवैध निर्माण हटाने को कहा था, भूखंड मालिक धड़ल्ले से निर्माण कार्य पूरा करने में जुटा।

- कार्यालय संवाददाता -

जयपुर, 6 सितम्बर। राजधानी जयपुर में नगर निगम के अफसरों की शह से धड़ल्ले से अवैध निर्माण हो रहे हैं। भूखंड पर निर्माण की अधिकृत स्वीकृति मिले बिना ही निर्माण हो रहे हैं फिर भी निर्माण जारी है और भवन निर्माण संबंधी नियमों की खुली अवहेलना हो रही है, यहां तक कि सैटबैक भी नहीं छोड़ा जा रहा है। मिलीभगत का आलम कुछ ऐसा है कि अधिकारी भूखंड मालिक को सिर्फ नोटिस थमा कर अवैध निर्माण हटाने की चेतावनी तो दे देते हैं लेकिन कार्रवाई के नाम पर चुप्पी साधकर बैठ जाते हैं।

ऐसा ही एक वाकया ग्रेटर निगम के जगतपुरा जोन में सामने आया है। प्रताप नगर में कॉर्नर भूखंड 174/33 पर हाउसिंग बोर्ड द्वारा बना कर दिए गए ''टाइप डिजाइन'' की अनदेखी कर भूखंड मालिक ने ज़ीरो सेटबैक देकर बेसमेंट समेत चार मंजिला इमारत खड़ी कर ली। यहां तक कि सरकारी सड़क पर भी बालकनी निकालकर आरसीसी डाल दी।

जोन उपायुक्त ममता नागर ने गत 29 अगस्त को भूखंड मालिक झाबरमल चौधरी को नोटिस थमाया और तुरंत अवैध निर्माण हटाने के लिए कहा। इस नोटिस के जरिए भूखंड मालिक से निर्माण की स्वीकृति और स्वामित्व दस्तावेज 3 दिन में मांगे थे। साथ ही चेतावनी भी दी थी कि अगर निर्माण स्वीकृति व अन्य दस्तावेज पेश नहीं किए गए तो एक तरफा कार्यवाही करते हुए अवैध निर्माण को हटा दिया जाएगा।

करीब सप्ताह भर पहले जारी इस नोटिस के बाद जगतपुरा जोन के अधिकारी जैसे यहां कार्रवाई करना ही भूल गए और यहां निर्माण कार्य जारी रही।

खुद उपायुक्त ममता नागर ने स्वीकार किया कि जैसे ही उन्हें इस अवैध निर्माण की शिकायत मिली तो उन्होंने तुरंत भूखंड मालिक को नोटिस जारी करवा दिया था, लेकिन अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई, इस बारे में वह कोई जवाब नहीं दे पाई।

अम्बेडकर लॉ युनिवर्सिटी के वी.सी. की नियुक्ति को कोर्ट में चुनौती

- अम्बेडकर लॉ युनिवर्सिटी के वर्तमान वी.सी. विधि स्नातक भी नहीं हैं और राज्य सरकार द्वारा पारित 2019 के कानून में एक गैर विधि स्नातक भी लॉ युनिवर्सिटी का वी.सी. हो सकता है।
- याचिकाकर्ता का कहना है कि जबकि केन्द्र में ऐसा कोई कानून नहीं है, जिससे एक गैर विधि स्नातक को लॉ विश्वविद्यालय का वी.सी. नियुक्त किया जा सकता है, केवल राज्य के कानून में यह असाधारण प्रावधान है।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 6 सितंबर। राजस्थान हाई कोर्ट में भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय के प्रथम वी.सी. की नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत में लम्बी बहस के बाद कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव ने बुधवार को भी सुनवाई जारी रखने के आदेश दिये हैं।

इस मामले में याचिकाकर्ता प्रोफेसर के.बी. अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता सुनील समदड़िया पेश हुए थे। इस मामले में राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग, डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय के चांसलर, वाइस चांसलर और प्रिंसिपल तथा बार काउन्सिल ऑफ इंडिया, राजस्थान बार काउन्सिल और यू.जी.सी. को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में कहा गया है कि भीमराव अम्बेडकर लॉ युनिवर्सिटी, जयपुर एक्ट 2019, में राज्य सरकार ने कॉलेज के चांसलर को ऐसे वी.सी. को नियुक्त करने का अधिकार दिया है जो जरूरी नहीं है कि विधि स्नातक हो। याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया है कि केन्द्र सरकार की संस्था यू.जी.सी. के कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिसके तहत लॉ युनिवर्सिटी का वी.सी. कोई ऐसा व्यक्ति हो सकता है जो विधि स्नातक न हो। याचिका में कहा गया है कि अम्बेडकर लॉ युनिवर्सिटी के वर्तमान वी.सी. विधि स्नातक न होने के कारण, वी.सी. पद के लिए उपयुक्त नहीं है।

वहीं राज्य सरकार की ओर से महाअधिवक्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी जनहित याचिका में गलत तरीके से नियुक्ति प्राप्त वी.सी. या किसी अन्य पद के अधिकारी को चुनौती दे सकता है, पर कानून को जनहित याचिका में चुनौती नहीं दे सकता।

वही यू.जी.सी. की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा ने भी यही कहा कि याचिकाकर्ता ने जनहित याचिका की आड़ में कानून को चुनौती दी है, जो गलत है। उन्होंने आगे कहा कि कानून की वैधता का प्रश्न नहीं है क्योंकि कानून के मुताबिक ही वी.सी. को चयनित किया गया है।

जिस पर कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव के नेतृत्व में खण्डपीठ ने कहा कि केन्द्र सरकार के यू.जी.सी. कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि एक गैर विधि स्नातक किसी लॉ युनिवर्सिटी का वी.सी. हो सकता है। अदालत ने आगे कहा कि राज्य सरकार का कानून भी केन्द्र सरकार के कानून की तर्ज पर ही बना है परन्तु इसमें कुछ अन्य प्रावधान हैं। अदालत ने कहा कि वह इस मामले को गंभीर मानती है और कल भी इस पर सुनवाई जारी रहेगी।

केन्द्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनका संकेत इस तरफ था कि दो शीर्ष अरबपतियों- गौतम अडानी तथा मुकेश अंबानी की सुरक्षा के लिये सी.आई. एस.एफ. की तैनाती की गई है। यह अलग बात है कि अपनी सुरक्षा पर होने वाला खर्च वे स्वयं ही वहन करते हैं। अभी हाल ही में, 1 सितम्बर से सी. आई.एस.एफ. को यहाँ केशव कुंज में बन रहे आर.एस.एस. मुख्यालय तथा उदासीन आश्रम, जहाँ आर.एस.एस. अपना काम-काज करती है, की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है।

'सहकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व केन्द्र शासित प्रदेशों कोऑपरेटिव सोसायटीज़ के प्रतिनिधि होंगे।

नई नीति ''सहकार से समृद्धि'' तक की सोच पर आधारित होगी। यह नया प्रारूप देश में सहकारी आंदोलन को मजबूत करेगा। सहकारिता पर आधारित आर्थिक विकास को आगे बढ़ाएगा।

पेशे से चार्टर्ड एकाउंटैंट सुरेश प्रभू की भारत के सहकारी आंदोलन में गहरी रूचि ही है वे पूर्व में सारस्वत सहकारी बैंक के चेयरमैन तथा नैशनल कोऑपरेटिव यूनियन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे हैं।

दिल्ली में प्र.मंत्री शेख हसीना का विरोध

नई दिल्ली, 6 सितंबर (वार्ता)। बंगलादेश में हिन्दुओं एवं बौद्धों पर हो रहे अमानवीय अत्याचारों एवं जनसंहार से क्षुब्ध हिन्दू संघर्ष समिति, प्रवासी बंगियो समाज एवं ऑल इंडिया रिफ्यूजी फ्रंट ने बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख़ हसीना के भारत दौरे के विरोध में मंगलवार को यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने 'शेख़ हसीना शर्म करो', 'अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बंद करो' के नारे भी लगाये।

नीतीश की सद्भावना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बात चर्चा का रूप ले चुकी है कि कुमार के पक्ष में अभी तक ऐसी कोई ठोस चीज नहीं है जो उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या भाजपा के राष्ट्रीय विकल्प के रूप में प्रस्तुत या प्रदर्शित कर रही हो। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों की जबरदस्त जीत के प्रथम प्रवाह एवं जुनून में, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी स्वयं को विपक्षी एकता अभियान में उतार दिया था तथा उन्होंने मुम्बई और दिल्ली की यात्राएं करके, शरद पवार सहित, विपक्ष के दिग्गज नेताओं के साथ मीटिंग की थी। पिछले महीनों में, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव भी पूरे देश में घूमे हैं तथा वे यह घोषणा भी कर चुके हैं कि उनका इरादा राष्ट्रीय राजनीति में कूदने का है।

विपक्षी एकता के प्रयासों के सफल न होने के दो कारण हैं। एक, विपक्षी खेमा इस बात को लेकर दुविधा में है कि कांग्रेस को साथ लिया जाये या नहीं। दूसरा, विपक्षी दल गैर-भाजपा विपक्षी खेमे में किसी ''भारतीय मॉडल'' का ढाँचा सृजित करने या प्रस्तुत करने में असफल रहे हैं।

नीतीश कुमार राजनैतिक रूप से कमजोर हो चुके तथा दोषपूर्ण भले ही दिखाई दें, लेकिन विपक्षी खेमे में एकजुटता लाने वाले अन्य लोगों की अपेक्षा वे कुछ बेहतर स्थिति में जरूर हैं। चूँकि वे भाजपा के साथ, वे करीब डेढ़ दशक कार्य कर चुके हैं तथा उसे नजदीकी से देख चुके हैं, इसलिये वे भाजपा-रणनीतिकारों की सोच को बेहतर समझते हैं तथा संभवत: उसकी काट करने वाली प्रभावी रणनीति के बारे में सोच सकते हैं। यह बात हिन्दी-भाषी क्षेत्रों के बारे में खासतौर से कही जा सकती है। ममता या के.सी.आर. की तुलना में, एक समन्वयक के रूप में कुमार की स्वीकार्यता की ज्यादा संभावना है, विपक्ष के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में ऐसी संभावना भले ही नहीं हो। येचुरी के साथ हुई मीटिंग के बाद, कुमार ने इस बात को दोहराया कि वे प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती देने वाले नेता की भूमिका में आने की न तो आकांक्षा रखते हैं और न वे इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। लेकिन जे.डी.यू. कार्यकर्ता जो पोस्टर एवं बैनर लगा रहे हैं, उनमें कुमार को 2024 में दिल्ली के सिंहासन का मुख्य चुनौती देने वाले नेता के रूप में प्रस्तुत एवं घोषित किया जा रहा है।

कोटपूतली नगर परिषद से जवाब तलब

- हाई कोर्ट में याचिका पर सुनवाई होगी, जिसमें कहा है कि नगर परिषद ने कई मकान व दुकान बिना नोटिस दिये, बिना मुआवजा दिये और बिना आपत्ति सुने ही तोड़ दिए थे।
- याचिकाकर्ता का कहना है कि, नगर परिषद के अधिकारियों ने हाई कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करते हुए तोड़-फोड़ की कार्यवाही को अंजाम दिया था।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 6 सितंबर। राजस्थान हाई कोर्ट में कोटपूतली नगर परिषद द्वारा सरदार विद्यालय रोड को चौड़ा करने की आड़ में लोगों के घर व दुकान बिना नोटिस और मुआवजा दिये तोड़ने के संबंध में कल कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव के नेतृत्व में गठित खण्डपीठ के समक्ष सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता गोविन्द नारायण शर्मा ने इस मामले में याचिका दायर की थी और अदालत को कहा था कि, कोटपूतली नगर परिषद ने उनका व अन्य कई नागरिकों का घर व दुकान बिना नोटिस दिये, कानूनी प्रक्रिया के अनुसार भूमि अवाप्त करे बिना ही तोड़-फोड़ करने की कार्यवाही की थी।

याचिकाकर्ता का कहना है कि नगर परिषद ने हाई कोर्ट के 25 फरवरी को दिये गये आदेश का उल्लंघन किया है, जिसके तहत नगर परिषद के पुराने नोटिस रद्द कर दिये गये थे और साथ ही नगर परिषद को आदेश दिये थे कि वह एक माह में सभी भू-मालिकों और दुकानदारों की आपत्ति सुनकर ही आगे की कार्यवाही की कानूनी प्रक्रिया के अनुसार करे। गत माह की 27 तारीख को कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव ने नगर परिषद के अधिकारियों से जवाब तलब किया, जिसकी सुनवाई बुधवार को है।

चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की ओर से एडवोकेट प्रशान्त भूषण ने पी.आई. एल. के पक्ष में दलीलें दीं। याचिका में मांग की गई है कि, भविष्य की नियुक्तियों के लिए स्वतंत्र कोलीजियम या सलैक्शन कमेटी का गठित की जाए। उन्होंने सी.बी.आई. डायरैक्टर और लोकपाल की नियुक्तियों के उदाहरण दिए, जिसमें विपक्ष के नेता तथा जुडिशिएरी की राय भी शामिल होती है। पी.आई.एल. में दावा किया गया है कि, इलैक्शन कमीशन की वर्तमान नियुक्तियाँ अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) तथा 324 (2) तथा संविधान के मूल लक्षणों का उल्लंघन करती हैं। याचिका में कहा गया है कि, अनुच्छेद 324 (2) में स्पष्ट कहा गया है कि, सी.ई.सी., और ई.सी. की नियुक्तियों के संबंध में न्यायसंगत, स्पष्ट और वाजिब कानून बनाए, लेकिन ऐसा हुआ नहीं है।

गिरगिटों का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। इसमें किसी बात से बिल्कुल ही विपरीत रूख अख्तियार करना शामिल है जो पहले उन्होंने कभी दावे के साथ कही थी। उनके चुनावी अभियान की शुरूआत भी अपेक्षाकृत अनिश्चित थी, जिसमें कई बार अपने शब्दों को वापस लिया गया।

विदेश मंत्री के रूप में उनके प्रदर्शन पर सबसे हानिकारक टिप्पणी उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव ने की थी, जिन्होंने उनके साथ अपनी मुलाकात को ''किसी बहरे के साथ बातचीत'' की संज्ञा दी थी। उन्होंने सुना लेकिन गौर से नहीं सुना। उन्होंने अपनी टिप्पणियों से फ्रांस के राष्ट्रपति जैसे ब्रिटेन के मित्रों को भी अलग-थलग कर दिया था।

प्रधानमंत्री पद प्राप्त करने के लिए हुए चुनावी अभियान में भी अपनी सार्वजकि चर्चाओं में उनकी पूर्व तैयारी स्पष्ट रूप से ऋषि सुनक से कमतर की, जिन्हें कंज़रवेटिव पॉलीटिकल फिगर्स में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था।

जैसा कि टीकाकारों ने व्यापक रूप से बताया, लिज़ ट्रूस टी.वी. डिबेट्स या डायलॉग्स के सार्वजनिक परीक्षण के पक्ष में नहीं थीं, लेकिन ब्रिटेन की अधिकांश जनता, बूढ़े लोगें और कम शिक्षित वर्ग ने उन्हें ऋषि सुनक की तुलना में अधिक स्वीकार्य पाया।

ऑक्सफोर्ड में पॉलिटिक्स, फिलोसॉफी एण्ड इकोनामिक्स की डिग्री या पी.पी.ई. के लिए अध्ययरत रहने के दौरान वे एक लिबरल डैमोक्रेट थी।

पी.पी.ई. एक ऐसा कोर्स है जिसका अध्ययन प्राय: ऐसे लोग करते हैं जिनमें अन्य श्रेणी का विद्यार्थी बनने की कोई स्पष्ट इच्छाशक्ति अथवा योग्यता नहीं होती। अपने समय में वे ब्रिटेन के यूरोपीयन यूनियन से बाहर निकलने की कटु आलोचक थी।

वे ब्रिटेन के खुली अर्थव्यवस्था की विचारधारा रखने के खिलाफ हैं। उन्होंने ब्रिटेन के आयातों पर टिप्पणी करके अपनी कैम्पेन शुरू की। उन्होंने कहा- ''हम हमारा दो तिहाई चीज़ आयात'' करते हैं, फिर एक लम्बे विराम के बाद कहा कि यह एक बेइज्जती है। इस प्रकार से वे फ्री ट्रेड के विचार से पूर्णतया सहमत नहीं थी।

एक बार उन्होंने अनुरोध किया था कि ब्रिटेन में योग्यता को आकर्षित करने के लिए अप्रवासन कानून अधिक उदार होने चाहिए, लेकिन अब उन्होंने वादा किया है कि वे ब्रिटेन में इमीग्रेशन कंट्रोल करने के लिए पुराने कानूनों को बदल देंगी।

कंज़रवेटिव पार्टी की पूर्वब्रिटिश प्रधानमंत्री मार्गरेट थ्रैचर उनकी रोल मॉडल हैं, बताया जाता है कि वे उन्हीं के जैसे कपड़े पहनती हैं और सार्वजनिक जीवन में उनकी नकल करती हैं।

राजनीतिक गिरगिटों के पास इन दिनों पूर्ण नियंत्रण है, लेकिन लगता है कि ब्रिटेन के राजनेताओं ने अपने पूर्व उपनिवेश के चालाक नेताओं के हाल ही में कोई एक या दो उदाहरण ले लिए हैं।

'मैं किसी का पोता, बेटा, भाई, किसी का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होती नजर नहीं आई।

सादुलशहर के पूर्व विधायक और श्रीगंगानगर जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संतोष सहारण तो बधाई देने के लिए सुबह 6:30 बजे ही पायलट निवास पर पहुंच गए।

बात सिर्फ भीड़ ज्यादा होने की नहीं थी, बल्कि इस बार भीड़ में उत्साह बहुत जबरदस्त नजर आया। कोई ढोल की थाप पर नाचता गाता आ रहा था, तो कोई जबरदस्त नारेबाजी कर रहा था। वहीं अलग-अलग नेताओं के समर्थक भी अपने नेता को कंधों पर बिठाकर उस स्थान पर ला रहे थे जहां सचिन पायलट खड़े होकर लोगों की बधाइयां स्वीकार कर रहे थे।

इस दौरान समर्थकों ने सचिन पायलट को उपहार स्वरूप हल, तीर कमान, बाजरे के सिक्के, तलवार, भीमराव अंबेडकर, श्री कृष्ण, देवी माँ तथा हनुमान जी सहित देवी देवताओं की तस्वीरें और मूर्तियां बड़ी संख्या में भेंट कीं।

इस बार पहले से ही ऐसा लग रहा था कि राजनीतिक बदलाव की संभावनाओं के बीच सचिन पायलट के समर्थक बड़ी संख्या में जयपुर आने वाले हैं और यह अनुमान सही भी निकला जब सुबह 8:00 बजे से शुरू हुआ लोगों का कारवां 2:00 बजे तक निरंतर चलता रहा। ऐसा भी नहीं है कि, सिर्फ गुर्जर बाहुल्य क्षेत्रों से लोग आए हों, बल्कि, राजस्थान के दूरदराज, डूंगरपुर, जालौर सांचौर, जोधपुर, नागौर, बाड़मेर, जैसलमेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, और शेखावाटी से भी बड़ी संख्या में लोगों का हुजूम सचिन पायलट को बधाई देने सिविल लाइन्स पहुंचा।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट 7 सितंबर को 45 साल के हो जाएंगे। लेकिन 6 सितंबर, यानी जन्मदिन से एक दिन पहले ही सचिन पायलट समर्थकों ने जयपुर में बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। वहीं, सचिन पायलट को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने 21 विधायक और कई निगम बोर्ड आयोगों के अध्यक्ष भी पहुंचे।

सचिन पायलट को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वाले मंत्री-विधायकों में विजेंद्र ओला, हेमाराम चौधरी, मुरारी मीणा, अमर सिंह जाटव, सुरेश मोदी, हरीश मीणा, राकेश पारीक, पीआर मीणा, रामनिवास गावड़िया, जीआर खटाना, मुकेश भाकर, इंद्राज गुर्जर, दीपेंद्र सिंह शेखावत और वेद प्रकाश सोलंकी सहित गहलोत कैंप के 7 विधायक, इंदिरा मीणा, गंगा देवी, गिर्राज सिंह मलिंगा, प्रशांत बैरवा, वीरेंद्र सिंह चौधरी, ओम प्रकाश हुड़ला और सुरेश टांक प्रमुख हैं। साथ ही विश्वेंद्र सिंह के बेटे अनिरुद्ध सिंह भी बधाई देने पहुंचे।

वहीं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव धीरज गुर्जर और कुलदीप इंदौरा भी सचिन पायलट को बधाई देने जयपुर आए। इनके अलावा बोर्ड निगमों के अध्यक्षों में गोपाल सिंह ईडवा, महेश शर्मा, ब्रजकिशोर शर्मा, अग्रवाल महासभा की चेयर पर्सन शशि गुप्ता, भाजपा सरकार में बोर्ड के चेयरमैन रहे सलावत खां तथा पूर्व मंत्री विधायकों में नसीम अख्तर इंसाफ, महेंद्र मीणा, पूर्व जिला प्रमुख गीता खटाना,राकेश बोयत सहित पीसीसी पदाधिकारियों में प्रशांत सहदेव शर्मा एआईसीसी सदस्य राजेश चौधरी, सुरेश चौधरी, सचिव शोभा सोलंकी,अजमेर के पूर्व महापौर कमल बाकोलिया, जयपुर लोकसभा प्रत्याशी ज्योति खंडेलवाल, श्रीगंगानगर के नेता अशोक चांडक मुख्य रूप से शामिल थे।

स्टालिन कोई कसर नहीं..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चली जाएगी, डी.एम.के. सुप्रीमो ने अपने दीर्घकालिक सहयोगी के प्रति दृढ़ समर्थन व्यक्त किया है। ऐसा करके, स्टालिन तमिलनाडु में भी अपने निजी हितों का संरक्षण कर रहे हैं, जहाँ भाजपा के प्रति मतदाताओं की एक खास किस्म की नापसंदगी दिखाई देती है और इस नापसंदगी का कारण यह है कि द्रविड़ पाटियाँ ''उत्तर भारत की इस हिन्दी पार्टी'' के खिलाफ वर्षों से जबरदस्त दुष्प्रचार करती आ रही हैं।

एक शक्तिशाली क्षेत्रीय राजनैतिक मुखिया की ओर से आ रहे समर्थन के इस प्रबल संदेश से कांग्रेस को भी निश्चित रूप से कुछ राहत मिली होगी क्योंकि टी.एम.सी. तथा आप जैसे कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों की ओर से तो कांग्रेस के लिए अपमानजनक बातें की जा रही हैं। हो-हल्ला ही मिल रहा है। प्रसंगवश बता दें कि स्टालिन ने टी.एम.सी. तथा आप से भी बातचीत की है लेकिन बड़ी सावधानी पूर्वक कांग्रेस की भावनाओं का भी ख्याल रखा है तथा उसके गठबंधन को समर्थन देने का पुन: आश्वासन दिया है।

इसके अलावा, स्टालिन का सार्वजनिक प्रदर्शन अर्थात् उनका कांग्रेस एवं राहुल गांधी के समर्थन से कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर जितनी मदद मिलेगी, उससे कहीं ज्यादा मदद तमिलनाडु में डी.एम.के. को मिलेगी। इसके अलावा, स्टालिन के समर्थन से एक राष्ट्रीय राजनैतिक दल (कांग्रेस) को यह संतोष मिलेगा कि उसका एक ऐसा भी मित्र दल है, जो खुलकर उसके साथ है, जबकि अन्य क्षेत्रीय दल उसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

यहाँ यह याद दिलाना प्रासंगिक होगा कि 2019 के आम चुनावों से पहले, 2018 में ही, यू.पी.ए. के प्रधानमंत्री चेहरे के रूप में राहुल गांधी का नाम सबसे पहले प्रस्तावित करने वाले स्टालिन ही थे।

दरअसल, तमिलनाडु में वे कांग्रेस के प्रति जितनी ज्यादा नजदीकी प्रदर्शित करते हैं, उतनी ही उनकी भाजपा-विरोधी छवि मजबूत होती है तथा राज्य में उन्हें इसका लाभ मिलता है। भाजपा का प्रबल हिन्दी-समर्थक रूख तथा जबरदस्त एवं आक्रामक हिन्दुत्व का रूख ऐसी चीजें हैं जिनका तमिलनाडु में भाजपा को उतना चुनावी लाभ नहीं मिलता, जितना उसे देश के अन्य हिस्सों में मिलता है।

वस्तुत: तमिलनाडु के लोगों की नजर इस चीज पर है कि भाजपा कितनी आक्रामकता के साथ हिन्दुत्व एजेंडा को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। डी.एम.के. की ओर से, इसके प्रतिकार में, उतना ही बल्कि और भी ज्यादा आक्रामक भाजपा विरोधी रूख सामने आ रहा है। इससे यह बात समझ में आ जाती है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री राजनैतिक रूप से भाजपा-नेतृत्व से क्यों टकराते रहते हैं लेकिन इसके साथ ही वे केन्द्र के साथ काम-काज संबंधी सौहार्दपूर्ण बनाये रखते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com **कोटा कार्यालय:**-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय:**-कुंभ्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 **उदयपुर कार्यालय:**-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 **अजमेर कार्यालय:**-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :**- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :**- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय:** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908